जबलपुर सोमवार 22 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष अष्टमी
वर्ष 31 अंक 353 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज
दर्पण » 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 38.0°C
न्यूनतम तापमान 29.0°C
सूर्योदय - 5.26 | सूर्यास्त - 6.59

योगमय हुआ मध्यप्रदेश, 5000 साधकों ने किया योगाभ्यास

विश्व को भारत का अमूल्य उपहार है योगः राष्ट्रपति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि हम भारत की उस महान योग परंपरा का उत्सव मना रहे हैं, जिसने मानवता के लिये स्वस्थ, संतुलित और सार्थक जीवन का मार्ग प्रदान किया है। योग विश्व को हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल उपहार है। यह हमारे ऋषियों-मुनियों की हजारों वर्षों की साधना का परिणाम है। आज भारतभूमि से स्वास्थ्य, संतुलन, शांति और आत्मकल्याण का संदेश विश्व में प्रसारित किया जा रहा है। 'योग स्वस्थ आयु के लिए' थीम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम कोलकाता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। प्रदेश में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में जबलपुर के गैरीसन ग्राउंड में राज्य स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि हमारे शास्त्रों में शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को जीवन की सफलता का आधार माना गया है। योग उसी संतुलन को स्थापित करने का मार्ग है। 'योग' शब्द का अर्थ है जोड़ना- व्यक्ति को स्वयं से, समाज को प्रकृति से और सम्पूर्ण मानवता को व्यापक विश्व चेतना से जोड़ना। योग एक सशक्त माध्यम है, जो हमें आंतरिक शांति, संतुलन और सामूहिक कल्याण की दिशा में आगे बढ़ाता है। आज जब विश्व अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब योग मानवता को शांति, संतुलन, समरसता और सामूहिक कल्याण का मार्ग दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि योग अब जीवन शैली का अहम हिस्सा बनता जा रहा है।

विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण निरंतर बढ़ रहा है, और यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' है। यह थीम समाज के वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य, सक्रियता, आत्मनिर्भरता और गरिमापूर्ण जीवन में योग की उपयोगिता को रेखांकित करती है। योग बढ़ती आयु में भी व्यक्ति को स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर बनाए रखने में बहुत सहायक है।

योगाभ्यास में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित लगभग 5 हजार योग साधकों ने सहभागिता की।

आनंदमयी जीवन की है पद्धति है योग : राज्यपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ बनाने का माध्यम ही नहीं, बल्कि यह संपूर्ण जीवन को संतुलित, सरल और आनंदमयी बनाने की पद्धति है। योग ही स्वस्थ तन, प्रसन्न मन और योग बने जीवन का धन है। भारतीय ज्ञान परंपरा ने स्वस्थ जीवन का जो मार्ग दिखाया था, आज पूरी दुनिया उसे अपना रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भारतीय योग को अंतर्राष्ट्रीय सम्मान दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि और अटूट प्रतिबद्धता से ही योग को पूरी दुनिया में अपनाया गया है। राज्यपाल ने कहा कि प्राणायाम के जरिए हम नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच को अपनाते हैं। ध्यान हमें अपने अंदर झांकने का अवसर देता है और मन की शांति प्रदान करता है। रोजाना केवल 20 से 30 मिनट का योगाभ्यास, ध्यान और प्राणायाम हमारे लिए प्रभावी और सकारात्मक बदलाव लाने का सबसे सरल माध्यम है। आज योग को आत्मिक उन्नति का माध्यम बनाकर दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लें।

वैश्विक शांति के लिए एकमात्र उपायः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दुनियाभर में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम -योग फॉर हेल्दी एजिंग है। योग दिवस वैश्विक शांति और वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफलतम 12 वर्ष पूर्ण होने पर यह सुखद संयोग बना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत ने योग के रूप में दुनिया को मानव कल्याण का उपहार सौंपा है। योग का अर्थ है जोड़ना, भारत ने अपने ज्ञान- विवेक और विचार से सदैव सभी को एक-दूसरे से जोड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा, हमारी आध्यात्मिक चेतना और समृद्ध सनातन संस्कृति का वैश्विक पटल पर परिचय कराया है। प्रधानमंत्री मोदी ने जब वर्ष 2015 में विश्व योग दिवस का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र सभा में रखा तो 175 से ज्यादा देशों ने इसका ऐतिहासिक समर्थन किया था। इस वर्ष सामूहिक योग सत्रों में करीब 30 से 35 करोड़ लोग शामिल हो रहे हैं।

योगियों की तपोस्थली है मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश योगियों की तपोस्थली रही है। भगवान श्रीकृष्ण को मध्यप्रदेश की धरती पर योग का ज्ञान प्राप्त हुआ। मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपन्नता गौरवशाली इतिहास का अभिन्न हिस्सा रही है। योगेश्वर श्रीकृष्ण ने उज्जैन स्थित सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण की,यहां उन्होंने 64 कला और 14 विद्याओं का गहन अध्ययन किया, इनमें योग विज्ञान सबसे प्रमुख था। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दुनिया के 200 से अधिक देशों में योगाभ्यास हो रहा है। यह भारत की गौरवशाली संस्कृति का प्रतीक है। भारत एक बार फिर दुनिया को अपनी समृद्ध संस्कृति से परिचित करा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के साथ-साथ सूर्य देव की कक्षा परिवर्तन का दिन भी है। आज से सूर्य देव उत्तरायण से दक्षिणायण की ओर यात्रा प्रारंभ करते है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु तथा राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री डॉ यादव ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर स्मृति-चिन्ह भेंट किया।

पहलगाम हमलाः ड्रोन से पहुंचाए गए थे हथियार

एनआईए की चार्जशीट में खुलासा

नई दिल्ली।

कश्मीर के पहलगाम के बैसरन मैदान में पिछले वर्ष हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की चार्जशीट ने कई अहम खुलासे किए हैं। जांच के अनुसार, सीमा पार से भेजे गए ड्रोन बारामूला जिले तक बिना पकड़े गए हथियार, गोला-बारूद और नकदी पहुंचाने में सफल रहे थे। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि 2022 से 2024 के बीच खुफिया तंत्र में आई कमी ने आतंकियों को घाटी में बिना किसी बड़े संदेह के सक्रिय रहने का मौका दिया। अप्रैल 2025 में पहलगाम के लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इस हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर सीमा पार स्थित आतंकी ढांचे को निशाना बनाया था। एनआईए की चार्जशीट के मुताबिक, वर्ष 2024 की शुरुआत में बारामूला जिले के गोगल दारा जंगल क्षेत्र में आतंकियों को ड्रोन के जरिए हथियार और नकदी पहुंचाई गई थी। इस खेप में 20 पिस्तौल, 15 लाख रुपए नकद और त्रिकोण आकार के चीनी ग्रेनेड शामिल थे। जांच में सामने आया है कि आतंकवादी अब केवल नियंत्रण रेखा के पारंपरिक घुसपैठ मार्गों पर निर्भर नहीं हैं। इसके बजाय वे मानवरहित हवाई वाहन और ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे सुरक्षा घेरों को पार कर सीधे आतंकी मॉड्यूल तक हथियार और धनराशि पहुंचाई जा सके। अधिकारियों का मानना है कि बारामूला का गोगल दारा जंगल ड्रोन ड्रॉपिंग के लिए एक प्रमुख स्थान बन गया था, क्योंकि यह सीमा पार से सीधे दृष्टि क्षेत्र में आता है।

नेवी को मिले 3 स्वदेशी युद्धपोत

कोलकाता।

तीन स्वदेशी वॉरशिप्स आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और एंटी-सबमरीन आईएनएस अग्रय रविवार को भारतीय नौसेना में शामिल हुए। इन्हें देश में ही डिजाइन और बनाया गया है। आईएनएस संशोधक एक बार में लगातार 12 हजार किलोमीटर तक जा सकता है। आईएनएस दूनागिरी 8 ब्रह्मोस मिसाइल्स से लैस है। वहीं, आईएनएस अग्रय भारतीय तटरेखा के पास मौजूद दुश्मन पनडुब्बियों को नष्ट कर सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी शक्ति की पहचान विश्व का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता में है।

नीतीश कुमार बने जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष

पटना।

बिहार की राजधानी पटना में जनता दल (यू) कार्यालय में अहम बैठक हुई। जेडीयू की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में नीतीश कुमार को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। बैठक को संबोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, भले ही वे राज्यसभा चले गए हों, लेकिन बिहार के विकास के लिए उनका मार्गदर्शन लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना है कि बिहार में जेडीयू 2025 के चुनाव से भी बढ़िया प्रदर्शन करे। इसके साथ ही, उन्होंने बिहार के बाहर भी जेडीयू को मजबूत करने की बात कही।

होर्मुज बंद किया तो नहीं बचेगा ईरानः ट्रंप

कहा- अमेरिका खुद वसूलेगा टोल, तेल पर होगा कब्जा

वाशिंगटन। शांति वार्ता के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है। ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की जुर्रत की, तो उसका अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप इसे बंद करेंगे और आपके पास कोई देश नहीं बचेगा। आप अपने देश वापस भी नहीं जा पाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका इस रणनीतिक जलमार्ग पर पूरी तरह नियंत्रण कर सकता है। उन्होंने एक कैबिनेट बैठक के दौरान कहा, अगर हमें जरूरत पड़ी, तो हम होर्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जा करेंगे। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं, तो हम खुद वहां से गुजरने वाले जहाजों से टोल टैक्स वसूलेंगे। ट्रंप की धमकी से पहले ईरान ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को बंद करने की बात कही थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका की भूमिका को एक नए अंदाज में पेश किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का गार्जियन एंजेल यानी रक्षक बन सकता है। इसके बदले में अमेरिका वहां से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखेगा। ट्रंप ने साफ किया कि अगर वैश्विक व्यापार को बाधित करने की कोशिश की गई, तो अमेरिकी सेना चुप नहीं बैठेगी। खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति को सुरक्षित रखना अमेरिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इतना ही नहीं, ट्रंप ने इस बार लेबनान और वहां सक्रिय चरमपंथी संगठनों को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। ट्रंप ने बिना किसी लाग-लपेट के ईरान को चेतावनी दी है कि वह लेबनान में जारी अपनी हरकतों को तुरंत बंद करे। ट्रंप ने कहा कि ईरान लेबनान में

मोटी रकम पाने वाले अपने प्रॉक्सिस को तुरंत उपद्रव मचाने से रोके। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर ईरान ने लेबनान में अपने इन लड़ाकों को काबू नहीं किया, तो अमेरिका तेहरान पर फिर से वैसा ही भीषण सैन्य हमला करेगा जैसा पिछले हफ्ते किया था, बल्कि इस बार का प्रहार उससे भी ज्यादा जोरदार होगा।

बातचीत की मेज पर धमकी

यह पूरी कहानी और इसके पीछे का सियासी गणित बेहद दिलचस्प है। ट्रंप की यह धमकी ठीक उस वक्त आई है, जब स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के शीर्ष अधिकारी टेबल पर बैठकर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों ने इसी महीने एक समझौते पर दस्तखत किए हैं, जिसके तहत क्षेत्रीय सुरक्षा, परमाणु कार्यक्रम और सीजफायर जैसे बड़े मुद्दों पर 60 दिनों की वार्ता चल रही है। लेकिन, इस नाजुक मोड़ पर भी ट्रंप ने डिप्लोमेसी के बजाय अपने सख्त तेवर दिखाए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर ईरान लेबनान में मोटी रकम पाने वाले अपने चरमपंथी संगठनों को तुरंत नहीं रोकता, तो अमेरिका पिछले हफ्ते से भी ज्यादा भीषण सैन्य हमला करने में देर नहीं करेगा।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में सुनवाई आज

नई दिल्ली। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के आरोपों वाले मामले में दाखिल जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई संभावित है। याचिका में मामले की जांच सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने और चढ़ावे का ऑडिट नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से कराने की मांग की गई है। सोमवार की वादसूची में न्यायमूर्ति पंकज भाटिया और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की ग्रीष्म अवकाश कालीन खंडपीठ के समक्ष पीआईएल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

सीफूड फैक्ट्री में गैस रिसाव से 2 की मौत

तिरुवल्लूर। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में रविवार को एक सीफूड एक्सपोर्ट फैक्ट्री में अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। घटना में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 64 श्रमिक प्रभावित हुए। प्रभावितों में 60 महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। हालांकि, इससे पहले मीडिया रिपोर्ट में 7 महिला कर्मचारियों की मौत होने की बात कही गई थी। मरीजों में 9 महिलाएं वेंटिलेटर पर हैं। प्रभावित 64 श्रमिकों में से 15 को सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं 47 कर्मचारी निजी अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें 24 अन्य श्रमिक

निजी अस्पतालों में भर्ती होकर निगरानी में हैं। गैस रिसाव की घटना सेंट पीटर्स पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स यूनिट में हुई। तमिलनाडु सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साथ ही अस्पतालों में भर्ती कर्मचारियों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। 30 से अधिक लोगों की टीम गैस लीक का पता लगाने में जुटी है। जिला प्रशासन के अनुरोध पर एनडीआरएफ की स्पेशल केमिकल बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल एंड न्यूक्लिर टीम मौके पर पहुंची है। वहीं पेरियापलायम थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरु की है। मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने इस केस की बेहतर ढंग से जांच के लिए 3 सदस्यों की जांच कमेटी बनाई है। इस कमेटी में इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ के डायरेक्टर, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी और पब्लिक हेल्थ के एडिशनल डायरेक्टर शामिल हैं। यह कमेटी 24 घंटे में अंतरिम रिपोर्ट और तीन दिनों में फाइनल रिपोर्ट सौंपेगी।

शरीर और आत्मा के लिए तोहफा है योग
खुद को खुद से मिलाने का मौका है योग

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर शहर भर में हुए विविध आयोजन

बीएमडी और हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में मनाया गया योग दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बाबू मनमोहन दास हायर सेकेण्डरी दीक्षित पुरा जबलपुर में बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ विविध आयोजन किए गए।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय के समस्त कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना से हुआ, जिसके बाद योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए इसकी उपयोगिता बताई गई। विद्यार्थियों ने योग प्रशिक्षिका अंजली शर्मा एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, वज्रासन तथा प्राणायाम सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को नियमित योगाभ्यास के लाभों जैसे एकाग्रता में वृद्धि, लचीलापन, शारीरिक फिटनेस एवं तनाव प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई।

विद्यालय की प्राचार्या माधुरी शुक्ला, उप प्राचार्य डॉ. सचिन कुमार पेंडके, एचएम नमिता सोनी ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने पूरे कार्यक्रम में अनुशासन एवं उत्साह का परिचय दिया। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने तथा नियमित योगाभ्यास करने की शपथ के साथ हुआ। यह आयोजन योग के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाने तथा विद्यार्थियों को इसके लाभों को अपनाने के लिए प्रेरित करने में सफल रहा।

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में अंतर्राष्टीय योग दिवस के अवसर पर योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय की उप-प्राचार्य द्वारा समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा छात्राओं को विभिन्न योगासनों एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया तथा सभी ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने कहा कि च्योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय का एक प्रभावी माध्यम है । नियमित योग अभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जी सकता है । विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए ।ज्ञ कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने योग को अपनी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया । कार्यक्रम में छात्राएँ इशिता सेन, सरला भलावी, आरती महोबिया, सुभद्रा मरावी एवं प्रतीक्षा मरावी की विशेष सहभागिता रही ।कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, श्रीमती जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, श्री ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन श्रीमती ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी श्री नितिन साहू, श्री शाश्वत गुप्ता, श्री अविनाश लखेरा, श्रीमती प्रेमलता चौबे, श्री विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

सीएससी में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के वीएलई जितेश कुमार साहू द्वारा ग्राम स्तर पर एकीकृत शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंडम में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में उपस्थित प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जन प्रतिनिधि उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सर, स्वास्थ्य विभाग से आये सभी डॉक्टर एवं आयुष्मान विभाग से आये हुए चिकित्सक की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर सीएससी वीएलई जितेश कुमार साहू द्वारा ग्रामीणों को सीएससी के माध्यम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। साथ ही ग्रामीणों को डिजिटल सेवाओं का लाभ लेने एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

उत्साहपूर्वक मनाया गया योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के वीएलई द्वारा ग्वारीघाट में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में उपस्थित प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्टेट प्रोजेक मैनेजर संकल्प सोनी एवं सीएससी जिला प्रबन्धक राम मनोहर बैस की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति एवं आत्मिक संतुलन भी प्राप्त होता है। इस अवसर पर सीएससी वीएलई विकास सराठे द्वारा ग्रामीणों को सीएससी के माध्यम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं डिजिटल सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

संत निरंकारी मिशन में मनाया योग दिवस

सतगुरु माता सुदीक्षाजी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमितजी के आशीर्वाद से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संत निरंकारी मिशन की विभिन्न शाखाओ मे योग एवं आध्यात्मिक जागरूकता पर केन्द्रित कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इसी क्रम मे ज़ोनल इंचार्ज नवनीत नागपाल ने बताया कि संत निरंकारी मिशन कि शाखा जबलपुर मे भी योग दिवस उत्साहपूर्वक हुआ। कार्यक्रम मे श्रद्धालु भक्तों, सेवादल स्वयंसेवको एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागित की। अनुभवी योग प्रशिक्षक प्रेम विश्वकर्मा जी के मार्गदर्शन मे आयोजित योग सत्र मे प्रतिभागियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। संत निरंकारी चेरिटेबल फ़ाउंडेशन के सचिव जोगिंदर सुखीजा के अनुसार, मिशन द्वारा देशभर के 1500 से अधिक केन्द्रो पर सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देना था।

अथ श्री यथार्थ परिवार ने लगाया योग शिविर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अथ श्री यथार्थ परिवार द्वारा एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर की विभिन्न सामाजिक एवं सेवा संगठनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। यथार्थ परिवार द्वारा नियमित रूप से संचालित योग कक्षाएं विशाल शिव योग पार्क, विजयनगर एवं अनमोल वाटिका में आयोजित की जाती हैं। साथ जबलपुर की प्रसिद्ध भजन गायक सत्येंद्र साथी के द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई।अथ श्री यथार्थ फाउंडेशन द्वारा संचालित योगाभ्यास केवल योग दिवस तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षभर नियमित एवं नि:शुल्क रूप से किया जाता है। इस योग सत्र का संचालन योगाचार्य रमाकांत पलहा एवं योगाचार्य अनुज तिवारी द्वारा किया गया। इसके साथ थैलेसीमिया परिवार द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया गया, जिसमे लोगों ने ब्लड डोनेट किया।

पमरे और तीनों मंडलों में हुआ आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसयोग दिवस का आयोजन पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में रेल सौरभ अधिकारी क्लब एवं जबलपुर मण्डल में सतपुड़ा क्लब में किया गया। साथ ही दोनों मण्डलों एवं कारखानों पर भी पूरे जोर शोर से 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस योग दिवस पर योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर परप्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह एवं अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता एकनाथ मोहकर आदि ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

योग दिवस पर सिहोरा में हुए विविध आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत) । सांदीपनि पंडित विष्णु दत्त शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहोरा और गोसलपुर के रामसागर जलाशय के तट पर स्थित शिवघाट मंदिर प्रांगण एवं सब जेल सिहोरा में योग सप्ताह के समापन पर योग कार्यक्रम आयोजित किये गए । मध्यप्रदेश योग आयोग के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर उपस्थित जनों को योग कराया गया एवं विस्तार से योग की क्रिया योग के फायदे गिनायें साथ ही योग का जीवन में कितना अधिक महत्व है इस बारे में भी उन्होंने विस्तार से बताया साथ ही कहा की स्वस्थ शरीर के लिए योग बहुत जरूरी है। इस मौके पर ग्राम के जनप्रतिनिधि विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मप्र जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाइक और कार में भिड़ंत के बाद जमकर भिड़े 2 पक्ष

बरगी थाने का मामला, एफआईआर दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरगी थाने में 25 वर्षीय अभिषेक झारिया निवासी सुदामानगर, मदनमहल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह एवं अभिषेक प्रजापति, क्रिस गुप्ता के साथ अपने क्लाइंट से मिलने बाईक से बरगी आ रहा था। तभी रास्ते में फोरव्हीलर गाड़ी ने उसके ओवर टेक करते हुये कट मार दिया एवं उसकी गाड़ी के सामने फोर व्हीलर गाड़ी लगा दी। गाड़ी से एक व्यक्ति उतरा और उसकी कॉलर पकड़कर उसके साथ गाली गलोज करते हुये हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगा, अभिषेक एवं क्रिस गुप्ता बीच बचाव करने लगे तो उनके साथ भी मारपीट की और चला गया, वह एवं उसके साथ वाले गाड़ी से बरगी आये बरगीनगर वायपास ब्रिज के नीचे पहुँचे तभी वही फोर व्हीलर गाड़ी वाले आये जिसमें 3-4 व्यक्ति थे उसकी गाड़ी रोकी फोर व्हीलर गाड़ी से सुशील साहू, सावन दुबे, राजा खान, आयुष परिहार उतरकर उसके साथ गाली गलौज करते मारपीट करने लगे उसके साथी अभिषेक प्रजापति एवं क्रिस गुप्ता बचाने के लिये आये तो दोनों के साथ भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिये। मारपीट से उसके हाथ पैर सिर तथा अभिषेक गुप्ता एवं क्रिस गुप्ता को भी शरीर में चोटें आयीं।

दूसरा पक्ष भी पहुंचा थाने

वहीं 40 वर्षीय सुशील साहू निवासी बसंतनगर बरगी ने बताया की वह अपनी फोर व्हीलर में अपने साथी दुर्गेश बर्मन के साथ बरगी आ रहा था। रास्ते में बाइक सवार तीन व्यक्ति उसकी गाड़ी कट मार दिए तो उसने उन लोगों को चिल्लाकर बोला कि अच्छे से गाड़ी चलाओ, उन लोगों ने अपनी बाइक उसकी कार के सामने लगाकर उसका रास्ता रोक गाली गलौज करते हुये मारपीट करने लगे, दुर्गेश बर्मन बीच बचाव किया मारपीट करते समय तीनों एक दूसरे का नाम अभिषेक दाहिया, क्रिस गुप्ता और अभिषेक दाहिया, क्रिस गुप्ता और अभिषेक प्रजापति बोल रहे थे। मारपीट कर बरगी तरफ चले गये, वह अपनी कार में बैठकर दोस्त दुर्गेश बर्मन के साथ बरगी जाने के निकल गया थोड़ी देर बाद जैसे वह बरगीनगर वायपास ब्रिज के नीचे पहुँचा तो ये तीनों ने उसे रोका और अभिषेक दाहिया गाली गलोज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो तीनों उसके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलआफ मामला दर्ज करते हुए तफ्तीश शुरू कर दी।

हर डिस्पेंसरी में उपलब्ध रहेंगी जीवन रक्षक दवाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना सीजीएचएस की डिस्पेंसरी नम्बर 4 के प्रभारी अधिकारी डॉ आरपी रावत द्वारा आयोजित मासिक बैठक में सीनियर सिटीजनों की विविध एसोसिएशनो के सलाहकार प्रतिनिधि मृगेन्द्र नारायण सिंह, गुरमुख दास तलरेजा, अनिल शुक्ला, किशन लाल ने लाभार्थियों की स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में एमएन सिंह ने विशेष रूप से बताया गया कि अपर निदेशक डॉ ए के सुधांशु से मिले एक प्रतिनिधिमंडल ने जीवन रक्षक मेडिसन जैसे गम्भीर विषय को लेकर ऐसा आग्रह किया तभी अपनी सहमति देते हुए अपर निदेशक डॉ सुधांशु ने नगर की सभी सीजीएचएस डिस्पेंसरी में आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने आश्वस्त किया ताकि मरीजों को आपातकालीन परिस्थितियों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। सदस्यों ने कहा कि जीवन रक्षक दवाओं की नियमित उपलब्धता से वरिष्ठ नागरिकों एवं गंभीर रोगों से पीड़ित मरीजों को विशेष लाभ मिलेगा।

ऑनलाइन गेमिंग फर्मों पर सेंट्रल जीएसटी टीम की दबिश

300 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का अनुमान, जांच जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेंट्रल जीएसटी जबलपुर की एंटी एवीजन ब्यूरो (एईबी) टीम ने शनिवार देर रात सतना में ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी तीन फर्मों पर दबिश दी। इस कार्यवाही में लगभग 300 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी का अनुमान लगाया गया है। टीम ने फर्म संचालकों से प्राथमिक तौर पर एक करोड़ रुपए जमा भी कराए। यह कार्यवाही शहर के पुष्करणी पार्क के पास स्थित कॉलोनी में संचालित फर्म गायजेक प्राइवेट लिमिटेड और उससे जुड़ी दो अन्य फर्मों पर की गई। जीएसटी अधिनियम की धारा 67 के तहत कारोबार से जुड़े दस्तावेजों को जब्त किया गया है। सभी दस्तावेजों को अपने साथ जबलपुर ले गई।

बड़े पैमाने पर किए गए वित्तीय लेन-देन

बताया जा रहा है कि यह कार्यवाही इतनी गोपनीय थी कि सेंट्रल जीएसटी के स्थानीय कार्यालय को इसकी भनक तक नहीं लगी। जबलपुर सेंट्रल जीएसटी के आधा दर्जन से अधिक अधिकारी इस टीम में शामिल थे। सूत्रों के अनुसार गायजेक प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से ऑनलाइन गेमिंग गतिविधियों का संचालन किया जा रहा था। इसी पते पर खेलब्रो प्राइवेट लिमिटेड और स्किलब्रो प्राइवेट लिमिटेड नामक 2 अन्य फर्मों की भी जांच की गई है। इन तीनों फर्मों के निदेशक एक ही हैं और ये सभी एक ही पते से संचालित हो रही थीं। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए बड़े पैमाने पर वित्तीय लेन-देन किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में 300 करोड़ रुपए के कर अपवंचन का अनुमान है। जब्त किए गए दस्तावेजों की गहन जांच जारी है।

आनलाइन काव्य संगोष्ठी में 151 रचनाकार हुए शामिल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिसे कोई नहीं समझे वो पापा समझते हैं, अगर सिर पे पापा का साया न होता, मेरे पिता परमेश्वर तू लाजबाव है,पिता एक उम्मीद है पाले सबकी बात, होश संभाला जब से देखा सबसे हैंडसम बाबूजी,वो हाथ जो मेरे सिर पर फिरता था कुछ ऐसी ही प्रेरणास्पद एवं भावनात्मक रचनाओं का काव्य पाठ करके सभी ने अपने पिता को याद किया। अवसर था प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के 517 वें आयोजन का जिसमें स्मृति शेष रामनाथ जारोलिया को समर्पित पितृ दिवस काव्य गोष्ठी का जिसमें सारस्वत अतिथि के रूप में हास्य सम्राट केके नायकर, मुख्य अतिथि मथुरा जैन उत्साही, विशिष्ट अतिथि के रूप में दुबई से शिक्षाविद मनीषा आसवानी, बिलासपुर से डॉ राजेश्वरी गर्ग की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेवी श्री रामलीला समिति गढ़ा के अशोक मनोध्या ने की।

धूप, उमस हुई तेज, अब तो बरस जाओ मेघ

रिमझिम फुहारें बनी आफत, हलाकान हुए आमजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी में रविवार को मौसम के कई अनोखे रंग देखने को मिले। पूरे दिन आसमान में बादलों और सूरज के बीच लुकाछिपी का दौर चलता रहा। कभी तेज धूप खिलने से तपिश बढ़ जाती, तो कभी घने बादलों के छा जाने से लोगों को गर्मी से आंशिक राहत मिलती। धूप-छांव के इस उतार-चढ़ाव वाले मिजाज ने दिनभर शहरवासियों को उलझाए रखा। राहत की बात यह रही कि सुबह के वक्त मौसम पूरी तरह साफ और खुला रहा। सुबह धूप खिली रहने के कारण ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शहरवासियों ने बिना किसी बाधा के पार्कों, मैदानों और शैक्षणिक संस्थानों में भारी उत्साह के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया। सुबह की इस अनुकूल स्थिति ने योग प्रेमियों के उत्साह को दोगुना कर दिया।

तापमान में हुई गिरावट

इस दौरान अधिकतम तापमान 38.0 तो वहीं न्यूनतम तापमान 29.0 दर्ज किया गया। दोपहर होते-होते मौसम ने एक बार फिर करवट बदली। आसमान को बादलों ने घेर लिया और शहर के कुछ चुनिंदा इलाकों में अचानक हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। रिमझिम बौछार ने कुछ समय के लिए तो वातावरण को थोड़ा सुहाना बनाया, लेकिन यह राहत ज्यादा देर नहीं टिकी। बूंदाबांदी थमने के बाद खिली तेज धूप के कारण हवा में नमी बढ़ गई, जिससे मौसम में उमस का असर बरकरार रहा। हवा थमने और भारी उमस के चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा और वे पसीने से तर-बतर होते नजर आए। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, आने वाले एक-दो दिनों तक बादलों की ऐसी ही आवाजाही के साथ उमस का यह दौर जारी रह सकता है।

व्यवसाय प्रबंधन में हैं रोजगार के असीम अवसर

आज के आधुनिक युग में वैश्वीकरण और डिजिटल क्रांति ने व्यावसायिक दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। हर कंपनी, चाहे वह छोटी हो या बहुराष्ट्रीय, उसे सफलतापूर्वक चलाने के लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता होती है। इसी कारण व्यवसाय प्रबंधन आज युवाओं के लिए सबसे लोकप्रिय और आकर्षक करियर विकल्पों में से एक बन गया है। व्यवसाय प्रबंधन का अर्थ है किसी संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मानव, वित्तीय, तकनीकी और भौतिक संसाधनों का सही तरीके से नियोजन, संगठन, निर्देशन और नियंत्रण करना। इसमें नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता और समस्या समाधान कौशल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रोजगार के प्रमुख क्षेत्र

1 मानव संसाधन प्रबंधन

इस क्षेत्र में कर्मचारियों की भर्ती, प्रशिक्षण और कार्यस्थल के वातावरण को बेहतर बनाने का कार्य किया जाता है। इसमें एचआर मैनेजर, टैलेंट एक्विजिशन स्पेशलिस्ट जैसे पद होते हैं।

2 वित्तीय प्रबंधन

यह क्षेत्र कंपनी के बजट, निवेश और वित्तीय जोखिमों को संभालता है। इसमें वित्तीय विश्लेषक, निवेश बैंकर और बजट मैनेजर जैसे पद शामिल हैं।

3 विपणन एवं बिक्री

इसमें उत्पादों की ब्रांडिंग, विज्ञापन और बिक्री बढ़ाने की रणनीतियाँ बनाई जाती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के कारण इसमें रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं।

4 संचालन प्रबंधन

यह उत्पादन से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। ई-कॉमर्स कंपनियों में इस क्षेत्र की बहुत मांग है।

5 प्रोजेक्ट प्रबंधन

इसमें किसी प्रोजेक्ट को समय और बजट के अनुसार पूरा करने के लिए टीमों का समन्वय किया जाता है।

इन कोर्सेस की उपलब्धता

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बीबीए या बीएमएस जैसे स्नातक कोर्स उपलब्ध हैं। स्नातक के बाद एमबीए सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित डिग्री मानी जाती है। इसके लिए कैट या मेट, जैसी परीक्षाएँ देनी होती हैं।

क्या है भविष्य की संभावनाएँ

आज के समय में बिजनेस एनालिटिक्स, डेटा साइंस और ई-कॉमर्स मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में भी प्रबंधकों की भारी मांग है। अच्छे संचार कौशल और निर्णय क्षमता इस क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

निष्कर्ष

व्यवसाय प्रबंधन केवल नौकरी का साधन नहीं है, बल्कि यह नेतृत्व क्षमता विकसित करने और स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का अवसर भी देता है। भविष्य में इसकी मांग लगातार बढ़ती रहेगी, जिससे यह युवाओं के लिए एक उज्ज्वल करियर विकल्प बनता है।

राजीव तिवारी
उप प्राचार्य
हितकारिणी उमा शाला
देवताल, गढ़ा, जबलपुर

क्या है डिजिटल पेमेंट का भविष्य

स्मार्टफोन और इंटरनेट ने भुगतान के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। आज चाय की दुकान से लेकर बड़े शोरूम तक, हर जगह डिजिटल पेमेंट आम हो गया है। आने वाले वर्षों में यह बदलाव और तेज होगा। डिजिटल भुगतान केवल सुविधा नहीं, बल्कि देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव बनता जा रहा है।

तेजी से बढ़ रहा है डिजिटल लेनदेन– यूपीआई, मोबाइल वॉलेट, डेबिट-क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के बढ़ते उपयोग ने लोगों को नकदी पर निर्भरता कम करने का अवसर दिया है। छोटे दुकानदार और ग्रामीण क्षेत्रों में भी डिजिटल भुगतान तेजी से अपनाया जा रहा है।

एआई और नई तकनीक की भूमिका– भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, कॉन्टैक्टलेस पेमेंट और वॉयस-आधारित भुगतान जैसी तकनीकें डिजिटल लेनदेन को और तेज, सुरक्षित और आसान बनाएंगी। धोखाधड़ी रोकने में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

माइंड मैप तकनीक: पढ़ाई को बनाएं आसान, याद रखना होगा और भी सरल

क्या आपने कभी महसूस किया है कि घंटों पढ़ाई करने के बाद भी कई बातें याद नहीं रहतीं? इसका कारण केवल मेहनत की कमी नहीं, बल्कि सही अध्ययन तकनीक का अभाव भी हो सकता है। माइंड मैप ऐसी ही एक प्रभावी तकनीक है, जो जटिल विषयों को सरल, व्यवस्थित और रोचक तरीके से समझने में मदद करती है। इसमें शब्दों, रंगों, चित्रों और शाखाओं के माध्यम से किसी विषय को एक ही पेज पर व्यवस्थित किया जाता है। इससे पढ़ाई आसान होती है और लंबे समय तक याद भी रहती है।

क्या है माइंड मैप तकनीक?

माइंड मैप एक दृश्य (विजुअल) अध्ययन तकनीक है, जिसमें किसी विषय के मुख्य विचार को पेज के बीच में लिखा जाता है। इसके बाद उससे जुड़े उप-विषयों को शाखाओं के रूप में जोड़ा जाता है। इस तरीके से पूरा विषय एक नजर में समझ में आ जाता है। यह तकनीक दिमाग के रचनात्मक और तार्किक दोनों पक्षों को सक्रिय करती है, जिससे सीखने की गति बढ़ती है।

कैसे करता है पढ़ाई में मदद?

माइंड मैप बड़े अध्यायों को छोटे-छोटे भागों में बांट देता है। इससे विषय को समझना आसान हो जाता है और दोहराने में कम समय लगता है। परीक्षा से पहले केवल माइंड मैप देखकर पूरे अध्याय का रिवीजन किया जा सकता है। यह तकनीक तथ्यों, सूत्रों, तिथियों और महत्वपूर्ण बिंदुओं को याद रखने में भी बेहद उपयोगी साबित होती है।

किन विषयों में है सबसे ज्यादा उपयोगी?

माइंड मैप लगभग सभी विषयों के लिए उपयोगी है। विज्ञान में किसी प्रक्रिया को समझाने, इतिहास में घटनाओं का क्रम याद रखने, भूगोल में मानचित्र और अवधारणाओं को जोड़ने, गणित में सूत्रों को व्यवस्थित करने तथा भाषा विषयों में व्याकरण और साहित्य के अध्यायों को समझने के लिए इसका प्रभावी उपयोग किया जा सकता है।

विद्यार्थियों के लिए विशेष लाभ

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल अधिक पढ़ना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्मार्ट तरीके से पढ़ना भी उतना ही जरूरी है। माइंड मैप तकनीक पढ़ाई को सरल, रोचक और प्रभावी बनाती है। यदि विद्यार्थी इसे अपनी नियमित अध्ययन आदत का हिस्सा बना लें, तो कठिन विषय भी आसानी से समझ में आने लगेंगे और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने का आत्मविश्वास बढ़ेगा। याद रखें, सही तकनीक के साथ की गई पढ़ाई ही सफलता का मजबूत आधार बनती है।

माइंड मैप बनाने का सही तरीका

सबसे पहले एक खाली कागज लें और उसके बीच में मुख्य विषय लिखें। अब उससे जुड़े प्रमुख बिंदुओं को अलग-अलग शाखाओं के रूप में जोड़ें। प्रत्येक शाखा से संबंधित छोटे बिंदु लिखें। अलग-अलग रंगों, संकेतों और छोटे चित्रों का उपयोग करें, ताकि जानकारी अधिक आकर्षक और यादगार बने। कोशिश करें कि लंबे वाक्यों की जगह छोटे शब्दों या संकेतों का प्रयोग करें।

पेपर लीक मेहनती छात्रों के सपनों पर खतरे की घंटी

आज शिक्षा हर छात्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम और लगन से परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, ताकि वे अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें। लेकिन जब किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही लीक हो जाता है, तो यह न केवल उनकी मेहनत को व्यर्थ कर देता है, बल्कि पूरी परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा देता है।

पेपर लीक की समस्या– पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों जैसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और मध्य प्रदेश में पेपर लीक की घटनाएँ लगातार सामने आई हैं। इन घटनाओं ने परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और निष्पक्षता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इससे छात्रों और अभिभावकों का शिक्षा व्यवस्था पर से विश्वास कमजोर होने लगा है।

मेहनती छात्रों पर प्रभाव

इस समस्या का सबसे बड़ा नुकसान उन छात्रों को होता है जो ईमानदारी से दिन-रात मेहनत करते हैं। जब कुछ लोग गलत तरीकों से प्रश्नपत्र प्राप्त कर लेते हैं, तो योग्य और मेहनती छात्रों की मेहनत का कोई उचित मूल्य नहीं रह जाता। इससे उनके मन में निराशा, असंतोष और असुरक्षा की भावना उत्पन्न होती है।

मानसिक और आर्थिक नुकसान

पेपर लीक होने की स्थिति में अक्सर परीक्षाएँ रद्द कर दी जाती हैं या पुनः आयोजित की जाती हैं। इससे छात्रों को मानसिक तनाव, अनिश्चितता और समय की भारी बर्बादी का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों पर यात्रा और तैयारी का अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ता है, जो कई परिवारों के लिए कठिन हो जाता है।

समाज पर प्रभाव और समाधान

पेपर लीक केवल एक शैक्षणिक समस्या नहीं, बल्कि यह समाज में भ्रष्टाचार और अनैतिकता को भी बढ़ावा देता है। इसे रोकने के लिए सरकार और परीक्षा एजेंसियों को सख्त कदम उठाने चाहिए। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक, डिजिटल निगरानी, और सख्त कानूनों का पालन आवश्यक है। दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

अंततः कहा जा सकता है कि पेपर लीक केवल परीक्षा की समस्या नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के सपनों और भविष्य से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गहरा असर पड़ेगा। इसलिए निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

संगीता राज
शिक्षक
के.सी. हितकारिणी चिल्ड्रेन्स एकेडमी, जोन्सगंज जबलपुर

स्टूडेंट लाइफ से ही अपनाएं स्मार्ट मनी मैनेजमेंट की आदत

छात्र जीवन केवल पढ़ाई और करियर की तैयारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक रूप से जिम्मेदार बनने की शुरुआत भी है। यदि छात्र इसी समय से पैसों का सही प्रबंधन, बचत और निवेश की आदत विकसित कर लें, तो भविष्य में आर्थिक चुनौतियों का सामना करना आसान हो जाता है। स्मार्ट मनी मैनेजमेंट न केवल वित्तीय सुरक्षा देता है, बल्कि आत्मविश्वास और बेहतर निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित करता है।

बजट बनाना सीखें

हर महीने मिलने वाले पॉकेट मनी या आय का बजट बनाएं। आवश्यक और अनावश्यक खर्चों में अंतर समझें तथा खर्च का नियमित हिसाब रखें।

बचत को बनाएं आदत

आय चाहे कम हो, उसका एक हिस्सा नियमित रूप से बचाने की कोशिश करें। छोटी-छोटी बचत समय के साथ बड़ी पूंजी का रूप ले सकती है।

डिजिटल भुगतान का करें समझदारी से उपयोग

यूपीआई डेबिट कार्ड और मोबाइल बैंकिंग जैसी सुविधाओं का सुरक्षित उपयोग करें। ओटीपी, पिन और पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

निवेश की शुरुआती जानकारी लें

कॉलेज के दौरान ही सिप, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और अन्य निवेश विकल्पों के बारे में सीखना शुरू करें। सही जानकारी भविष्य में बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में मदद करती है।

कॉमर्स में 95 प्लस स्कोर का ब्लूप्रिंट: जानिए बोर्ड टॉपर की स्मार्ट आदतें

कॉमर्स स्ट्रीम में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने के लिए केवल घंटों पढ़ना ही पर्याप्त नहीं होता। सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि आप क्या पढ़ रहे हैं, कैसे पढ़ रहे हैं और कितनी नियमितता से अभ्यास कर रहे हैं। टॉपर छात्रों की कुछ ऐसी आदतें होती हैं, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती हैं। यदि आप भी 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करना चाहते हैं, तो इन स्मार्ट आदतों को अपनी तैयारी का हिस्सा बनाइए। पढ़ाई को संतुलित बनाने के लिए दिन को तीन हिस्सों में बांटें। लगभग 3 घंटे नए अध्यायों और अवधारणाओं को समझने में लगाएं। इसके बाद 2 घंटे केवल प्रश्नों का अभ्यास करें, ताकि सीखी हुई बातें मजबूत हों। अंत में 1 घंटा पुराने टॉपिक का रिवीजन करें। यह तरीका दिमाग पर पढ़ाई का बोझ नहीं बढ़ाता और हर विषय पर बराबर पकड़ बनाए रखता है।

अकाउंटेंसी में स्पीड और शुद्धता दोनों बढ़ाएं

अकाउंटेंसी ऐसा विषय है जिसमें केवल सिद्धांत जानना पर्याप्त नहीं होता। रोज़ कम से कम 30 से 45 मिनट जर्नल, लेजर, कैश बुक, ट्रायल बैलेंस और फाइनल अकाउंट्स के प्रश्न हल करें। प्रश्न हल करते समय हर स्टेप सही लिखने की आदत डालें। यदि शुरुआत में गलतियां हों तो घबराएं नहीं, क्योंकि नियमित अभ्यास से ही स्पीड और शुद्धता दोनों विकसित होती हैं।

बिजनेस स्टडीज़ को रटें नहीं, समझें

बिजनेस स्टडीज़ में अधिक अंक पाने के लिए उत्तरों को केवल याद करने की बजाय उनके पीछे का तर्क समझें। प्रत्येक अध्याय को किसी वास्तविक कंपनी या व्यापारिक उदाहरण से जोड़कर पढ़ें। उत्तर लिखते समय पहले परिभाषा, फिर मुख्य बिंदु और अंत में छोटा-सा उदाहरण दें। इससे उत्तर प्रभावशाली बनते हैं और परीक्षक पर अच्छा प्रभाव पड़ता है

इकोनॉमिक्स में ग्राफऔर डायग्राम पर फोकस

इकोनॉमिक्स में कई ऐसे प्रश्न होते हैं, जिनमें सही ग्राफ या डायग्राम बनाने पर उत्तर अधिक प्रभावी बन जाता है। मांग और पूर्ति वक्र, राष्ट्रीय आय, बाजार संतुलन जैसे महत्वपूर्ण ग्राफ का नियमित अभ्यास करें। साथ ही आंकड़ों और अवधारणाओं को आपस में जोड़कर समझें, ताकि किसी भी प्रकार के प्रश्न का उत्तर आसानी से दिया जा सके।

रोज़ 30 मिनट का गोल्डन रिवीजन टाइम रखें

दिनभर जो भी पढ़ा है, उसे रात में सोने से पहले 30 मिनट अवश्य दोहराएं। यह समय नए विषय पढ़ने का नहीं, बल्कि पूरे दिन सीखी गई बातों को मजबूत करने का होता है। नियमित रिवीजन से जानकारी लंबे समय तक याद रहती है और परीक्षा के समय दोबारा पूरी किताब पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ती।

कॉमर्स से बैंकिंग तकः उज्ज्वल भविष्य की ओर सुनहरा मार्ग

यदि आप एक ऐसे करियर की तलाश में हैं, जिसमें आकर्षक वेतन, नौकरी की स्थिरता, पदोन्नति के अवसर और समाज में सम्मान हो, तो बैंकिंग सेक्टर आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकता है। भारत में डिजिटल बैंकिंग, फिनटेक और वित्तीय सेवाओं के विस्तार के साथ बैंकिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। बैंकिंग सेक्टर आज केवल नौकरी का माध्यम नहीं, बल्कि लंबे समय तक स्थिर और सम्मानजनक करियर का विकल्प बन चुका है। यदि आप नियमित तैयारी, सही कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बैंकिंग क्षेत्र में उज्ज्वल भविष्य बना सकते हैं। सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में योग्य युवाओं के लिए हर वर्ष हजारों रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं।

क्यों चुनें बैंकिंग सेक्टर?

बैंकिंग क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यहां कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य वातावरण, नियमित वेतन, विभिन्न भत्ते, प्रशिक्षण और करियर में आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। तकनीक के बढ़ते उपयोग के कारण बैंकिंग में नए-नए विशेषज्ञ पद भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

इन पदों पर मिलते हैं अवसर

बैंकिंग क्षेत्र में प्रोबेशनरी ऑफिसर, क्लर्क, स्पेशलिस्ट ऑफिसर, रिलेशनशिप मैनेजर, क्रेडिट ऑफिसर, लोन ऑफिसर, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, रिस्क मैनेजर, ब्रांच मैनेजर, ट्रेजरी ऑफिसर, डेटा एनालिस्ट, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ और डिजिटल बैंकिंग विशेषज्ञ जैसे अनेक पदों पर करियर बनाया जा सकता है। सरकारी बैंकों में भर्ती मुख्यतः आईबीपीएस, एसबीआई और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से होती है।

8 केंद्रों पर नीट परीक्षा हुई शांतिपूर्वक सम्पन्न

री-नीट (यूजी) परीक्षा में 89.43 प्रतिशत रही उपस्थिति

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा री-एग्जाम 2026 का आयोजन शनिवार 21 जून को जिले के 08 परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। परीक्षा में कुल 3112 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 2783 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 329 अनुपस्थित रहे। जिले में कुल उपस्थिति प्रतिशत 89.43 प्रतिशत दर्ज किया गया।

सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में 600 परीक्षार्थियों में से 509 उपस्थित एवं 91 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 84.83 प्रतिशत रही।शासकीय कन्या उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय, बुढ़ी, बालाघाट में 232 में से 214 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 18 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 92.24 प्रतिशत दर्ज की गई। शासकीय

कमला नेहरू गर्ल्स कॉलेज, बालाघाट में 240 में से 226 उपस्थित एवं 14 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 94.17 प्रतिशत रही। शासकीय एम एल बी विद्यालय, बालाघाट में 480 परीक्षार्थियों में से 424 उपस्थित एवं 56 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 88.33 प्रतिशत रही। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, बालाघाट में 240 में से 220 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 20 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 91.67 प्रतिशत रही। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट में 480 में से 403 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 77 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 83.96 प्रतिशत दर्ज की गई। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भरवेली-

बालाघाट में 360 में से 336 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 24 अनुपस्थित रहे। उपस्थिति 93.33 प्रतिशत रही। जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 480 परीक्षार्थियों में से 451 उपस्थित एवं 29 अनुपस्थित रहे। यहां उपस्थिति का प्रतिशत 93.96 रहा।

जिला प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा कहीं से भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई। अधिकारियों ने परीक्षा संचालन की सतत निगरानी कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बच्चों के स्कूल मार्ग को लेकर विवाद, सरपंच समेत 6 घायल

एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

परसवाड़ा (स्वतंत्र मत)। ग्राम चीनी के बर्राटोला में बच्चों के स्कूल आने-जाने के लिए रास्ता खोलने को लेकर चल रहा विवाद शनिवार देर शाम को हिंसक हो गया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट और पत्थरबाजी में ग्राम पंचायत की सरपंच प्रमिला हैराम उइके सहित 6 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चार लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में परेशानी हो रही थी। इस समस्या के समाधान के लिए 17 जून को राजस्व एवं पुलिस विभाग की मौजूदगी में पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाया गया था। इसके बाद से ही दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति

बनी हुई थी। बताया जा रहा है कि शनिवार देर शाम रास्ते पर गड्ढे खोदने की बात को लेकर विवाद फिर बढ़ गया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और कहासुनी मारपीट में बदल गई। इस दौरान पत्थरबाजी भी हुई, जिसमें सरपंच प्रमिला राम उइके सहित छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। जहां उपचार के पश्चात् छुट्टी दे दी गई।

घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण परसवाड़ा थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सरपंच की शिकायत पर देर रात्रि में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) सहित एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(वीए) एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जागपुर घाट में नदी किनारे मिली बाइक, फिर पानी में मिला युवक का शव

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। कोतवाली थाना क्षेत्र के वैनगंगा नदी स्थित जागपुर घाट में रविवार को एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर होमगार्ड क्यूआरटी और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और सर्चिंग अभियान शुरू किया। नदी किनारे युवक की मोटरसाइकिल, कपड़े और चप्पल मिलने के बाद टीम ने तलाश तेज की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने नदी से शव बरामद कर बाहर निकाला। मृतक की पहचान रघुजी राणा (34) पिता वेंकटेश राणा, निवासी हरिओम नगर, बालाघाट के रूप में हुई। शव को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया गया।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया और बाद में परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि युवक ने आत्महत्या की थी या किसी हादसे के कारण नदी में डूबने से उसकी मौत हुई। रेस्क्यू अभियान में होमगार्ड और एसडीआरएफ के सात सदस्यीय दल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

14 वर्षीय बालक की तालाब में डूबने से मौत

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

थाना क्षेत्र के ग्राम महदुली स्थित तालाब में रविवार दोपहर एक 14 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम उमरी निवासी अपूर्व उर्फ निक्की पिता अजय शेंडे के रूप में हुई है। घटना के समय अपूर्व के माता-पिता मजदूरी करने नागपुर गए हुए थे। जानकारी के अनुसार अपूर्व शेंडे रविवार को अपने दो दोस्तों के साथ ग्राम महदुली अपनी नानी के घर जाने के लिए निकला था। लेकिन नानी के घर पहुंचने से पहले ही तीनों दोस्त तालाब की तरफ नहाने के लिए चले गए। तालाब में नहाते समय अपूर्व गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। दोपहर करीब 2 बजे तालाब में मछली पकड़ रहे मछुआरों की नजर डूबते हुए अपूर्व पर पड़ी। मछुआरों ने तुरंत पानी में कूदकर उसे बाहर निकाला और आनन-फानन में कटंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने जांच के बाद अपूर्व को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि अपूर्व जिन दो दोस्तों के साथ तालाब गया था, घटना के बाद से उनकी पहचान नहीं हो पाई है। आशंका जताई जा रही है कि अपूर्व के डूबने के बाद दोनों दोस्त डर के मारे मौके से भाग गए। पुलिस दोस्तों की तलाश कर रही है ताकि

घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सके। मृतक के बड़े पिता संजय शेंडे ने बताया कि ष्अपूर्व के माता-पिता अजय और उसकी मां शनिवार को ही मजदूरी करने के लिए नागपुर गए थे। घर पर अपूर्व अकेला था। रविवार सुबह वह बिना किसी को कुछ बताए महदुली नानी के यहां जाने के लिए निकला था।

शाम 04 बजे परिजनों को हादसे की खबर मिली। घटना की जानकारी लगते ही ग्राम उमरी और महदुली के ग्रामीण बड़ी संख्या में कटंगी अस्पताल पहुंच गए। अपूर्व के नाते-रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां-बाप के नहीं होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कटंगी थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृत बालक का अंतिम संस्कार सोमवार को ग्राम उमरी में किया जाएगा।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 1600 किलो महुआ लाहन एवं 35 लीटर कच्ची शराब जब्त

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देश एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम सालेभर्री एवं भांडामुर्री में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब एवं महुआ लाहन जब्त किया। आबकारी वृत्त वारासिवनी, बालाघाट एवं कटंगी की संयुक्त टीम ने जंगल क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर प्लास्टिक के ड्रमों एवं डिब्बों में भरा हुआ लगभग 1600 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 35 लीटर हाथ भट्टी निर्मित कच्ची मदिरा बरामद की। कार्रवाई के दौरान आवश्यक नमूने लेकर शेष महुआ लाहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इस मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं (च) के तहत दो प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिए गए हैं। जब्त सामग्री का अनुमानित बाजार मूल्य 1 लाख 65 हजार 250 रुपये बताया गया है। कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी एवं उपनिरीक्षक संदीप श्रीवास, रमाकांत बघेल, मनोज अंजलेकर, मुख्य आरक्षक द्वारसिंह उइके सहित अन्य आबकारी आरक्षक उपस्थित रहे।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी एवं शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ कैंसर स्व-परीक्षण प्रशिक्षण शिविर

30 जून को जिला अस्पताल उमरिया में आयोजित होगा वृहद नि:शुल्क कैंसर रोग परामर्श शिविर

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा उमरिया एवं शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 21 जून को सिंधी धर्मशाला उमरिया में कैंसर स्व-परीक्षण प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिव नारायण सिंह विधायक बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र, विशिष्ट अतिथि मान सिंह प्रदेश अध्यक्ष जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश, तथा अध्यक्षता आशुतोष अग्रवाल जिला अध्यक्ष ने की।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस के कार्यों की जानकारी दी गई कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए राकेश शर्मा सचिव रेडक्रॉस सोसायटी, उमरिया ने कहा कि भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी सदैव मानव सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता, आपदा प्रबंधन, रक्तदान एवं जनहितकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि समय पर पहचान और नियमित स्व-परीक्षण से अनेक जिंदगियों को बचाया जा सकता है।

आशुतोष अग्रवाल ने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बन रही है। कैंसर भी उन्हीं में से एक बीमारी है, जिसकी समय पर पहचान होने पर उसका उपचार संभव है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए तथा महिलाओं को विशेष रूप से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्व-

परीक्षण के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। जन-जागरूकता से ही कैंसर पर नियंत्रण संभव मुख्य अतिथि शिव नारायण सिंह विधायक बांधवगढ़ ने अपने संबोधन में कहा कि कैंसर के प्रति जागरूकता केवल शहरों तक सीमित न रहकर ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को स्तन कैंसर के लक्षणों एवं स्व-परीक्षण की जानकारी देकर प्रारंभिक स्तर पर बीमारी की पहचान की जा सकती है, जिससे उपचार की सफलता की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

विशिष्ट अतिथि मान सिंह प्रदेश अध्यक्ष जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता कार्यक्रम केवल आयोजन तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनके माध्यम से प्राप्त ज्ञान को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रही एएनएम, सीएचओ एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने ग्राम एवं कार्यक्षेत्र में महिलाओं को स्तन कैंसर स्व-परीक्षण की विधियों एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए प्रेरित करें। बड़ी संख्या में शामिल हुए स्वास्थ्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई एएनएम, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा स्तन कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, स्व-परीक्षण की विधि, संभावित जोखिम कारकों एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

ग्रामीण अंचलों में शराब बिक्री को लेकर बढ़ा असंतोष, अवैध पैकारी और ओवररेटिंग आरोप..!

मानपुर (स्वतंत्र मत)।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार शराब की बिक्री और पैकारी को लेकर बार बार असंतोष का माहौल देखने को मिलता रहती है। ताला, अमरपुर, इंदवार और मानपुर क्षेत्र से जुड़े ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाया जाता है कि निर्धारित दुकानों तक सीमित रहने के बजाय शराब का कारोबार गांवों तक पहुंच रहा है, जिससे सामाजिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। साथ ही शराब की निर्धारित कीमत से अधिक राशि वसूले जाने की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि कई गांवों में कथित रूप से एजेंटों के माध्यम से शराब उपलब्ध कराई जा रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की पहुंच बढ़ी है और इसका प्रतिकूल प्रभाव सामाजिक जीवन पर पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि खुलेआम हो रही इस गतिविधि के कारण युवाओं में नशे की

प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, वहीं हर गांव मोहल्ले और गली रास्तों में किराना जैसे कई दुकानों में अवैध मदिरा का खुलेआम बिक्री होने से गाड़ी ड्राइवर भी अधिक्तर नसा में रहकर ड्राइविंग किया करते हैं जिससे दुर्घटाओं के ग्राफ बढ़ता ही रहता है। वहीं सूत्रों के अनुसार गांवों में शराब की सहज उपलब्धता के कारण कई परिवार परेशान हैं, नशे की बढ़ती आदत से घरेलू विवाद, आर्थिक परेशानियां तथा सामाजिक तनाव जैसी स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं। ग्रामीणों का मानना है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम् सामने आ सकते हैं। जहां स्थानीय क्रेताओं द्वारा आरोप लगाते हुये है बोला जाता है कि कई स्थानों पर शराब की बोतलों पर अंकित मूल्य से अधिक कीमत वसूली जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस संबंध में प्रशासन से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है। मामले को लेकर ग्रामीणों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को शिकायत सौंपकर संपूर्ण प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

आदर्श महाविद्यालय में योग एवं मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

रविवार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में योग एवं मानसिक स्वास्थ्य विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत समाजशास्त्र विभाग के योग प्रशिक्षक डॉ. स्वराज पाल एवं क्रीड़ा अधिकारी श्री महेंद्र कनौजिया द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन,प्राणायाम,सूर्य नमस्कार एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नियाज अहमद अंसारी ने योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि योग, व्यायाम एवं सत्कर्म हमारे शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि योग की प्रासंगिकता आज के तनावपूर्ण जीवन में और अधिक बढ़ गई है

तथा इसके नियमित अभ्यास से व्यक्ति स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन जी सकता है।योग प्रशिक्षक डॉ. स्वराज पाल ने विभिन्न सरल योग क्रियाओं एवं आसनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से तनाव में कमी आती है तथा व्यक्ति स्वस्थ, प्रसन्न और ऊर्जावान जीवन व्यतीत कर सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. परमेश्वर मरावी, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रभारी श्री रेम सिंह हटीला, डॉ. विजय डावर, डॉ. अरुणेंद्र बहादुर, डॉ. राजेंद्र पटेल, डॉ. रिचा तिवारी, डॉ. रूपलता चतुर्वेदी, डॉ. रश्मि साकेत, डॉ. वीरेंद्र विश्वकर्मा, श्री कामता प्रसाद, श्री उजियारे लाल बैगा सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने प्रतिदिन योग करने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी योग के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

विश्व योग दिवस पर उमरिया के ताला (बांधवगढ़) पर्यटन स्थल पर हुआ योगाभ्यास

कोलकाता से प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ सबने किया योगाभ्यास

उमरिया (स्वतंत्र मत) । रविवार 21 जून को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार को उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में आयुष विभाग,शिक्षा विभाग,बांधवगढ प्रोजेक्ट टाईगर विभाग,जंगल विभाग,पुलिस विभाग,एसईसीएल जोहिला ऐरिया, शारदा योग प्राकृतिक शोध संस्थान शायोप्रस हार्टफूलनेश संस्थान,,नव स्वदेश , संस्थान,ईनोवेशन,हिन्दू मुस्लिम एकता मंच,व विभीन्न ग्राम पंचायतों स्कूलों के छात्र छात्राए आशा कार्यकर्ता आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व बाधवगढ घूमने आये देशी विदेशी सैलानियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के भाषण के साथ कलकत्ता के रेड रोड से सीधा प्रसारण देखते हुऐ प्रोटोकाल के तहत विशाल संख्या में योगाभ्यास के विभीन्न आयामों प्राणायाम,हठ योग किया।

सर्वप्रथम कलेक्टर श्रीमती रेखा सहाय ने माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के सामने फूलमाला,अगरबत्ती दीप ज्योति जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि योग न सिर्फ शारिरीक व मानसिक स्वास्थ्य के लिये लाभदायक है बल्कि यह सम्पूर्ण विश्व में एक बंधुत्व की भावना को जाग्रत कर समाज में अपराध को कम कर शांति लाता है इसलिये आप लोग प्रतिदिन किसी न किसी रूप में योग को अपनाऐं।गौरतलब है कि भारत की इस आरोग्य शास्त्र की इस विधा को समझ कर अपनाते हुऐ विश्व के अनेक देशों में करोड़ों लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। इस वर्ष की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग बढ़ती उम्र के साथ योग किया।उमरिया में लगभग 3500 नागरिकों ने फ्री टोल नम्बर पर पंजीकरण कराया।उमरिया में कार्यक्रम से पहले उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार, कोलकाता के मुख्य समारोह के लिए लगभग

38,000 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था। वहीं भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, दुनिया भर में भारतीय मिशनों द्वारा लगभग 2,500 स्थानों पर योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि योग अब केवल भारत की परंपरा नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य, शांति और संतुलन का वैश्विक आंदोलन बन चुका है। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन योग करने की अपील करते हुए कहा कि नियमित योग से व्यक्ति स्वस्थ, ऊर्जावान और सक्रिय जीवन जी सकता है। शायोप्रस कोल इण्डिया के विजय कुमार जोशी ने कहा कि जब तक आप राज योग की मुद्रा योग प्राणायाम ध्यान,सुजोक से अपने शरीर में शक्ति उर्जा का संचार नहीं करेंगे तब तक आप हठ योग के आसन नहीं कर पायेगे ,उन्होने योग प्रारम्भ करने के पूर्व किस तरह शरीर की जकड़न कमजोरी को दूर किया जा सकता है के बारे में विस्तार से बताया। हार्टफूलनेश संस्थान की श्रीमती प्रणाली पिसे ने कहा कि योग में ध्यान सबसे महत्वपूर्ण अंग है जिसका अभ्यास उमरिया में स्थित संस्था में नि:शुक्ल कराया जाता है। आयुष अधिकारी विनोद सिंह,व शिक्षा अधिकारी आर.के. मरावी ने सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। फील्ड डायरेक्टर बांधवगढ प्रोजेक्ट टाईगर के अनुपम सहाय जी ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को औषधियुक्त पौधों का प्लांट भेंट किया। शायोप्रस के विजय जोशी ने कहा कि यह हमारे देश के लिये गर्व गौरव का विषय है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आव्हान पर यूरोप, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में भारतीय दूतावासों और स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से बड़े पैमाने पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वभर में भारतीय मिशनों ने लगभग 2,500 स्थानों पर योग सत्र आयोजित किए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि योग भारत की अमूल्य धरोहर होने के साथ-साथ विश्व को जोड़ने वाला स्वास्थ्य और मानव कल्याण विश्व में आपसी भाईचारे के साथ वैश्विक शांति लाने का माध्यम बन चुका है। भारत के नेतृत्व में योग आज वैश्विक जनआंदोलन का रूप ले चुका है और करोड़ों लोगों के स्वस्थ जीवन का आधार बन रहा है।

ओशो ध्यान केंद्र पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने योग को बताया जीवन का आधार, पत्रकार परिषद ने किया अभिवादन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पत्रकार परिषद जिला ईकाई मंडला एवं ओशो ध्यान केन्द्र कटरा के द्वारा सुरम्य और शांत वातावरण से परिपूर्ण ओशो ध्यान केंद्र में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, पत्रकार परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश दुबे, सरदार पटैल कॉलेज के प्राचार्य आशीष ज्योतिषी, पंताजलि योग समिति के संचालक सुनील बाली उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकार परिषद के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने की। 21 जून की सुबह ओशो ध्यान केंद्र कटरा परिसर में स्थानीय नागरिक, प्रबुद्ध जन, युवा, महिलाएं और पत्रकार साथियों ने सफेद परिधानों में योग शिविर में हिस्सा लिया। योग गुरु सुनील बाली, रामगोपाल पटैल एवं ओशो केन्द्र की योग चिकित्सक मां रवाई के मार्गदर्शन में उपस्थित जनसमुदाय ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। शिविर में उपस्थित साधकों को योग के विभिन्न आसन और प्राणायाम कराए गए। शिथिलीकरण क्रियाएं शरीर को लचीला बनाने के लिए गर्दन, स्कंध और घुटनों के संचालन का अभ्यास किया गया। खड़े होकर किए जाने वाले आसनों में ताड़ासन, वृक्षासन और पादहस्तासन बैठकर किए जाने वाले आसनों में भद्रासन, वज्रासन और उष्ट्रासन तथा लेटकर किए जाने वाले आसनों में भुजंगासन, शलभासन और शवासन का विधिवत अभ्यास कराया गया। प्राणायाम और ध्यान कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम के बाद ओशो ध्यान केंद्र के विशेष परिवेश में 15 मिनट का गहन ध्यान लगाया गया जिसने सभी साधकों को असीम मानसिक शांति की अनुभूति कराई। इस अवसर पर मंडला पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने पत्रकार परिषद के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

उन्होंने कहा पुलिस विभाग हो या पत्रकारिता का क्षेत्र दोनों ही अत्यधिक तनाव और चुनौतियों से भरे हुए हैं। ऐसे में मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए योग से बड़ा कोई अस्त्र नहीं है। ओशो ध्यान केंद्र जैसे पवित्र स्थान पर इस प्रकार का आयोजन मन को एक नई ऊर्जा से भर देता है। हमें केवल योग दिवस के दिन ही नहीं बल्कि वर्ष के 365 दिन योग को अपनाना चाहिए। वहीं जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम ने अपने संबोधन में कहा हमारी भारतीय संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी जनजातीय परंपराओं में भी योग और ध्यान का गहरा महत्व रहा है। जल, जंगल, जमीन के साथ एकाकार होना ही वास्तविक योग है। आज पत्रकार परिषद ने समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर योग के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का जो सराहनीय कार्य किया है वह अनुकरणीय है। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार परिषद के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, पत्रकार परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश दुबे एवं योग गुरू सुनील बाली, ओशो केन्द्र की योग चिकित्सक मां रवाई, मां उमा भारती एवं आलोक नरेलिया, सरदार पटैल कॉलेज प्राचार्य आशीष ज्योतिषी का स्मृति चिन्ह भेंट का आत्मीय स्वागत किया। पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि मीडिया का काम केवल खबरें लिखना ही नहीं बल्कि समाज को स्वस्थ और जागरूक दिशा देना भी है। इसी सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए पत्रकार परिषद ने इस वर्ष 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को ओशो ध्यान केंद्र में मनाने का संकल्प लिया ताकि लोग योग के साथ-साथ ध्यान की गहराई को भी समझ सकें। इस अवसर पर योग गुरू सुनील बाली ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और आत्मा को एक सूत्र में पिरोने का विज्ञान है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति और शारीरिक आरोग्यता के लिए योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना अनिवार्य हो गया है। इस योगाभ्यास कार्यक्रम में ओशो ध्यान केंद्र के संचालक, वरिष्ठ पत्रकार साथी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण, मातृशक्त्यिों तथा क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। इस दौरान बनवासी कल्याण आश्रम अध्यक्ष कैलाश डेहरिया, दीपक कछवाहा, रोहित बघेल, आकाश रघुवंशी, किशोर रजक, भाजपा नगर उपाध्यक्ष श्रीमति उमा यादव, सुनीता सैयाम, दीप्ती नरेलिया, शीतल वैष्णव,विनय नामदेव, सुधीर कांसकार, किशोरी लाल साहू, मयंक जोध के साथ पंतजलि योग समिति के सदस्य राकेश गुप्ता, विनोद पटैल, संतोष बरमैया, सम्पत्त श्रीवास, सीके वैष्णव, श्रीमति ललिता लहोरिया मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सूर्य नमस्कार के साथ किया योगा

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सांदीपनि मॉडल विद्यालय निवास में सूर्य नमस्कार एवं योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों समाजसेवी प्रशासनिक अधिकारी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। योग गुरु विमल गौतम द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों विद्यार्थियों एवं नागरिकों को विभिन्न योगासन एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया गया तथा योग के वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्यवर्धक लाभों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्याम प्रसाद जायसवाल, वरिष्ठ समाजसेवी यतेन्द्र मोहन विश्वकर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी राकेश रजक,भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश पांडे, तथा एसडीएम आशाराम वर्मा द्वारा विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों को योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली तथा दैनिक जीवन में योग को अपनाने के संबंध में प्रेरक उद्बोधन दिया गया। इस अवसर पर नगर परिषद उपाध्यक्ष बसंत चौधरी, समाजसेवी स्वरूप मरावी, समाजसेवी श्याम परस्ते, अभिषेक ठाकुर भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सचिन खंपरिया,मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवा लोधी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे, प्रभारी प्राचार्य श्रीमती नीलांजना दुबे, प्रभारी प्राचार्य प्रेम किशोर तिवारी, वरिष्ठ व्याख्याता मुकेश दुबे, वरिष्ठ शिक्षक नवीन कुमार व्यौहार, थाना प्रभारी, आयुष विभाग का समस्त स्टाफ, नगर परिषद का समस्त स्टाफ तथा सांदीपनि मॉडल विद्यालय का समस्त शिक्षकीय एवं गैर-शिक्षकीय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में सांदीपनि मॉडल विद्यालय, निवास के प्रभारी प्राचार्य वेदप्रकाश अवधिया द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ योग

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में योग दिवस मनाया गया जिसमें सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय प्रबंधक रिखीराम परस्ते विद्याभारती वनांचल सेवा न्यास के महाकौशल प्रांत के सचिव डॉ.विजय आनंद मरावी, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती रजनी मरावी विद्याभारती सदस्य अशोक नानकानी,नगर कार्यवाह कमलेश उईके, वरिष्ठ कार्यकर्ता विजेंद्र कोकडिया ,सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य राम बाहोरी पटेल, योगा शिक्षक डीएल गवले, मंडल महामंत्री नरेश राजपूत, उपाध्यक्ष भूपेन्द्र ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि विकास पिपरसानिया, नरेंद्र धुर्वे, विवेक पांडेय, लड्डू राय, रत्नेश यादव, राजेश सेठिया , सरस्वती शिशु मंदिर के समस्त आचार्य और दीदी एवं नगर के नागरिक, जनप्रतिनिधि पदाधिकारीगण उपस्थित रहे साथ ही भाजपा मंडल योगा प्रभारी योगेश यादव के नेतृत्व में सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस मनाया गया।

आदर्श बाल गृह ने मनाया योग दिवस

मण्डला (स्वतंत्र मत)। आदर्श बाल गृह बालक में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन बच्चों में शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में बाल गृह में निवासरत बच्चों स्टाफ सदस्यों एवं आमंत्रित अतिथियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड से आयोजित राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा तथा उससे जुड़कर योग के महत्व को समझा। द्वितीय चरण में योग प्रशिक्षक दयाशंकर जोशी एवं आरपी उपाध्याय के मार्गदर्शन में उपस्थित प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। प्रशिक्षकों ने योग के नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी भी प्रदान की।

इस अवसर पर बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गजेन्द्र गुप्ता, सदस्य श्रीमती तृप्ति शुक्ला, रंजीत कछवाहा एवं संतोष कुमार यादव, किशोर न्याय बोर्ड के पूर्व सदस्य अब्दुल गनी खान, बाल गृह के अधीक्षक अकील अहमद, काउंसलर प्रीति श्रीवास, सोशल वर्कर आनंद, नरेंद्र भारतीय, दिनेश बरकड़े, प्रशांत कछवाहा तथा अशोक बंजारा उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में योग दिवस

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यालय में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। योग कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उईके एवं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला योग कार्यक्रम प्रभारी जयदत्त झा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से की गई। पतंजलि योग समिति के योग शिक्षक वरुण सिहारे, प्रमोद दुबे, श्री पांडेय के मार्गदर्शन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। शिविर में प्राणायाम अनुलोम-विलोम,

कपालभाति और विभिन्न आसनों का अभ्यास करते हुए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग हमारी प्राचीन ऋषि परंपरा की अनमोल देन है जिसे आज प्रधानमंत्री के प्रयासों से वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि शरीर मन और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है। हम सभी को अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय योग के लिए अवश्य निकालना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। इस दौरान नगर अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत ने सभी कार्यकर्ताओं और पतंजलि योग समिति के योग शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

थाने में की लिखित शिकायत

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत घुघरी परिसर के समीप स्थापित गौरव की प्रतीक वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किए जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आदिवासी समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वर्तमान जनपद अध्यक्ष जनिया बाई मरावी और पूर्व जनपद अध्यक्ष व वर्तमान जिला पंचायत सदस्य कौशल्या मरावी ने संयुक्त रूप से थाना घुघरी पहुंचकर अलग-अलग लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने को कहा है।

मेडिकल स्टोर पर मारा छापा

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन में छापेमार कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर डीजे मोहंती द्वारा जानकारी दी गई कि 19 जून को अनुविभागीय अधिकारी घुघरी तथा स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा संयुक्त रूप से घुघरी क्षेत्र स्थित एक मेडिकल स्टोर पर अवैध चिकित्सकीय प्रैक्टिस किए जाने की शिकायत के आधार पर छापामार कार्रवाई की गई कार्यवाही के दौरान संबंधित प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर आवश्यक अभिलेखों एवं तथ्यों का परीक्षण किया गया तथा उपलब्ध साक्ष्य संकलित किए गए। प्रकरण में प्राप्त तथ्यों के आधार पर नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। निरीक्षण दल में अनुविभागीय अधिकारी मेडिकल ऑफिसर ड्रग इंस्पेक्टर एवं अमोद श्रीवास उपस्थित रहे।

उद्योगपतियों के साथ बैठक

मण्डला। कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में मनेरी औद्योगिक क्षेत्र के उद्योगपतियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा स्पष्ट किया गया कि जिला प्रशासन की मनेरी के उद्योगों से दो प्रमुख अपेक्षाएं हैं जिले के स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा किसानों, वनोपज संग्राहकों एवं स्व-सहायता समूहों से प्राप्त कच्चे माल की यथासंभव खरीद सुनिश्चित करना। कलेक्टर ने सभी उद्योग इकाइयों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने उद्योगों में उपलब्ध रिक्त पदों की संख्या एवं निर्धारित शैक्षणिक तकनीकी योग्यता की जानकारी जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को शीघ्र उपलब्ध कराएं।

विभिन्न मांगों को लेकर छात्र मैदान में

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

पीएम एक्सीलेंस रानी दुर्गावती स्नातकोत्तर महा विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में बी.एड. पाठ्यक्रम शुरू किए जाने विद्यार्थियों के लिए सार्वजनिक एवं यातायात साधनों का किराया आधा किए जाने तथा किराए के मकानों में रहने वाले छात्रों के लिए मकान किराया कम कराने अथवा आवास भत्ते में वृद्धि किए जाने की मांग उठाई ज्ञापन में विद्यार्थियों ने बताया कि जिले के अनेक छात्र-छात्राओं को बीएड की पढ़ाई के लिए अन्य शहरों का रुख करना पड़ता है जिससे उन पर

अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। महाविद्यालय में बीएड कोर्स प्रारंभ होने से स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे इसके अलावा विद्यार्थियों ने बढ़ती महंगाई का हवाला देते हुए बस एवं अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में छात्रों के लिए किराए में 50 प्रतिशत रियायत देने की मांग की। साथ ही बाहर से आकर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए मकान किराया कम कराने या आवास भत्ते में बढ़ोतरी करने की मांग भी प्रशासन के समक्ष रखी गई।

अनिल ने संभाला प्राचार्य पद

मण्डला। पी.एम. श्री शासकीय हाई स्कूल सेमरखापा में अनिल मरकाम उच्च पद प्रभार प्राप्त व्याख्याता एवं पूर्व सहायक जिला परियोजना समन्वयक ने 20 जून को प्राचार्य पद का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक संघ अध्यक्ष विवेक शुक्ला, सेवानिवृत्त प्राचार्य अखिलेश चंद्रोल, से नि प्राचार्य शैल दुबे, संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार सिंगौर तथा जिला परीक्षा प्रभारी महेन्द्र श्रीवास,सुशील पटेल पूर्व प्राचार्य,सुशील अर्शिया ,सुदीप पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने श्री मरकाम को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी।

घर में घुसा डम्पर कोई जनहानि नही

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। मण्डला नैनपुर मुख्य मार्ग में ग्राम ईश्वरपुर में सुबह -सुबह एक हादसा घटित हुआ । जिसमे एक डम्फर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक घर मे जा घुसा। थाना क्षेत्र नैनपुर के ग्राम ईश्वरपुर में हुए इस हादसे में कोई भी हताहत नही हुआ। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार अचानक डम्फर ने अपना संतुलन खोया और सीधे सड़क किनारे बने एक मकान में जा घुसा। शुक्र की बात यह रही कि इस हादसे में को जनहानि नही हुई। कयास लगाए जा रहे है कि नींद के झोके में यह हादसा हो गया।

श्रीमती रश्मि माहुले का निधन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर के चिरपरिचित महुले चश्मा सेंटर के संचालक मनीष माहुले की धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि माहुले का लम्बी विमारी के चलते उपचार के दौरान निज निवास वार्ड क्रमांक 11 में निधन हो गया। आपकी अंतिम यात्रा में नगर के बड़ी संख्या में चिरपरिचित नागरिकों जनप्रतिनिधियों व्यापारियों व सामाजिक बन्धु सामिल हुए सभी ने दो मिनट का मोन रख अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित किया।

योगाभ्यास के साथ स्वस्थ्य जीवन का संकल्प

सामूहिक योग में शामिल हुए जनप्रतिनिधि और शासकीय सेवक

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

अन्तर्राष्ट्ररी योग दिवस पर नैनपुर में सामूहिक योग का आयोजन किया गया। नगरीय और जनपद स्तरीय संयुक्त आयोजन नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मिनी स्टेडियम में आहूत था। जहां शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सामूहिक योगाभ्यास के साथ स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

आयोजन कोलकाता से जारी सीधे प्रसारण कर साथ जुड़ा हुआ था। नैनपुर में नपा अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसकी शुरुआत की। इस दौरान जनपद अध्यक्ष श्रीमती ओमवती उईके, पार्षद राजाराम शर्मा, सुनील विश्वकर्मा, श्रीमती पिंकी चौधरी, अंजनी तिवारी सहित एस डी एम आशुतोष महादेव ठाकुर, बी एम ओ डॉ राजीव चावला और अन्य गणमान्य जनों ने अपनी सहभागिता रखी। नगर में संचालित पतञ्जलि योग समिति और आयुष विभाग के योग प्रशिक्षकों ने विभिन्न योग अभ्यास के साथ प्राणायाम कराया । देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोलकाता से आयोजित योग दिवस कार्यक्रम का उद्बबोधन का लाइव प्रसारण भी सुना गया। इस दौरान योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि नियमित योग करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है तथा तनाव से मुक्ति मिलती है। कार्यक्रम के अंत में एस डी एम श्री ठाकुर ने उपस्थित जन समुदाय से अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने की अपील करते हुए और स्वस्थ्य एवं निरोगी समाज के निर्माण का संदेश देकर सभी का आभार जताया।

15 अगस्त तक मत्स्याखेट प्रतिबंधित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मत्स्य संपदा के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से प्रदेश में मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए 16 जून से 15 अगस्त तक सभी नदियों एवं जलाशयों में मत्स्याखेट मछली पकडने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। यह प्रतिबंध मध्यप्रदेश नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा 3(2) के अंतर्गत लागू किया गया है। जारी आदेश के अनुसार बंद ऋतु के दौरान नदियों, जलाशयों एवं निर्धारित जल स्त्रोतों में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट, मछलियों का विक्रय तथा परिवहन प्रतिबंधित रहेगा। शासन द्वारा यह कदम मछलियों की प्राकृतिक प्रजनन प्रक्रिया को सुरक्षित रखने तथा मत्स्य संसाधनों के संरक्षण के लिए उठाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य क्षेत्र संशोधित अधिनियम, 1981 की धारा 5 के तहत कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने पर एक वर्ष तक का कारावास, 5 हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते हैं। मत्स्य विभाग ने सभी मत्स्य समितियों, मत्स्य समूहों, निजी मत्स्य पालकों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे 16 जून से 15 अगस्त तक किसी भी प्रकार के अवैधानिक मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन, क्रय-विक्रय में सहयोग न करें तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

डिजिटल कृषि मिशन का शुभारंभ

मण्डला (स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पीएम-किसान योजना की 23वीं किस्त जारी करते हुए देशभर के 9.44 करोड़ किसानों के बैंक खातों में 18,880 करोड़ रुपये की राशि सीधे अंतरित की। जिला मुख्यालय मंडला में भी इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद मंडला के अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम सोनल सिडाम सहित जिले के प्रगतिशील कृषकों ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन का श्रवण किया।

संपादकीय

'भरोसे' का रिश्ता

करीब 16 माह बाद भारत के प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाथ मिलाए, लेकिन गर्मजोशी से गले नहीं मिले। हालांकि, इस महामुलाकात के दौरान कई गांठें खुली होंगी, भ्रम टूटे होंगे, धारणाएं बदली होंगी, कई तरह की बर्फ भी पिघली होगी, नतीजतन राष्ट्रपति ट्रंप ने ओमान खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की हत्या पर शोक जताया और भविष्य में सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार ऐसा बयान देकर दुनिया को चौंका दिया कि यदि किसी ने इस शख्स पर हमला किया, तो हम भारत की मदद करेंगे। जब तक भारत में प्रधानमंत्री मोदी हैं, तब तक प्रत्येक हमले में अमरीका भारत के साथ खड़ा रहेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भारत में कोई नया नेता होगा, तो फिर उन्हें सोचना पड़ेगा। अमरीकी राष्ट्रपति का यह अभिमत तब सामने आया, जब उनसे भारत के साथ रक्षा-सहयोग का सवाल पूछा गया। बेशक भारत और अमरीका रणनीतिक साझेदार देश हैं। दोनों के बीच रक्षा, सुरक्षा, संरक्षा के करार मौजूद हैं। ये करार भावनात्मक भी हैं और मसविदों पर अंकित भी हैं। सबसे अहम उदाहरण 'क्वाड' का है, जिसमें भारत और अमरीका के अलावा, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इन देशों के लिए हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। करीब 35 फीसदी व्यापार हिंद महासागर के जरिए होता है। वहां चीन भी मौजूद है और कभी-कभार हेकड़ी भी दिखाता है, लिहाजा अमरीका के इस क्षेत्र में अस्तित्व और सक्रियता के लिए तथा चीन की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमरीका को भारत की जरूरत है। और कोई विकल्प ही नहीं है। इसके अलावा, मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन और तुर्किये ने पाकिस्तान की सैन्य मदद की थी, उसके बावजूद भारत की वायुसेना ने पाकिस्तान के एयरबेस और विमानों को मिट्टी-मलबे में तबदील कर दिया था। बहरहाल अब राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक बयान दिया है कि भारत पर किसी भी हमले की सूरत में अमरीका मदद करेगा। यह कूटनीतिक समीकरणों में ऐतिहासिक बदलाव का स्पष्ट संकेत है, क्योंकि भारत पहले सोवियत संघ समर्थक था और अब भी रूस का घनिष्ठ मित्र है, लेकिन अमरीका का घोषित रणनीतिक साझेदार भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को साफ कहा है कि साझेदारी समान और सम्मानजनक होनी चाहिए। कोई भी रिश्ता, संबंध 'भरोसे' के बूते ही कामयाब होता है। भारत-अमरीका के रिश्तों में बीते 16 माह के दौरान उतार-चढ़ाव आते रहे हैं, अमरीकी राष्ट्रपति ने भारत को 'डेड इकोनॉमी' करार दिया है। भारत की तुलना नरक से की है और भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी थोपा है। वे बयान मानसिकता के किसी झोंके में कहे गए होंगे, लेकिन हकीकत यह है कि दोनों देश आपस में पूरक हैं। जहां तक रक्षा-सहयोग का संदर्भ है, तो भारत रूस से 40 फीसदी और फ्रांस से करीब 29 फीसदी और इजरायल से 15-16 फीसदी खरीदता है। इस सूची में अमरीका लगभग गायब है, जबकि वह दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा, करीब 42 फीसदी, सप्लायर है। संभवत: यह यथार्थ राष्ट्रपति ट्रंप को परेशान करता होगा! शायद इसीलिए भी ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने की इजाजत भारत को दी है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ 'व्यापार समझौते' की उम्मीद जताई और प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत को 'सार्थक' करार दिया।

युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इज़राइल पर लगाम ज़रूरी

तनवीर जाफ़री

अमेरिका -ईरान के मध्य फ़िलहाल युद्धविराम हो चुका है। घोर अविश्वास के बीच हुआ यह युद्ध विराम कब तक चलेगा कुछ कहा नहीं जा सकता। परन्तु ईमानदाराना युद्ध विराम लागू होने की स्थिति में हारमूज़ स्ट्रेट जलमार्ग के खुलने से पूरे विश्व पर मंडराने वाले संकट के बादल छंटने से पूरी दुनिया ज़रूर राहत की सांस लेगी। हाँ यदि कोई एक देश इस युद्ध विराम व शांति से ख़ुश नहीं है वह है इकलौता देश इस्राईल। इस्राईल विगत लगभग 50 वर्षों से फ़िलिस्तीन व लेबनान क्षेत्र में रक्तपात करता आ रहा है। अब तक लाखों बेगुनाह लोगों की हत्यायें कर चुका इस्राईल मात्र अपनी सीमाओं के विस्तार के लिये रक्तपात करता आ रहा है। निश्चित रूप से इस्राईल की इस आक्रामकता के पीछे शुरू से ही अमेरिका व अन्य कई पश्चिमी देशों का संरक्षण मुख्य कारण रहा है। परन्तु अब अमेरिका भी इस्राइल विशेषकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अनियंत्रित आक्रामकता से तंग आ चुका है। ग़ज़ा नरसंहार के चलते अंतर्राष्ट्रीय अदालत के वारंट का सामना कर रहे प्रधानमंत्री नेतन्याहू अब अपने संरक्षक अमेरिका से भी आये दिन झिड़कियां खा रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि केवल अमेरिका की सरपरस्ती के चलते परन्तु अमेरिका की इच्छा के विपरीत इस्राइल अनेक बार लेबनान व ग़ज़ा में युद्ध विराम का उललंघन करता आ रहा है। इसकी वजह से कई बार शांति की संभावनाओं को पलीता लग चुका है। अमेरिका के राजनैतिक हल्क़ों में इस बात की भी चर्चा ज़ोरों पर है कि नेतन्याहू ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उकसा व भड़काकर तथा ग़लत जानकारियां देकर ईरान के साथ युद्ध में झोंक दिया। जिसके परिणामस्वरूप न केवल अमेरिका में इसका भारी विरोध हुआ बल्कि कई उच्चाधिकारी यही कहते हुये इस्तीफ़ा भी दे गये कि वे अमेरिकी हितों की रक्षा के लिये तो युद्ध कर सकते हैं परन्तु इस्राइली हितों के लिये हरगिज़ नहीं।

यही वजह है कि अब राष्ट्रपति ट्रंप भी अब इंसानी ख़ून के प्यासे नेतन्याहू की शातिराना चालबाज़ियों को देर से ही सही, परन्तु भांप चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिका -इस्राईल बनाम ईरान युद्ध में उलझ चुका अमेरिका जब जब इस युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश करता है , तब तब इस्राईल कभी युद्ध विराम का उल्लंघन व अवहेलना कर तो कभी युद्ध विराम को अस्वीकार कर विश्वशांति को धक्का पहुँचाता रहा है। हद तो यह है कि अमेरिका- ईरान के मध्य होने वाली शांति वार्ताओं से ठीक पहले या उसी दौरान इस्राइल द्वारा क़तर की राजधानी दोहा में हमास के वार्ताकारों के दल को निशाना बनाकर हवाई हमला किया गया। इस हमले में हमास के वार्ताकारों के 6 सदस्य मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने इस हमले की निंदा करते हुये इसे क़तर की सम्प्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता का खुला उल्लंघन क़रार दिया था।

और अब इस्राइली युद्धोन्माद इस हद तक पहुँच

चुका है कि दुनिया में सबसे अधिक युद्धरत रहने वाला अमेरिका भी इस्राइली आक्रामकता पूर्ण रवैये से तंग आकर नेतन्याहू व इस्राईली आक्रामकता के पक्षधर कट्टरपंथी नेतृत्व को न केवल आइना दिखने लगा है बल्कि उसके लिये ऐसी शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा है जोकि किसी भी स्वाभिमानी प्रधानमंत्री व उस के देश के लिये शर्म की बात है। इन कड़वे व तल्ख़ बयानों के आधार पर कहा जा सकता है कि 2026 में अमेरिका- इस्राईल रिश्ते न केवल ठन्डे पड़ रहे हैं बल्कि दोनों देशों के संबंध इस वक़्त के सबसे ख़राब दौर से भी गुज़र रहे हैं । उदाहरण के तौर पर पिछले दिनों त्र-7 समिट के मंच से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू को क्रेज़ी कहा और दावा किया- मेरे बिना इस्राईल का अस्तित्व नहीं होता। ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा तुम पागल हो। अगर मैं नहीं होता तो तुम जेल में होते। इसी तरह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने गत 18 जून को ईरान-अमेरिका स्र्ब्श साइन होने के बाद नेतन्याहू व इस्राईल को संबोधित करते हुये कहा कि पूरी दुनिया में अमेरिका तुम्हारा इकलौता दोस्त बचा है, तुम उसी के ख़िलाफ़ खड़े हो? वेंस का यह बयान ईरान-अमेरिका डील होने के बावजूद इस्राईल द्वारा लेबनान पर किये गये हमले के सन्दर्भ में था जिससे ईरान-अमेरिका डील पर असर पड़ा था और हारमूज़ स्ट्रेट खुलने के बाद ईरान द्वारा इसे पुन: बंद करने की घोषणा कर दी गयी थी। अब 20 जून को पुन: ईरान के ख़ातम अल-अंबिया मुख्यालय ने घोषणा की है कि होर्मुज़ स्ट्रेट को जहाज़ों के लिए बंद किया जा रहा है। इस घोषणा के पीछे भी दक्षिणी लेबनान में इस्राईल की ओर से लगातार युद्धविराम का उल्लंघन और लेबनान के लोगों का क्रूर जनसंहार और विस्थापन को कारण बताया गया है। ग़ौरतलब है कि इस्राईल के कुछ कट्टरपंथी मंत्रियों ने अमेरिका-ईरान के बीच हुये स्र्ब्श (संयुक्त समझौता) का खुलकर विरोध किया है और कट्टरपंथियों का नेतृत्व करने वाले नेतन्याहू भी इस समझौते से क़तई ख़ुश नहीं हैं ।

इसी बीच नेतन्याहू के लिये एक बार फिर बुरी ख़बर आ रही है। उनपर उनके अपने ही देश में भ्रष्टाचार के मामले को लेकर जेल जाने के तो आसार नज़र आ ही रहे हैं साथ ही पांच नॉर्डिक देशों, डेनमार्क, फ़िनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन ने भी संकेत दिया है कि उन्हें इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य के तौर पर नेतन्याहू के विरुद्ध जारी ICC के अरेस्ट वारंट पर कार्रवाई करनी होगी। ICC ने नवंबर 2024 में ग़ज़ा संघर्ष से जुड़े कथित युद्ध अपराधों और मानवता के ख़िलाफ़ अपराधों के लिए इस्राईल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के लिए वारंट जारी किए थे। नॉर्वे ने तो साफ़ तौर पर कहा है कि अगर कोई वॉन्टेड व्यक्ति देश में आता है तो उसे अपने क़ानून का पालन करना होगा। परन्तु इन बातों से बेफ़िक्र नज़र आ रहा नेतन्याहू व इस्राइल किस हद तक अनियंत्रित हो गया है कि 1948 में इस्राईल की स्थापना के बाद उसे मान्यता देने वाला पहला देश अमेरिका, जिसके साथ शुरू से ही उसके गहरे रिश्ते रहे,आज वही अमेरिका इस्राइल की आक्रामकता व ग़ैर क़ानूनी सैन्य कार्रवाइयों से इतना दुखी हो गया है कि दोनों देशों के संबंधों में इतिहास में पहली बार कड़वाहट पैदा होती दिखाई दे रही है लिहाज़ा मानवता की रक्षा के लिये किसी भी क़ीमत पर और यथा शीघ्र युद्ध-प्रेमी और जनसंहारी इज़राइल पर लगाम लगाना बेहद ज़रूरी है।

छात्रों के हित में है त्रिभाषा फार्मूला

प्रो. निरंजन कुमार

भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम भर नहीं होती, इसका एक समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र भी होता है। खासतौर से जब भाषा का परिप्रेक्ष्य शिक्षा के संदर्भ में हो तो भाषा अपने समाजशास्त्र और आर्थिकी से आगे बढ़कर राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से भी जुड़ जाती है। पिछले दिनों देश में सीबीएसई के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने की योजना की घोषणा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह अलग बात है कि इस मुद्दे पर पूरे देश में एक विवाद खड़ा कर दिया गया है। यह संतोषजनक है कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के निर्णय पर रोक नहीं लगाई।

भारत के प्रमुख स्कूली शिक्षा बोर्ड 'केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड' (सीबीएसई) ने हाल में निर्णय लिया कि अकादमिक सत्र 2026-2027 से छठी और नवीं कक्षा से त्रिभाषा सूत्र को लागू किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र की अनुशंसा है। इसके अनुसार स्कूली स्तर पर तीन भाषाएं पढ़ाई जाएंगी, जिसमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी। पहले भी एनईपी 1968 और एनईपी 1986 आदि में थोड़े से भिन्न रूप में त्रिभाषा फार्मूला अपनाया गया था। एकाध को छोड़कर सभी राज्यों ने त्रिभाषा सूत्र को लागू किया, लेकिन दुर्भाग्य से सीबीएसई ने त्रिभाषा फार्मूले को आंशिक रूप से ही स्वीकारा था। सीबीएसई स्कूलों में छठी से आठवीं तक त्रिभाषा सूत्र लागू तो था, लेकिन तीसरी भाषा के तौर पर विदेशी भाषाओं की भी छूट थी, फिर नवीं और दसवीं में तो सीबीएसई ने सिर्फ द्विभाषा नीति ही अपनाई थी। उसमें भी छूट यहां तक कि स्कूल चाहें तो दोनों ही भाषाएं कोई गैर-भारतीय भाषा हो सकती थीं। इसका दुष्परिणाम हुआ कि महंगे पब्लिक स्कूलों में भारतीय भाषाओं को उपेक्षित किया जाने लगा। सीबीएसई की इन नीतियों से कई विसंगतियां पैदा हो गई थीं।

विरोधियों द्वारा फैलाई जा रही सूचनाएं तथ्यहीन एवं भ्रामक हैं। विरोध का एक कारण अंग्रेजी-शिक्षित आभिजात्य वर्ग की औपनिवेशिक दौर की मैकाले मानसिकता भी है। एक अध्ययन के अनुसार तीसरी भाषा के रूप में विदेशी भाषाओं की पढ़ाई केवल एक प्रतिशत शहरी विद्यार्थी ही कर रहे हैं। भारतीय भाषाओं के अध्ययन की अनिवार्यता का विरोध इन्हीं के आभिजात्य अभिभावकों द्वारा किया जा रहा है। नए दिशानिर्देशों के विरोध में ये लोग भाषा शिक्षकों की कमी, पाठ्यपुस्तकों का अभाव, छात्रों पर अतिरिक्त बोझ और तनाव, पहले से विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे छात्रों की असुविधा आदि तर्क दे रहे हैं। ध्यान रहे कि सीबीएसई/एनसीईआरटी द्वारा कक्षा छह के लिए सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें लगभग तैयार हैं। नवीं कक्षा में त्रिभाषा नीति 1 जुलाई, 2026 से लागू होगी। इसके लिए 19 अनुसूचित भाषाओं की पाठ्यपुस्तकें शीघ्र उपलब्ध कराई जाएंगी। अन्य भारतीय भाषाओं के लिए इस वर्ष एनसीईआरटी की पुस्तकों का उपयोग कर सकेंगे। शिक्षकों के लिए नए अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर आनलाइन पद्धति में अन्य स्कूलों से सहयोग कर शिक्षण कार्य असंभव नहीं। केवल एक और भारतीय भाषा की पढ़ाई को अतिरिक्त बोझ बताना, सही समझ का अभाव है। विभिन्न राज्यों में पहले से ही तीन भाषाएं पढ़ाई जा रही हैं। पहले से विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों की सुविधा के लिए वर्तमान में तीसरी भाषा का पाठ्यक्रम हल्का रखा जाएगा। तीसरी भाषा के लिए यह छूट भी है कि दसवीं में इसकी बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। यही नहीं, कोई छात्र अंग्रेजी के अलावा कोई दूसरी विदेशी भाषा भी सीखना चाहे तो इसका भी अवसर प्राप्त होगा। बड़े सुधारों में प्रारंभ में कुछ चुनौतियां आना स्वाभाविक हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि त्रिभाषा नीति को सही रूप से लागू करना देश और बच्चों, दोनों के हित में है।

(लेखक दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष और सीनियर प्रोफेसर हैं)

शांति समझौते का भविष्य

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का भविष्य 48 घंटों के भीतर ही खतरे में पड़ता दिखाई दिया। इजराइल के लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर लगातार हमलों से क्रुद्ध ईरान ने स्विट्जरलैंड में होने वाली पहले ही दौर की शांति वार्ता में भाग लेने से इंकार कर दिया और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया। होर्मुज बंद होने के बाद इस तरह की खबरें आ रही हैं कि इजराइल और लेबनान में युद्ध विराम लागू हो गया है लेकिन इजराइल ने रातभर लेबनान पर हमले जारी रखे। अमेरिका और ईरान में समझौता शांति और स्थिरता की कठिन राह पर पहला कदम है लेकिन इजराइल इस समझौते को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इसका बड़ा कारण यह है कि सभी पक्षों में भरोसे की कमी है। क्या अमेरिका ने इजराइल को विश्वास में नहीं लिया था डोनाल्ड ट्रम्प ने निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही हस्ताक्षर कर युद्ध से पीछा छुड़ा लिया है।

पश्चिम एशिया में अगर शांति की बजाय विध्वंस फिर से शुरू हुआ तो न केवल अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया के लिए बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। अमेरिका और इजराइल न ईरान में सत्ता परिवर्तन करा सके और न ही उसकी परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को पूरी तरह नष्ट कर पाए। अमेरिका ने जिन लक्ष्यों को लेकर युद्ध शुरू किया था, 108 दिन बाद उसकी प्राथमिकताएं बदल चुकी हैं। अब शांति समझौते का लक्ष्य होर्मुज को खुलवाना और अपनी नाकेबंदी हटाना तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत करना रहा। परायी जंग में खाड़ी देश भी अपने हाथ जलाने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका को स्वयं खरबों का नुक्सान हो चुका है। इजराइल की आपत्ति के बावजूद ट्रम्प ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाया लेकिन नेतन्याहू समझौते को पलीता लगाने में तुले हुए हैं।

ईरान ने होर्मुज जलमार्ग खोलने पर सहमति जता दी थी और तेल टैंकर निकलने भी शुरू हो गए थे लेकिन इजराइली हमलों ने फिर तनाव पैदा कर दिया। ईरान के इस मार्ग की निगरानी का प्रभार सम्भाल रहे प्राधिकरण ने नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं, जिसमें सभी जहाज संचालकों को अपना पंजीकरण कराने को कहा गया है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि ईरान जहाजों से टोल वसूली की व्यवस्था शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो तेल और गैस परिवहन की लागत बढ़ जाएगी। अब ट्रम्प नेतन्याहू पर दबाव बना रहे हैं और उनका दबाव काम कर रहा है। दावा तो यही किया जा रहा है कि इजराइल अब लेबनान पर हमले नहीं करने को लेकर मान गया है। ट्रम्प नेतन्याहू को इस बात का अहसास दिला रहे हैं कि अमेरिकी समर्थन के बिना इजराइल कुछ भी नहीं। यह बात काफी हद तक सही भी है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शांति समझौते की आलोचना कर रहे हैं। इजराइली कैबिनेट मंत्रियों कोफटकार भी लगाई है। वेंस ने तो यहां तक कह डाला कि इजराइल को दिए गएहथियारों में से दो-तिहाई अमेरिकी टैक्स पेयर्स के पैसों से बनाए और फंडकिए गए हैं।

अमेरिका की गलती यही थी कि उन्होंने (इज़राइल की तरह) यह मान लिया था कि ईरानी परमाणु मुद्दे का सैन्य समाधान संभव है। वाशिंगटन ने ईरान के संकल्प, रणनीतिक गहराई और भौगोलिक लाभों को कम करके आंका। जैसा कि हेनरी किसिंजर ने कहा था, गुरिल्ला तभी जीतता है जब वह हारता नहीं है। ईरान ने यह युद्ध न हारकर जीता, जबकि सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहने के कारण हार गया। परमाणु वार्ता फिर से शुरू होने वाली है, ऐसे में श्री ट्रम्प आज उस स्थिति से कमजोर हैं जो बराक ओबामा की 2013-15 में ईरान के साथ वार्ता के दौरान थी। फिर भी, वार्ता के माध्यम से समाधान की संभावना अभी भी बनी हुई है क्योंकि ईरान को दीर्घकालिक आर्थिक राहत की तत्काल आवश्यकता है। हालांकि, एक संभावित बाधक इज़राइल हो सकता है, जिसने कहा है कि वह कब्जे वाले दक्षिणी लेबनान से पीछे नहीं हटेगा। ईरान और अमेरिका को अपने-अपने सहयोगी हिजबुल्लाह और इज़राइल पर लगाम लगानी चाहिए। तेहरान को इस प्रकिया में विश्वास जगाने के लिए भी कदम उठाने चाहिए।

इजराइल को यह बात समझनी होगी कि सिर्फ लोगों को मार कर ही वह अपनी सुरक्षा नहीं कर सकता। अमेरिका में भी समीकरण बदल रहे हैं। अमेरिका और दुनियाभर में उसके कई दोस्तों के बीच उसके प्रति नाराजगी और अस्वीकृति बढ़ी है। इजराइल ने गाजा में जो नरसंहार किया है उसको लेकर भी काफी आक्रोश है। शांति समझौता सभी पक्षों के लिए एक दुर्लभ मौका है कि वे शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के लिए हार और जीत की तलाश बंद करें और अगले 60 दिनों में लगातार वार्ता कर उसे अंजाम तक पहुंचाएं। इसके लिए जरूरी है कि अमेरिका नेतन्याहू पर नकेल डाले। अगर इजराइल शांति समझौते का सम्मान नहीं करता तो भविष्य की राह आसान नहीं होगी और दुनिया कोबड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

ऐसे हों लोक सेवकः पद नहीं, सेवा और सत्यनिष्ठा हो पहचान; राष्ट्र पहले की भावना से ही मजबूत होगा सुशासन का आधार

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

सदियों पहले लिखे गए हमारे पवित्र ग्रंथ हमें नैतिक मूल्यों के बारे में एक मूल्यवान दृष्टिकोण देते हैं। जैसे-जैसे हम अमृत काल और माननीय प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे ये नैतिक मूल्य और भी ज्यादा प्रासंगिक लगने लगे हैं। वे मार्गदर्शन करते हैं कि आज के सिविल सेवकों को सामान्य जीवन में कैसा व्यवहार करना है।

प्राचीन समय में यज्ञ करने का उद्देश्य समाज में दिव्यता और अच्छाई फैलाना था। शैतान इसमें रुकावट डालने की कोशिश करते थे। आज के युग में, सुशासन की स्थापना और आतंकवाद, भ्रष्टाचार या अपराधीकरण के खिलाफ लड़ाई भी एक यज्ञ की तरह ही है। इस यज्ञ को सरकार के अंदर और बाहर के लोग बड़े पैमाने पर भलाई के लिए कर रहे हैं, जिनमें राजनीतिक नेतृत्व, लोक सेवक, न्याय प्रणाली, सिविल सोसाइटी, मीडिया और आम नागरिक शामिल हैं। पर, शैतानी सोच रखने वाले कुछ लोग इसमें विघ्न डालने की कोशिश करेंगे। अच्छाई बनाम बुराई की यह लड़ाई सदियों से चली आ रही है। एकजुट होकर ही बुराई पर सच्चाई की जीत सुनिश्चित होगी। प्रशासनिक सेवकों के कॅरिअर में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। उन्हें कम महत्वपूर्ण पदों पर भी तैनात किया जा सकता है। अगर, ऐसे बदलाव उनके हौसले पर असर डालने लगें, तो शायद वे अपने मूल्यों से समझौता करने लगें। पर, समझदारी यह है कि उन्हें नए दायित्वों का निर्वहन पूरे जोश व कर्मठता के साथ करते हुए अपनी कार्यशैली की छाप छोड़नी चाहिए। वहीं, महत्वपूर्ण या शक्तिशाली पदों पर तैनात प्रशासनिक सेवक को अहंकार नहीं करना चाहिए और हर स्थिति में विनम्र बने रहना चाहिए। सिविल सेवकों को महंगे उपहार या शानदार आतिथ्य लेने से पहले, उसके उद्देश्य को समझना होगा। आचरण नियमावली तय करती है कि क्या ग्रहण किया जा सकता है और क्या नहीं, फिर भी दो नैतिक प्रश्नों पर ध्यान देना होगा। पहला, क्या इस मेहमाननवाजी या महंगे उपहार देने के पीछे कोई छिपी हुई बदनीयती या निजी स्वार्थ है? और दूसरा, क्या उन्हें ग्रहण करने से कामों में निष्पक्षता या ईमानदारी पर कोई असर पड़ेगा? अगर दोनों में से किसी भी सवाल का जवाब हां है, तो ऐसी सेवाएं या वस्तुएं ग्रहण करने से बचना ही सही है।

प्रशासनिक नेतृत्वकर्ता के तौर पर, हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने उन अधीनस्थों और अन्य हितधारकों का हौसला बढ़ाएं, जो पूर्ण समर्पण और सत्यनिष्ठा के साथ काम कर रहे हैं। इससे ईमानदारी व सच्चाई के मार्ग पर चलते रहने के लिए उन्हें प्रोत्साहन मिलता है। इससे ऐसा माहौल बनेगा, जहां नई पीढ़ी इन अधिकारियों से प्रेरणा ले सके। 'राष्ट्र पहले' के आदर्श को लोक सेवकों से अपने कामों में अपनाने की अपेक्षा की जाती है । अत:, एक सिविल सेवक को अपने पद से जुड़े दायित्वों के निर्वहन के प्रति पूर्ण समर्पित होना चाहिए, परंतु इससे जुड़ी सुविधाओं तथा पद के प्रति निर्लिप्त रहना होगा।

-लेखक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं।

पीओके में फिर से अशांति की स्थिति

अजीत कुमार सिंह

इस समय, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर (पीओके) में अशांत स्थिति है। एक बार फिर, गंभीर अशांति फैली हुई है और अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों और विपक्षी नेताओं पर व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है, साथ ही सरकार पर अत्यधिक बल प्रयोग के गंभीर आरोप भी लग रहे हैं। क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं, जिससे यह इलाका लगभग अलग-थलग पड़ गया है, जबकि प्रशासन ने कथित तौर पर संघीय सरकार से 14,000 अतिरिक्त कर्मियों की मांग की है। बिगड़ती स्थिति को देखते हुए स्थानीय अधिकारियों ने 5 से 20 जून के बीच पर्यटन को हतोत्साहित करने का निर्देश दिया है। इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने भी जम्मू-कश्मीर में अपने नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। नवीनतम हिंसा 7 जून, 2026 को भड़की, जब सुरक्षा बलों (एसएफ) और संयुक्त अवामी कार्रवाई समिति (जेएएसी) के समर्थकों के बीच झड़पों में कम से कम 12 लोग मारे गए, जिनमें आठ नागरिक और चार पुलिसकर्मी शामिल थे। कम से कम 73 अन्य लोग - 23 एसएफ कर्मी और 50 नागरिक - घायल हुए।

अधिकारियों का दावा है कि जम्मू-कश्मीर के सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद हिंसक भीड़ ने एक अस्पताल पर हमला कर दिया, जिसमें पाकिस्तान में रह रहे जम्मू-कश्मीर (जम्मू-कश्मीर) के शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 विधायी सीटों के संवैधानिक दर्जे को बरकरार रखा गया था। आधिकारिक बयानों के अनुसार, सुरक्षा बलों के पहुंचने से पहले चार पुलिस अधिकारी और एक राहगीर मारे गए, जिसके बाद छह प्रदर्शनकारी भी मारे गए।

हालांकि, प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि हिंसा तब शुरू हुई जब जेएएसी समर्थक एक अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर जमा हुए, जहां कार्यकर्ता शाहज़ैब हबीब का शव रखा गया था, जिसे कथित तौर पर पहले सुरक्षा बलों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनका कहना है कि इसके बाद सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाया।

मौजूदा अशांति सितंबर और अक्टूबर 2025 में हुए इसी तरह के विरोध प्रदर्शनों के बाद हुई है, जिनमें 10 से अधिक लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए थे। उन अशांतियों के परिणामस्वरूप अंतत: संघीय सरकार, पीओजेके प्रशासन और जेएएसी प्रतिनिधियों के बीच मुजफ्फराबाद

समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसे 4 अक्टूबर समझौते के नाम से भी जाना जाता है।

समझौते में मुआवज़ा, शासन सुधार, आर्थिक राहत उपाय और राजनीतिक प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। 2025 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए लोगों के परिवारों को कानून प्रवर्तन कर्मियों को दिए गए मुआवज़े के बराबर मुआवज़ा देने का वादा किया गया था, जबकि गोलीबारी में घायल हुए लोगों को भी मुआवज़ा दिया जाना था।उन्हें 10 लाख पीकेआर दिए जाने थे। मृतकों के परिवारों के लिए सरकारी नौकरियां, बड़ी घटनाओं की न्यायिक जांच और हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी इसमें शामिल थी। आर्थिक उपायों में बिजली के बुनियादी ढांचे के लिए 10 अरब पीकेआर, गेहूं और बिजली पर सब्सिडी जारी रखना और कर सुधार शामिल थे। समझौते में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार और 12 शरणार्थी शिविरों की स्थिति की जांच के लिए एक समिति के गठन का भी प्रस्ताव था। हालांकि अधिकारियों ने बाद में दावा किया कि जेएएसी की 38 मांगों में से 36 को स्वीकार कर लिया गया था, लेकिन संगठन ने उन दावों को खारिज कर दिया और 31 मई, 2026 को 9 जून, 2026 से शुरू होने वाली अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की। इसी बीच, 5 जून को सरकार द्वारा सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए जेएएसी पर प्रतिबंध लगाने के बाद तनाव और बढ़ गया। इसके बाद कई सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया।

वर्तमान आंदोलन के केंद्र में जेएएसी की यह मांग है कि जम्मू-कश्मीर की 53 सदस्यीय विधानसभा में उन 12 सीटों को समाप्त किया जाए जो 1947 और 1965 के बाद पाकिस्तान में बसे जम्मू-कश्मीर के शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं। जेएएसी का तर्क है कि इन सीटों के कारण मुख्यधारा की पाकिस्तानी राजनीतिक पार्टियां जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन को प्रभावित कर सकती हैं और स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कमजोर कर सकती हैं। कई प्रदर्शनकारियों के लिए, यह मुद्दा अधिक स्वायत्तता और स्थानीय नियंत्रण की मांगों का पर्याय बन गया है।

सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद विवाद और भी गंभीर हो गया जिसमें कहा गया कि आरक्षित सीटें संवैधानिक रूप से संरक्षित हैं और संवैधानिक संशोधन के बिना इन्हें समाप्त नहीं किया जा सकता। इस फैसले ने विवाद को सुलझाने के एक रास्ते को प्रभावी रूप से बंद कर दिया और मौजूदा तनाव को और बढ़ा दिया। वर्तमान आंदोलन जम्मू-कश्मीर में जन आंदोलन के स्वरूप में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। जेएएसी शुरू में आर्थिक शिकायतों, विशेष रूप से बिजली की बढ़ती दरों, मुद्रास्फीति और शासन की विफलताओं पर केंद्रित एक मंच के रूप में उभरा था। इन आंदोलनों का मूल कारण आर्थिक चिंताएं थीं,नवीनतम आंदोलन तेजी से राजनीतिक प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय मामलों पर इस्लामाबाद के प्रभाव पर केंद्रित हो गया है।

ये शिकायतें लंबे समय से चली आ रही संरचनात्मक समस्याओं से जुड़ी हैं। 1947 में पाकिस्तान द्वारा इस क्षेत्र पर नियंत्रण करने के बाद से, जम्मू-कश्मीर में स्वायत्तता, शासन, संसाधन आवंटन और संवैधानिक अधिकारों को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं। आज़ाद कश्मीर के रूप में प्रचारित किए जाने के बावजूद, कई निवासियों का तर्क है कि राजनीतिक और प्रशासनिक निर्णय लेने की प्रक्रिया पर इस्लामाबाद का भारी नियंत्रण बना हुआ है। यहाँ इनविरोध प्रदर्शनों की पुनरावृत्ति अनसुलझी राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों को दर्शाती है। उच्च बेरोजगारी, अपर्याप्त सार्वजनिक सेवाएं, ऊर्जा की कमी और राजनीतिक रूप से हाशिए पर होने की धारणाएं जनता के असंतोष को लगातार बढ़ा रही हैं। हालांकि पिछले आंदोलनों के परिणामस्वरूप आंशिक रियायतें मिलीं, लेकिन किसी ने भी शासन व्यवस्था में मौलिक परिवर्तन नहीं किया है, जिसे कई प्रदर्शनकारी अपनी शिकायतों का मूल कारण मानते हैं। 27 जुलाई, 2026 को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले स्थिति तनावपूर्ण रहने की संभावना है। JAAC ने संकेत दिया है कि वह प्रतिबंध के बावजूद अपना अभियान जारी रखने का इरादा रखती है, जबकि अधिकारी बड़े पैमाने पर लामबंदी को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित प्रतीत होते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया अब तक सीमित रही है, लेकिन ध्यान देने योग्य है। ब्रिटिश सांसदों के एक समूह ने दमन, कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और संचार प्रतिबंधों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इस्लामाबाद ने इस आलोचना को अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बताकर खारिज कर दिया है।

हालिया अशांति ने जम्मू-कश्मीर में शासन की लगातार विफलताओं को उजागर किया है और दशकों से चले आ रहे अनसुलझे राजनीतिक विरोधाभासों की ओर नए सिरे से ध्यान आकर्षित किया है। जनता की मांगें तेजी से राजनीतिक जवाबदेही, प्रतिनिधित्व और स्थानीय नियंत्रण पर केंद्रित हो रही हैं। जब तक इन मुद्दों को सार्थक सुधारों के माध्यम से हल नहीं किया जाता, विरोध और राज्य दमन का यह चक्र जारी रहने की संभावना है।

लेखक-संघर्ष प्रबंधन संस्थान में वरिष्ठ फेलो

पुर्तगाल में अंधविश्वास का खेल: पादरी की पोशाक पहन महिलाओं को बेहोश करता था नकली तांत्रिक

लिस्बन

पुर्तगाल के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल फातिमा श्राइन के पास एक शॉपिंग सेंटर के बेसमेंट में चल रहे अवैध एक्सॉरसिम रिट्रीट (भूत भगाने के शिविरों) ने कैथोलिक चर्च और वेटिकन की चिंता बढ़ा दी है। पादरी की पोशाक पहनने वाले 27 वर्षीय फ्रांसिस्को मार्केस नाम के एक युवक द्वारा अंधविश्वास के दम पर लोगों को सम्मोहित करने और जादुई नमक-पानी बेचने का मामला सामने आया है।

स्थानीय बिशप और चर्च प्रशासन ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए आम लोगों से अपील की है कि इस तथाकथित धार्मिक आयोजन को वेटिकन की कोई मान्यता प्राप्त नहीं है। चर्च का कहना है कि यह आधिकारिक नियमों से बाहर जाकर भोले-भाले और कमजोर विश्वास वाले लोगों का शोषण करने की एक संदिग्ध कोशिश है।

दरअसल, पुर्तगाल के प्रसिद्ध फातिमा श्राइन के पास एक शॉपिंग सेंटर के बेसमेंट में चल रहे अनौपचारिक एक्सॉर्सिम रिट्रीट में पादरी की पोशाक पहने एक युवक द्वारा प्रार्थना के नाम पर लोगों (विशेषकर महिलाओं) को बेहोश करने का खेल चल रहा है।

चर्च के अधिकारियों का कहना है कि ये आयोजन उनकी आधिकारिक निगरानी से बाहर हैं और इन्हें खुद को

धार्मिक गुरु बताने वाले लोग चला रहे हैं। इसमें कमजोर आस्था वाले और असहाय लोगों के आर्थिक व मानसिक शोषण का बड़ा जोखिम है।

हाल ही में एक शनिवार को, 100 से अधिक लोग उस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे थे जब 27 वर्षीय फ्रांसिस्को मार्केस एक-एक करके प्रतिभागियों पर अपने हाथ रखना शुरू करेंगे। काले रंग का कैसॉक (पादरी का लंबा चोगा) और रोमन कॉलर पहने मार्केस बिल्कुल पारंपरिक कैथोलिक पादरी की तरह दिखाई देता है। मार्केस मौन रहकर ध्यान केंद्रित करता है और लोगों के माथे पर अपने दोनों हाथ रखता है। इसके बाद कुछ प्रतिभागी- जिनमें अधिकांश महिलाएं होती हैं- तुरंत पीछे की ओर गिर जाती हैं, जिन्हें वहां पहले से ही तैयार खड़े सहायक इन्हें संभाल लेते हैं।

इस रिट्रीट में शामिल हुईं 56 वर्षीय नर्स लूर्डेस रामिसियो ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, यहां आपको शांति का बहुत गहरा अहसास होता है। यह एक प्रकार की मुक्ति है। मैं यहां से पूरी तरह शुद्ध होकर और एक हल्की आत्मा के साथ लौटती हूं। इन सत्रों का संचालन मुख्य रूप से मार्केस और उनके परिवार के सदस्य करते हैं। इस काम में इन्हें एक इतालवी नागरिक साल्वाटोर मिकालेफ का पूरा सहयोग मिलता है, जो स्वयं को मार्केस का बिशप बताते हैं।

मिकालेफ ने समाचार एजेंसी एएफपी से बात करते हुए कहा, जब मेरी मुलाकात फ्रांसिस्को से हुई, तो मैंने सबसे पहले यह महसूस किया कि उनके भीतर बुरी आत्माओं को भगाने की दिव्य शक्ति है। इसी वजह से मैंने उन्हें एक आधिकारिक एक्सॉर्सिस्ट के रूप में काम करने की मंजूरी देने वाला आदेश जारी किया था।

क्या है एक्सॉर्सिम प्रथा?

एक्सॉर्सिम एक प्राचीन प्रथा है जिसके तहत किसी व्यक्ति या स्थान पर कब्ज़ा करने वाली बुरी आत्माओं या दुष्टात्माओं को बाहर निकाला जाता है। कुछ रोमन कैथोलिक लोग इस प्रथा को अपनाते हैं, जबकि अन्य लोग इसे बहुत संदेह की दृष्टि से देखते हैं।

हालांकि, कैथोलिक धर्म के भीतर एक्सॉर्सिम एक आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त प्रथा है, लेकिन यह बेहद कड़े नियमों के अधीन है और इसके संचालन के लिए विशेष रूप से अधिकृत पादरियों को ही अनुमति दी जाती है।

250 फीट लंबी दरार, केमिकल डाले गए, ट्रंप का दावा- उपद्रवियों ने पहुंचाया रिफ्लेक्टिंग पूल को नुकसान

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल में तोड़-फोड़ के आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि तोड़-फोड़ करने वालों ने हाल ही में ठीक किए गए पूल को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है।

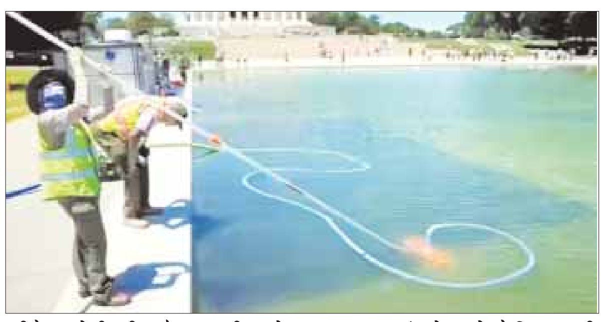

उन्होंने दावा किया कि इसकी नई लाइनिंग में 250 फीट लंबा कट लगा दिया गया और पानी में तेजाब जैसे खतरनाक केमिकल डाल दिए गए। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, हमारे खूबसूरत रिफ्लेक्टिंग पूल में की गई शर्मनाक तोड़-फोड़ के सिलसिले में कई और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आगे कहा, 1922 में जब इसे पहली बार बनाया गया था तब से यह कभी ऐसा नहीं दिखा और न ही इसने कभी ठीक से काम किया। उस समय भी इसमें बहुत ज्यादा लीकेज होती थी और यह ठीक से काम नहीं करता था। हमारा पूल एकदम सही काम कर रहा था, जिसमें शीशे जैसी चमक थी और यह दो महान स्मारकों की एकदम साफ तस्वीर दिखाता था ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था!

घटना के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, उन्होंने चाकू या ब्लेड जैसी किसी चीज से उस खूबसूरत ढांचे पर 250 फीट लंबा कट लगा दिया, जिसे बनाने और पूरा करने में बहुत मेहनत, काबिलियत और पैसा लगा था। उन्होंने पूल में तेजाब जैसे नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल भी डाल दिए। रिफ्लेक्टिंग पूल जितना खूबसूरत एक हफ्ते पहले था, उतना पहले कभी नहीं रहा यहां तक कि 1922 में जब यह खुला था, तब भी नहीं।

ट्रंप ने पिछली सरकारों की आलोचना की। पूल को नए रूप में पेश किए जाने के कुछ ही समय बाद काई जमने की वजह से पानी का रंग फिर से हरा हो गया। इस समस्या को ठीक करने के लिए कर्मचारियों ने केमिकल का इस्तेमाल किया, लेकिन खबर है कि पूल के तल पर लगाई गई नई नीली लाइनिंग उखड़ने लगी।

द वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, शुक्रवार को लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल पर हुई एक घटना के बाद अमेरिकी पार्क पुलिस ने ओलंपिक साइकिलिस्ट डेविड हर्न को सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया। खबर है कि हर्न हेन्स पॉइंट के चारों ओर 52 मील की साइकिल राइड पूरी करने के बाद मेमोरियल पर रुके थे। उन्होंने देखा कि पूल में हाल ही में लगाई गई अमेरिकी झंडे जैसे नीले रंग की लाइनिंग का एक हिस्सा तल से उखड़ गया था। हर्न ने अधिकारियों को बताया कि वह अलग हुए हिस्से की जांच करने के लिए पानी में उतरे थे। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ ही देर बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया, जब वह उस जगह से जाने की तैयारी कर रहे थे।

हमास और इस्लामिक जिहाद के दो आतंकी ढेर: इजरायली सेना

तेलअवीव, (वार्ता)। इजरायली सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों ने बड़ी संयुक्त कार्रवाई में हमास के सैन्य विंग और इस्लामिक जिहाद के दो मुख्य आतंकवादियों हुसैन कादरा और मोहम्मद फर्रा को ढेर कर दिया है। इजरायली सेना के सोशल मीडिया पर रविवार को यह जानकारी दी गयी। इसमें कहा कि ये दोनों आतंकी संगठन के उस वित्तीय नेटवर्क को संचालित कर रहे थे, जिसके जरिए गाजा और तुर्की के रास्ते हमास के सैन्य विंग को करोड़ों रुपये की फंडिंग की जा रही थी। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, हुसैन कादरा ने मोहम्मद फर्रा के साथ मिलकर हमास नेतृत्व के सीधे निर्देश पर एक बड़ा वित्तीय नेटवर्क खड़ा किया था। इस नेटवर्क के तहत तुर्की और गाजा में दर्जनों मनी एक्सचेंजर्स और कोरियरों का एक जाल बिछाया गया था। इस रास्ते से हमास के सैन्य विंग को 50 करोड़ से अधिक इजरायली शेकेल भेजे जाने की पुष्टि हुई है। इस भारी-भरकम राशि का इस्तेमाल हमास अपने सक्रिय आतंकियों को मासिक वेतन देने और इजरायली ठिकानों पर नये आतंकी हमलों की साजिश रचने और उन्हें अंजाम देने के लिए कर रहा था।

वो तो हमास का आतंकवादी था, इजरायल ने की गाजा में पत्रकार की मौत की पुष्टि

गाजा

गाजा में इजरायली हमलों में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे और ब्रॉडकास्टर अल जजीरा का एक कैमरामैन शामिल है।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल और चरमपंथी समूह हमास के बीच अक्टूबर में हुए संघर्ष-विराम के बावजूद इस इलाके में लगभग रोजाना हमले हो रहे हैं। इन हमलों में 1,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को तड़के करीब 2 बजे गाजा शहर में एक अपार्टमेंट पर पहला हमला हुआ। दो बहनों 4 साल की जिना और 14 साल की लाना के शवों को शिफा अस्पताल के मुर्दाघर भेजा गया।

उनके कजिन मोहम्मद सफादी ने बताया, मैं घर पर बैठा था। बिना किसी चेतावनी के रॉकेट हम पर आ गिरा। उनके माथे पर चोट लगी थी। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी भी घायल हो गई थीं।

सफादी ने कहा, कब्जा करने वाली ताकत और बातचीत करने वाली टीम जिस युद्धविराम की बात कर रही है... क्या यह सच में युद्धविराम है? हम आम नागरिक हैं। मैंने कभी हथियार नहीं उठाया।

इजरायली सेना ने कहा कि वह इस घटना की जांच कर रही है। शनिवार शाम को इजरायल के तीन हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम एक दर्जन लोग घायल हो गए। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने अल जजीरा के कैमरामैन को एक सटीक हमले में मार गिराया। सेना का दावा है कि वह हमास की मिलिट्री विंग का हिस्सा था और उस इलाके में सैनिकों के लिए खतरा बना हुआ था। इजरायल का कहना है कि वह हमास और उन दूसरे चरमपंथियों को निशाना बना रहा है जिनसे खतरा है। युद्धविराम के बाद से इजरायल के पांच सैनिक मारे जा चुके हैं। अल-अक्सा अस्पताल के अनुसार, पहला हमला बिना किसी चेतावनी के मध्य गाजा के बुरेइज रिफ्यूजी कैंप में एक घर पर हुआ, जिसमें अल जजीरा के कैमरामैन अहमद विशाह समेत तीन लोगों की मौत हो गई। अल जजीरा ने विशाह की मौत की पुष्टि की।

अल-जजीरा के लिए काम करने वाले विशाह के भाई मोहम्मद की अप्रैल में इजरायली हमले में मौत हो गई थी।

मतदान के अधिकार को मिले मौलिक अधिकार का दर्जा : कांग्रेस

नयी दिल्ली, (वार्ता)

कांग्रेस ने मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा देने की मांग करते हुए रविवार को कहा कि इससे इस अधिकार को सर्वोच्च स्तर का संवैधानिक और न्यायिक संरक्षण प्राप्त होगा। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में कहा कि भारत में मतदान का अधिकार फिलहाल मौलिक नहीं बल्कि वैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का प्रावधान किया गया है जबकि मतदान की व्यवस्था जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951 के तहत संचालित होती है।

श्री रमेश ने कहा कि पिछले सात दशकों से इस बात पर बहस जारी है कि मतदान का अधिकार केवल वैधानिक अधिकार है अथवा इसे मौलिक अधिकार का दर्जा मिलना चाहिए। उन्होंने मार्च 2023 में अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले में न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी के असहमति वाले फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि उसमें मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार माना गया था। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय मतदाताओं को उम्मीदवारों के आपराधिक मामलों, वित्तीय हितों और राजनीतिक चंदे के स्रोतों के बारे में जानने के अधिकार, मतपत्र की गोपनीयता तथा नोटा के माध्यम से सभी उम्मीदवारों को अस्वीकार करने के अधिकार को मान्यता दे चुका है। ऐसे में मतदान के अधिकार को केवल वैधानिक अधिकार बने रहना विसंगति है। ऐसे में मतदान के अधिकार को केवल वैधानिक अधिकार बने रहना विसंगति है।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा दिए जाने से मतदाता दमन अथवा मनमाने ढंग से अयोग्य ठहराए जाने जैसे मामलों के खिलाफ अधिक प्रभावी संवैधानिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

ग्रामीण कार्य विभाग के प्रयास से पूर्वी बिहार में हजारों बसावटें पक्की ग्रामीण सड़कों से जुड़ीं

पटना, (वार्ता)। ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से पूर्वी बिहार में ग्रामीण आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं।विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सुदूर ग्रामीण बसावटों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ते हुए क्षेत्र में संपर्कता, आर्थिक गतिविधियों और जनसुविधाओं के विस्तार को नई गति प्रदान की गई है। संपर्क-विहीन बसावटों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के अभियान के अंतर्गत पूर्वी बिहार के जिलों में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। इस दिशा में बांका जिले में 3,478 बसावटों को 3,355 लंबी पक्की ग्रामीण सड़कों से जोड़ा गया है। वहीं जमुई जिले में 3,236 बसावटों को 3,213 किलोमीटर, भागलपुर जिले में 2,679 बसावटों को 2,309 किलोमीटर, लखीसराय में 1,120 बसावटों को 843 किलोमीटर तथा शेखपुरा जिले में 704 बसावटों को 826 किलोमीटर लंबी पक्की सड़कों से जोड़ा जा चुका है।

भारत से पहली बार कांपा चीन, पुतिन के गुरु बोले हिंदू आ रहे हैं!

नई दिल्ली

भारतीय लोगों के डर से चीन की सरकारी मीडिया और चीन के ताकतवर लोगों को बयान तक जारी करने पड़ गए हैं। भारतीय लोगों का धमाका देखकर अब ताइवान के लोग भी चीन पर टूट पड़े हैं। पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर देख रहे होंगे कि अचानक भारत के कुछ लोगों ने चीन की गरीबी, गंदगी, झुग्गियों, सामाजिक असमानता और चीन की जाति व्यवस्था का काला चिट्ठा खोल दिया है। भारतीय लोगों ने सोशल मीडिया पर दिखाया है कि चीन भी चार जातियों में बंटा है। शी, नोंग, गोंग और शोंग शी वर्ग में आते हैं विद्वान और आधिकारिक प्रशासक। नोंग किसान थे, गोंग कारीगर और शिल्पकार थे। जबकि शोंग व्यापारियों का एक वर्ग था। यानी चीन का समाज खुद जातियों में बंटा है। इसके अलावा चीन में होऊ सिस्टम के जरिए भी भेदभाव किया जाता है। हुककोऊ सिस्टम चीन की सरकारी रजिस्ट्रेशन व्यवस्था है जिसमें यह तय होता है कि किसी नागरिक का निवास क्षेत्र कौन सा होगा। उसे सरकारी सुविधाएं मिलेंगी या नहीं मिलेंगी।

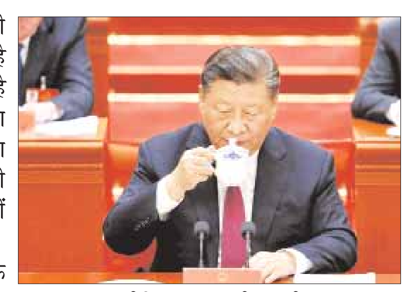

चीन के हुकऊ सिस्टम ने ग्रामीण और शहरी चीन में एक बड़ा अंतर पैदा कर रखा है। करोड़ों ग्रामीण मजदूर शहर में काम करने तो आ जाते हैं लेकिन उन्हें शहर के स्थाई निवासियों जैसी व्यवस्था, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलती। बस इतना सुनते ही चीन का सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स और चीन के कई लोग इसे झूठ बोलने लगे। पूरा चीन मुट्ठी भर भारतीयों द्वारा चलाए गए कैंपेन का जवाब देता फिर रहा है। यानी चीन में बहुत भयंकर बवाल मच गया है। भारत के लोगों का साथ देते हुए अब ताइवान के लोगों ने भी सोशल मीडिया पर चीन की असमानता और गरीबी वाली वीडियो डालनी शुरू कर दी हैं। चीन दशकों से अपनी झूठी इमेज दिखाने और भारत के खिलाफ प्रॉक्सी और इंफॉर्मेशन वॉर पर अरबों रुपए खर्च कर रहा है। लेकिन भारत में बैठे लोगों ने 1 त्वक्कमोबाइल डाटा से चीन के अरबों रुपए का प्रोपोगेंडा चखनाचूर कर दिया है। चीन इतना बौखला गया है कि उसने अचानक भारत और पाकिस्तान के कुछ इन्फ्लुएंसर्स को पैसा दिया है।

कहा है कि हमारी इमेज और इज्जत को तुरंत बचाओ। इसीलिए आपको सोशल मीडिया पर भारत के कई ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स भी दिख रहे होंगे जो अचानक चीन के खाने, चीन के शहरों और चीन की ईमानदारी पर वीडियो बना रहे हैं। भारत में बैठे कुछ पत्रकार चीन के होऊ सिस्टम का फैक्ट चेक कर रहे हैं। बता रहे हैं कि चीन में असमानता है ही नहीं। हैरानी की बात देखिए कि चीन के पेरोल पर काम कर रहे इन इन्फ्लुएंसर्स ने कभी भारत की इमेज को बचाने की कोशिश शायद नहीं की। चीन दशकों से पैसे के दम पर पाकिस्तान, बांग्लादेश और भारत में बैठे इन्फ्लुएंसरर्स से भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म का मजाक बनवाता रहा। लेकिन तब किसी ने कुछ नहीं बोला। मगर भारतीय लोगों और हिंदुओं की क्या ताकत है वह रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन के गुरु ने पूरी दुनिया को बता दी थी। पुतिन के गुरु एलेक्जेंडर डूगिन ने कहा था कि भारतीय संस्कृति भौतिक दुनिया और मुनाफे के बारे में नहीं सोचती।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

फादर्स डे और वर्ल्ड म्यूजिक डे पर पश्मीना रोशन ने पिता राजेश रोशन के साथ शेयर की अपने बचपन की प्यारी वीडियो

अभिनेत्री पश्मीना रोशन ने फादर्स डे और वर्ल्ड म्यूजिक डे के अवसर पर अपने पिता एवं वरिष्ठ संगीतकार राजेश रोशन के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर अपने बचपन का एक भावुक वीडियो साझा किया है।पश्मीना द्वारा साझा किए गए इस थ्रोबैक वीडियो में पिता-पुत्री के कई अनमोल और यादगार पल देखने को मिलते हैं। वीडियो में परिवार और संगीत के प्रति उनके गहरे लगाव की झलक भी दिखाई देती है, जिसे प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। इस विशेष वीडियो को और अधिक भावनात्मक बनाने के लिए पश्मीना ने पृष्ठभूमि में अपने पिता द्वारा संगीतबद्ध लोकप्रिय गीत छूकर मेरे मन को किया तूने क्या इशारा का इस्तेमाल किया है। यह गीत वीडियो में दिखाई गई यादों और भावनाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाता है। वीडियो साझा करते हुए पश्मीना ने लिखा, फादर्स डे और वर्ल्ड म्यूजिक डे की शुभकामनाएं मेरे सबसे पसंदीदा इंसान को। यह ट्रेंड मैं कैसे छोड़ सकती थी, आखिर यह आपका ही गाना है। उनके इस संदेश में पिता के प्रति स्नेह, सम्मान और गर्व की भावना स्पष्ट रूप से झलकती है। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस पोस्ट को खूब सराहा है और कमेंट्स के माध्यम से पिता-पुत्री की इस खूबसूरत जोड़ी पर प्यार बरसाया है। कई प्रशंसकों ने इसे फादर्स डे के सबसे भावुक और दिल छू लेने वाले पोस्ट्स में से एक बताया है। गौरतलब है कि राजेश रोशन हिंदी सिनेमा के प्रतिष्ठित संगीतकारों में गिने जाते हैं। उन्होंने अपने लंबे करियर में अनेक यादगार और सदाबहार गीतों को संगीत दिया है। छूकर मेरे मन को किया तूने क्या इशारा उनके सबसे लोकप्रिय और कालजयी गीतों में शुमार है, जिसे आज भी संगीत प्रेमी बेहद पसंद करते हैं। पश्मीना रोशन की इस पोस्ट को एक ओर जहां पिता के प्रति उनके प्यार और आभार की अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा रहा है, वहीं यह महान संगीतकार राजेश रोशन की समृद्ध संगीत विरासत को भी सम्मान देने का एक भावनात्मक प्रयास माना जा रहा है।

प्रभास की छोटी सी झलक से कल्कि 2 और स्पिरिट को लेकर बढ़ी फैंस की उत्सुकता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास की एक छोटी सी झलक ने उनकी आगामी फिल्मों कल्कि 2 और स्पिरिट को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चाओं का दौर तेज कर दिया है।हाल ही में प्रभास और निर्देशक नाग अश्विन के एक प्रमोशनल वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच नई बहस छिड़ गई। वीडियो में प्रभास के मोबाइल फोन पर दिखाई दिए एक वॉलपेपर ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रशंसकों का मानना है कि यह वॉलपेपर फिल्म कल्कि 2 के किरदार कर्ण से जुड़ा हो सकता है। वीडियो के सामने आने के कुछ ही समय बाद इसके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गए और प्रशंसकों ने फिल्म के संभावित कथानक तथा इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर अपनी-अपनी अटकलें लगानी शुरू कर दीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फिल्म को लेकर कई तरह की चर्चाएं और थ्योरीज सामने आ रही हैं। इस बीच फिल्म निर्माता संदीप रेड्डी वांगा ने अपनी आगामी फिल्म स्पिरिट से जुड़ा एक पोस्टर साझा किया, जिसमें केवल उनकी और प्रभास की परछाई दिखाई दे रही थी। पोस्टर में अधिक जानकारी नहीं होने के बावजूद यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गया। फिल्म जगत से जुड़ी रिपोर्टों के अनुसार प्रभास जल्द ही स्पिरिट की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग चंचलगुड़ा जेल परिसर में की जा सकती है।

योग खुद से जुड़ने और भीतर लौटने की यात्रा है : कुब्रा सैत

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग को केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आत्म-जुड़ाव, संतुलन और आत्म-स्वीकृति की एक गहन प्रक्रिया बताते हुए लोगों को इसे जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया है।कुब्रा सैत ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए योग के प्रति अपने अनुभवों और विचारों को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग योग को शरीर को लचीला बनाने या कठिन आसनों में दक्षता हासिल करने का माध्यम मानते हैं, जबकि उनके लिए योग का अर्थ स्वयं से जुड़ना और अपने भीतर लौटना है।उन्होंने लिखा, लोग सोचते हैं कि योग का मतलब अपने पैर की उंगलियों को छूना है। मेरे लिए योग का मतलब खुद से जुड़ना और अपने भीतर लौटना है। कुब्रा ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। अपने अनुभव साझा करते हुए कुब्रा सैत ने स्वीकार किया कि जीवन में हर दिन एक जैसा नहीं होता। उन्होंने कहा, कुछ दिनों में मैं बेहद सहज महसूस करती हूं, जबकि कुछ दिनों में मेरा संतुलन डगमगा जाता है। 40 वर्ष की उम्र के बाद कई बार ऐसा महसूस होता है जैसे शरीर की हर मांसपेशी से बातचीत करनी पड़ रही हो। कुब्रा ने कहा कि योग का उद्देश्य पूर्णता हासिल करना नहीं, बल्कि प्रतिदिन स्वयं के लिए उपस्थित रहना है। उन्होंने लोगों को यह संदेश दिया कि शरीर और मन की स्थिति चाहे जैसी भी हो, निरंतर अभ्यास और आत्म-स्वीकृति ही योग का वास्तविक सार है।उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से संतुलन, शक्ति और मानसिक शांति प्राप्त की जा सकती है तथा स्वयं के साथ कुछ महत्वपूर्ण पल बिताए जा सकते हैं। उनका मानना है कि इस दिशा में उठाया गया हर छोटा कदम भी महत्वपूर्ण होता है। वैश्विक योग समुदाय का हिस्सा बनने पर आभार व्यक्त करते हुए कुब्रा ने कहा,इस खूबसूरत परिवार का हिस्सा बनकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। योग हमारी विरासत है और इसे हमें संजोकर रखना है। कुब्रा सैत ने कहा कि योग की सफलता इस बात से नहीं मापी जाती कि कोई व्यक्ति कितनी दूर तक झुक सकता है, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने भीतर से कितनी गहराई से जुड़ पाता है।

प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में परिवर्तन ला रही है : मंत्री उदय प्रताप सिंह

किसानों की समृद्धि ही प्रदेश और देश की प्रगति का आधार है

जैविक खाद से फसलें गुणवत्तायुक्त होती हैं जिससे हम निरोग रहते हैं

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हरित क्रांति से फसलों के उत्पादन में वृद्धि हुई, अब प्राकृतिक खेती से भूमि की उर्वरकता क्षमता बढ़ेगी और फसलों का उत्पादन अच्छा और गुणवत्तायुक्त होगा। यह प्राकृतिक खेती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री श्री सिंह शनिवार को पीजी कॉलेज गाडरवारा के ऑडिटोरियम में कृषि विभाग द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री सिंह के आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने मां सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि नरसिंहपुर जिला कृषि के क्षेत्र में पूरे प्रदेश को मार्गदर्शन देने वाला जिला है। नरसिंहपुर जिले की भूमि सबसे उपजाऊ है, जल की उपलब्धता है, अनुकूल जलवायु है और बजार भी उपलब्ध है। जिससे जिले के किसान समृद्ध और सम्पन्न हैं। मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में कृषि और किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर किसानों की लागत कम करने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के साथ कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने, आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करने तथा शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया। किसानों की समृद्धि ही प्रदेश और देश की प्रगति का आधार है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की उपज को समर्थन मूल्य पर खरीद कर उन्हें प्रोत्साहित करती है। भावांतर योजना के माध्यम से किसानों को फसलों का उचित मूल्य दिया गया है। उन्होंने खरीदी केन्द्रों में किसानों की फसलों को खरीदने, परिवहन, भंडारण और नीलामी की प्रक्रिया के बारे में भी बताया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हमारे पूर्वज हमेशा खेतों में जैविक खाद का उपयोग करते थे। मंत्री श्री सिंह ने किसानों को सलाह दी कि अपने खेतों में रासायनिक खाद का उपयोग कम मात्रा में करें और जैविक खाद को बढ़ावा दें। जैविक खाद से तैयार होने वाली फसलें गुणवत्तायुक्त होती है। जिससे हम बीमार नहीं होंगे, स्वस्थ रहेंगे और हमारा जीवन निरोग रहेगा। उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाने के लिए सभी किसानों को मार्गदर्शन देने की सलाह दी। मंत्री श्री सिंह ने यूरिया, डीएपी एवं अन्य उर्वरक और जैविक खाद तैयार करने में व्यय राशि के मूल्य का अंतर बताते हुए कहा कि किसानों को जैविक खाद बनाना सस्ता पड़ेगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सहजता से कठिन चुनौतियों का सामना करते हैं। श्री मोदी ने देश के प्रत्येक नागरिक का प्रधानमंत्री जन-धन योजना के माध्यम से बैंकों में खाते खुलवाएं, जिससे वे बैंकों से लेन-देन कर आर्थिक समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने महिलाओं को पुरूषों के बराबर हक और अधिकार देने का काम किया है। यहीं वजह है कि आज महिलाएं प्रशासनिक सेवा, देश सेवा, विज्ञान, चिकित्सा और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जा रही है। जिससे सभी वर्ग के लिए सम्पत्ति, उत्तराधिकार, भरण-पोषण, विवाह विच्छेद इत्यादि विषयों पर समान रूप से कानून लागू किया जा सके। उन्होंने उपस्थित सभी नागरिकों से समान नागरिक संहिता-(यूसीसी) में अपनी राय देने को कहा। मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य (राज्य मंत्री दर्जा) श्रीमती साधना स्थापक ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को पूर्ण संकल्प के साथ प्राकृतिक खेती को अपनाना होगा। प्राकृतिक खेती से भूमि की उर्वरकता क्षमता बढ़ती है और फसलें गुणवत्तायुक्त होती हैं। प्रदेश सरकार का अभियान है कि जल का संरक्षण करें, पौधे लगाएं और गौवंश की रक्षा करें, यह मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने कहा कि नरसिंहपुर जिला कृषि के क्षेत्र में सम्पन्न जिला है। नरसिंहपुर जिले में किसानों के लिए विभिन्न फेक्ट्री, मिल संचालित हो रही हैं। कृषि वैज्ञानिक किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। जिले में दुग्ध उत्पादन भी बढ़ा है। उन्होंने सभी किसानों से आग्रह किया कि अपने खेतों में प्राकृतिक खेती अनिवार्य रूप से करें। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की मांग है। प्राकृतिक खेती में किसान जैविक खाद का उपयोग करते हैं। इससे भूमि की उर्वरकता क्षमता बढ़ती है और फसलों का उत्पादन गुणवत्ता युक्त होता है। किसानों को प्राकृतिक खेती की दिशा में प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के लिए किसानों का चयन किया जा रहा है, क्लस्टर बनाए जा रहे हैं। किसानों को अपशिष्ट पदार्थों से जैविक खाद तैयार करने की विधि के बारे में बताया जा रहा है। जिससे किसान केचुआ खाद, अपशिष्ट खाद व गोबर खाद तैयार कर सके। आयोजित कार्यशाला में मंत्री श्री सिंह ने प्रगतिशील किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यशाला के दौरान मंत्री श्री सिंह ने विभिन्न स्टॉलों और आधुनिक कृषि यंत्रों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने व अन्य अतिथियों ने पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री नरेश पाठक, श्री मुकेश मरैया, श्री मिनेन्द्र डागा, जिला पंचायत सदस्य डॉ. योगेश कौरव, श्रीमती ऋचा स्थापक, सुश्री अंजु शुक्ला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और किसान मौजूद थे।

जलगंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम भटरा में बावड़ी उत्सव का आयोजन सम्पन्न

जल संरक्षण का दिया गया संदेश

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम भटरा (सालीचौका) में बावड़ी उत्सव का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम चौपाल के से हुआ। चौपाल के दौरान जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर ग्रामीणों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। यह आयोजन मप्र जन अभियान परिषद नरसिंपुर के तत्वाधान में हुआ। इस अवसर पर बागेश्वरी साहित्य परिषद द्वारा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन एवं प्रकृति के महत्व पर अपनी रचनाओं का प्रभावशाली काव्य-पाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय ने काव्य प्रस्तुति के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश ग्रहण किया। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद श्री जयनारायण शर्मा ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे बावड़ी उत्सव के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यक्रम में माही समाज कल्याण समिति चीचली, हरदौल जन सेवा समिति बसूरिया तथा सूखाखेरी की नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति के प्रतिनिधि, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के परामर्शदाता व विद्यार्थियों ने भी अपनी सहभागिता दी।

नर्मदा तट पर 57 एकड़ भूमि पौधरोपण के लिए चिन्हांकित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश ने नर्मदा समृद्धि परियोजना के अंतर्गत जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत करेली कला एवं ग्राम पंचायत खोबी के ग्राम जोझा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नर्मदा तट पर क्रमशः लगभग 21 एकड़ एवं 36 एकड़ इस प्रकार कुल 57 एकड़ भूमि पौधरोपण के लिए चिन्हांकित की गई। सीईओ श्री नागेश ने संबंधित ग्राम पंचायत एवं उपयंत्री को निर्देशित किया कि चिन्हांकित एवं खाली कराई गई भूमि पर शीघ्र पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाए। भूमि संरक्षण के लिए मौके पर सीमेंट के पोल मंगवाकर निर्धारित दूरी पर तत्काल स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने इसके साथ ही वर्षा जल के प्रवाह से हो रहे मृदा अपरदन को रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जी राम जी के तहत बोल्डर, चेकडैम आदि संरचनाओं का निर्माण करने को कहा।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि पौधरोपण के माध्यम से न केवल मिट्टी के कटाव को रोका जा सकता है, बल्कि मां नर्मदा तट को हरियाली से समृद्ध बनाकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

जिले की समस्त कृषि मंडी बंद रहेगी 23 जून को

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मंडी शुल्क वृद्धि 1 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत करने के विरोध में सकल मध्य प्रदेश अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ समिति के आवाहन पर प्रदेश की समस्त मंडियां 23 जून को 1 दिन का व्यापार बंद रहेगा। जिला अनाज दलहन तिलहन एवं दाल उत्पादक व्यापारी संघ के उपाध्यक्ष सतीश नेमा, महामंत्री ताराचंद शाह ने बताया कि 11 जून 2026 सकल मध्य प्रदेश अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ समिति के अध्यक्ष गोपाल दास अग्रवाल ने मध्य मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से भेंट के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि आप अन्य प्रदेशो में लगने वाले मंडी शुल्क के आंकड़े सहित लावे जिससे निर्णय लेने में अच्छा होगा आपको दो-तीन दिन में बुलाकर चर्चा करके फिर निर्णय लेंगे इसी बीच कृषि विभाग एवं मंडी बोर्ड के अधिकारियों द्वारा आनन-फानन में गजट छपाई करा कर 16 जून से लागू कर दिया गया है। मंडी शुल्क वृद्धि का विरोध पूरे प्रदेश में होने लगा है इस बात को दृष्टिगत रखते हुए सकल मध्य प्रदेश अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ समिति सरकार से चर्चा करेगी समस्या का समाधान नहीं होने पर महासंघ ने निर्णय लिया है कि पूरे प्रदेश की मंडियां एवं जिले की समस्त मंडियां 23 जून को बंद रख विरोध प्रदर्शन किया जावेगा इसके बाद आगामी रणनीति तैयार की जावेगी।

नगर में शहीदाने करबला की याद में मनाया जा रहा मोहर्रम

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर में मोहर्रम की शुरुआत सेवाभाव और भाईचारे के संदेश के साथ हुई। करबला के शहीदों की कुर्बानी को याद करते हुए शहर में धार्मिक चल रहे है हसनी हुसैनी सोसायटी ने शक्तिचौक पर रक्तदान शिविर लगाया था। सोसायटी द्वारा चौक पर अब्बास अलमदार की शान में परचम कुसाई की गई। कल मोहर्रम की 7 तारीख को अलम मेहदी ताजिये का जुलूस नया बस स्टैंड शास्त्री वार्ड से निकाला जाएगा जो शहर के मुख्य मार्गो से निकलेगा जगह जगह लंगर शरबत तकसीम होगा। मोहर्रम की पहली तारीख से घरों घर कुरान ख्वानी की जा रही है।

जामा मस्जिद में बाद नमाज ईशा शहीदाने करबला का बयान किया जा रहा है हाफिज व कारी जुबेर आलम ने बताया कि करबला हमें सच के लिए डटे रहने और मजलूम का साथ देने का सबक देती है। नगर में गंगा-जमुना तहजीब की मिशाल के साथ मोहर्रम पर्व मनाया जा रहा है। मोहर्रम की 5 तारीख को इमामबाड़ों की टिपारियो ने बाबाओ की आमद के साथ शहर में गश्त किया। बड़ेवली

इमाम बाड़े सहित सभी इमामबाड़ों में सवारियां खड़ी हो गई है मोहर्रम की 7 तारीख को रात्रि में सवारियां रन करने

निकलेगी। शक्तीचौक पर हसनी हुसैनी सोसायटी द्वारा लगाए गए परचम पर रोजाना शाम को नियाज़ फातेहा व शरबत का वितरण के साथ मोहर्रम का मजमा लग रहा है। परचम कुसाई के बाद शमा ए महफिल में शहीदी कलाम पेश किए गए। बरिया वाले दरगाह शरीफ पर लंगर का आयोजन किया गया अकीदत मंदो ने लंगर में शामिल होकर सबाबे दारेन हाशिल किया। मोहर्रम पर रोजाना चादर संदल दरगाहों पर पेश किया जा रहा है। कई घरों में ताजिये बनाने का काम चल रहा है बड़ेवली पर दादापीर का ताजिया बनता है। मोहर्रम की 10 तारीख को संजय मार्केट के सामने सुबह से ताजियों का मजमा लगेगा सभी लोग ताजियों की जियारत करने वहां पहुचते है।

प्रशासन ने सभी लोगो से अपील की है कि मोहर्रम का पर्व सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाएं। पुलिस प्रशासन ने भी बेहतर इंतजाम किए है जुलूस में व जहां जहां मजमा लगता है वहा पर पुलिस के जवानों को तैनात किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद स्वच्छता पर ध्यान देते हुए समुचित साफ सफाई में लगी हुई है। एसडीएम मणिन्द्र सिंह, एसडीओपी ललित डागुर व नगर निरीक्षक अशोक चौहान ने भी मोहर्रम त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए मुख्य स्थानों का निरीक्षण कर वहा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जामा मस्जिद कमेटी अध्यक्ष अबरार खान, मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के अब्दुल फिरोज खान, मेहमूद पहलवान, त्योहार कमेटी अध्यक्ष मुजीब खान, हसनी हुसैनी सोसायटी अध्यक्ष लकी अली ने सभी ताजिये दारो व इमाम बाड़े वालो से कहा कि मोहर्रम का त्यौहार शहीदाने करबला की याद में अकीदत से मनाते हुए गंगा जमुना तहजीब के साथ मोहब्बत का पैगाम दे।

गायत्री योग परिवार ने मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। गायत्री योग परिवार नरसिंहपुर द्वारा गरिमामय अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।अतिथियों में गायत्री परिवार से राघवेन्द्र शर्मा साहित्यकार अशोक त्रिपाठी योगाचार्य एन सी जैन व डा महेश त्रिपाठी ने गायत्री माता का पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुभारंभ किया।योगाचार्य जे के पटेल ने अनुलोम विलोम भस्त्रिका कपाल भाती भ्रामरी प्राणायाम आसन व्यायाम सहित योग करवाया।योगाचार्य एन सी जैन ने अंर्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जानकारी देते हुए अवगत कराया कि हम लोग यहां गायत्री मंदिर में विगत

20बर्षो से नियमित योग कर रहे हैं।योग से गौरव गरिमा और राष्ट्र को सम्मान मिलता है।कविवर अशोक त्रिपाठी ने कहा कि योग से शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक चेतना बढ़ती है।शरीर ऊर्जावान स्वस्थ्य प्रसन्न निरोग और तनाव रहित रहता है।पं.गणेश कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि योग हमारी प्राचीन भारतीय परंपरा है जिसमें खुशी और आनंद है।डा महेश त्रिपाठी ने कहा कि आयुर्वेद में अष्टांग योग सहित योग का बहुत महत्व है।हमे नियमित योग करना चाहिए।प्रेमशंकर राघव रामशंकर वर्मा प्रमोद कुमार जैन ने भी योग पर अपने सारगर्भित विचार रखे।डा केदार गुप्ता ने अपने अनुभव बताये 15 साल पहले उन्हें हदय की धमनियों में नब्बे प्रतिशत ब्लाकेज था।पिछले पांच साल से घुटनों में दर्द है।पर वे नियमित योगाभ्यास करते हुए आज 84साल की उम्र में स्वस्थ्य प्रसन्न हैं।राघवेन्द्र शर्मा ने कहा की योग वो प्राकृतिक दवा है जो हमे चुस्त दुरुस्त तंदुरुस्त और सुंदर बनाती है।अंत में संचालक योगाचार्य रामशंकर वर्मा ने शांति पाठ करवाया। आभार प्रदर्शन शिव प्रसाद साहू ने किया।कार्यक्रम में राजेन्द्र पटेल बी एस पटेल जे के पटेल राजेश जाट रामकुमार जाट राव वीरेंद्र सिंह जाट शिव प्रसाद साहू शरद साहू भोपत साहू मनोहर कश्यप महेश प्रजापति गुरमुख माखीजा पंडित लीलाधर दुबे नीरज शर्मा नीरज नेमा मोती श्रीवास्तव गिरीश सक्सेना आर के पटवा सुधीर दुबे श्री कांत नामदेव प्रेमशंकर राघव सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

योगेंद्र और लल्लू को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सौंपी जिम्मेदारी

कटनी (स्वतंत्रमत)। असाटी समाज के उत्थान, प्रगति और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने अखिल भारतीय असाटी (वैश्य) समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय असाटी ने कटनी जिले से सामाजिक गतिविधियों के उत्थान और प्रगति को बढ़ावा देने योगेंद्र कुमार असाटी और राधेश्याम गुप्ता को संरक्षक एवं लल्लू लाल असाटी तथा रोशन लाल असाटी भरोला को मार्गदर्शक पद पर नियुक्त किया है। असाटी वैश्य समाज विकास समिति कटनी के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र असाटी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए सराहना की है।

जिले के नगरीय क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। स्वच्छता सर्वेक्षण-2026 के अंतर्गत जिले के नगरीय क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से विशेष स्वच्छता अभियान 21 जून तक संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिले के सभी नगरीय निकायों द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों एवं सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक स्तर पर साफ-सफाई कार्य किए जा रहे हैं।

उन्होंने सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नगरीय क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं की सतत निगरानी रखी जाए। अभियान के तहत नगरीय वार्डों, प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों, शासकीय परिसरों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों की विशेष सफाई कराई जा रही है। इसके साथ ही वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नालियों की सफाई की जा रही है। स्वच्छता अमले द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा सार्वजनिक स्थलों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुई कटनी की बेटी काजल

कटनी (स्वतंत्रमत)। जबलपुर के रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित दीक्षांत समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा लगभग 64 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए जिसमें कटनी पिपरौध के संजय जैन की बिटिया काजल जैन को बीएससी के फिजिक्स मैथ्स और केमिस्ट्री में विशेष उपलब्धि प्राप्त होने पर महामहिम द्वारा तीन गोल्ड मेडल गरिमामयी समारोह के दौरान प्रदान कर सम्मानित किया जो कटनी के लिए

गौरव की बात है कटनी के नागरिकों ने काजल की इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी है।

सेवा दिवस के रूप में मनाया गया राहुल गांधी का जन्मदिवस

एनएसयूआई द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन, महिला कांग्रेस ने वृद्ध आश्रम में बांटे फल, स्वल्पाहार

कटनी (स्वतंत्रमत)। देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर एनएसयूआई एवं महिला कांग्रेस में सेवा दिवस के रूप में मनाया। जहाँ एनएसयूआई ने जिला अस्पताल कटनी में रक्त दान शिविर का आयोजन कराया तो दूसरी ओर महिला कांग्रेस ने वृद्ध आश्रम में फल एवं स्वल्पाहार बांटा। जानकारी देते हुए जिला एनएसयूआई अध्यक्ष शुभम मिश्रा ने बताया की समूचे प्रदेश में

एनएसयूआई द्वारा देश के जननायक राहुल गांधी के जन्मदिन पर रक्त दान शिविर का आयोजन किया है, युवाओं में जमकर उत्साह देखने को मिल रहा है, जिस प्रकार राहुल गांधी देश में युवाओं की आवाज़ सड़क से सदन तक उठा रहें है, चाहे नीट पेपर लीक का मुद्दा हो या बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने की मोदी सरकार की झूंठी घोषणा हो हर मुद्दे पर राहुल गांधी युवाओं की आवाज़ प्रमुखता से उठा रहे है। कटनी में भी युवाओं ने बड़ी संख्या में रक्त दान कर राहुल गांधी का जन्मदिन केक काटकर मिठाई बांट कर मनाया है। महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव सौम्या राँधेलिया ने बताया की महिला कांग्रेस कटनी द्वारा बच्चन नायक वृद्ध आश्रम में बुजुर्ग जनों के बीच फल एवं स्वल्पाहार वितरित कर केक काटकर सभी ने राहुल गांधी के दीर्घायु होने की कामना की। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार देश में घरेलू सिलेंडर तेजी से महंगा हो रहा है रोज़मर्रा की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे है राहुल गांधी लगातार हर वर्ग की लड़ाई लड़ रहे है।

कार्यक्रम द्वय में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश युवा कांग्रेस सचिव दिव्यांशु मिश्रा अंशु, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल पांडेय, पूर्व पार्षद राहुल पटेरिया, एनएसयूआई प्रदेश सचिव अजय खटिक, मुंडवारा विधानसभा अध्यक्ष सचिन गर्ग, ब्लॉक अध्यक्ष यश यादव, दिग्विजय सिंह, रवींद्र कुदराहा, मीनाक्षी बलवी, रश्मि अग्रवाल, नीरा सोनी, मनीषा सोलंकी, शशांक कछवाहा, शिवेंद्र सिंह, यदुवेंद्र सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुए सामूहिक योग के कार्यक्रम

प्रभारी मंत्री, कलेक्टर व एसपी सहित अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया उत्साह पूर्वक योगाभ्यास

कटनी (स्वतंत्र मत)।

बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इस वर्ष की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग को बढ़ावा देते हुए रविवार को प्रात: 6 बजे से जिले भर में सामूहिक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्कूलों, महाविद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं विभिन्न संस्थानों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधवनगर में किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी, कलेक्टर आशीष तिवारी एवं पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा की उपस्थिति में विशेष योग सत्र आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम प्रमोद चतुर्वेदी, जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, पर्यावरणविद् एवं मानव जीवन विकास समिति के सचिव निर्भय सिंह, डीईओ राजेश अग्रहरी, जिला आयुष अधिकारी आशीष रेजा, जिला श्रम अधिकारी केबी मिश्रा, जिला संयोजक आदिम जति विमल चौरसिया, जिला पंजीयक पंकज कोरी, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास वनश्री कुर्वेती सहित बड़ी संख्या में नागरिकों, विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के सदस्यों, शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास किया।

योग को बनाये जीवन का हिस्सा: मंत्री

कार्यक्रम के दौरान राज्य मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग परंपरा को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। विश्व योग दिवस मना रहा है। योग

जिला मुख्यालय में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवनगर में हुआ जिला स्तरीय योग सत्र का आयोजन

हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा है और यह हमें मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। कलेक्टर आशीष तिवारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की वैश्विक पहचान का प्रतीक है। उन्होंने सभी से योग को दैनिक जीवन में अपनाने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे शरीर निरोगी एवं मन शांत रहता है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित जनों ने ध्यानपूर्वक देखा और सुना। योगाभ्यास के पश्चात कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा अतिथियों को गुलमोहर के पौधे भेंट किए गए।

योगाभ्यास की विस्तृत प्रक्रिया

सामूहिक योग कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना से की गई। इसके बाद योग प्रशिक्षकों द्वारा चालन क्रियाएं, विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया गया। योगासनों में ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्द्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, दंडासन, भद्रासन, वज्रासन, अर्द्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्थानमंडूकासन, वक्रासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंधासन, उत्थानपादासन, अर्द्धहलासन, पवनमुक्तासन एवं शवासन शामिल रहे। इसके पश्चात कपालभाति, अनुलोम-विलोम, शीतली एवं भ्रामरी प्राणायाम कराए गए और अंत में ध्यान, संकल्प एवं शांति पाठ किया गया।

एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण

जिला स्तरीय योग कार्यक्रम के बाद राज्य मंत्री लोधी, कलेक्टर और एसपी ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधवनगर के परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। जिले भर में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से योग के प्रति जागरूकता बढ़ी और लोगों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया

सुंदर भजनों की प्रस्तुति के साथ किया योग

विश्व योग दिवस की अवसर पर, जागृति पार्क 12 पीपल पर, योग दिवस के अवसर पर, सभी लोगों ने सुंदर भजनों की प्रस्तुति के साथ योग किया। इस अवसर पर डॉ. ऊमा निगम, निरंजन पंजवानी, आनंद सुहाने, प्रमोद जायसवाल, लकी गुप्ता, संजय सोनी, संजय खंडेलवाल, अतुल जैन, शिवहरी, लक्ष्मीकांत भारद्वाज पाठक, रमेश गुप्ता, कपूर सोनी, अनिल, नेमा, सत्येंद्र सिंह चौहान राजस्थान, पारीक, गोयल, इत्यादि सभी ने मिलकर योग किया।

स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए योग आवश्यक- डॉ. नंदिता पाठक

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल बिचुआ में गरिमामय योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड ऐमबेसडर, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नंदिता पाठक द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिकों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. नंदिता पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि योग स्वस्थ शरीर एवं स्वस्थ मस्तिष्क के लिए अत्यंत आवश्यक है। जब हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे, तभी राष्ट्र, समाज और अपने ग्राम के विकास में सार्थक योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि योग जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से योग करना चाहिए। कार्यक्रम में

जनपद पंचायत कटनी के उपाध्यक्ष जगदीश उरमलिया, जिला पंचायत सदस्य अखिल पांडेय, भाजपा मंडल अध्यक्ष नितिन पांडेय, उपसरपंच, लक्ष्मीकांत प्यासी, रमाशंकर तिवारी, ब्रह्मानंद दुबे, श्रद्धांजलि शुक्ला, प्रभुदत्त तिवारी, कृष्ण कुमार मौर्य बबलू, राकेश कुशवाहा, शंभू तिवारी, जयहिंद गुप्ता, लक्ष्मीदत्त तिवारी, अखिलेश जायसवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य ऐश्वर्य मिश्रा ने डॉ. नंदिता पाठक को पुस्तक भेंट कर उनका स्वागत किया तथा अन्य अतिथियों का भी सम्मान किया। अजय त्रिपाठी के निर्देशन में योगाभ्यास सम्पन्न हुआ, रमाशंकर तिवारी द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया अंत में प्राचार्य ऐश्वर्य मिश्रा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र छात्रा, समस्त शिक्षक परिवार की उपस्थिति रही।

विद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

जेपीवी डीएवी विद्यालय कटनी में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जोन के क्षेत्रीय निदेशक एवं विद्यालय के प्राचार्य एस के सिन्हा की अध्यक्षता में पूर्ण हुआ। उन्होंने सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए योग के महत्व को परिभाषित करते हुए योग से होने वाले अनेक लाभ बताते हुए कहा कि योग शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक सबलता तीनों का समन्वय है, योग से एकाग्रता आती है शरीर स्वस्थ रहता है, उन्होंने कहा कि सभी को प्रतिदिन 15 से 20 मिनट तक योग अवश्य करना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रखा गया था। योग शिक्षक ने कार्यक्रम की शुरुआत संपत से शुरू करके संधि योग स्पूर्ति योग करवाये तथा सभी छात्र-छात्राओं न ताड़ासन, वृक्षासन, अर्ध कटिचक्रासन, भद्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, मंडूकासन

शशकासन आदि योग सफलतापूर्वक पूर्ण किए। सभी छात्रों को प्राणायाम के अंतर्गत भस्तिका, कपालभारती, उज्जाई, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी एवं उदगीथ प्राणायाम सिखाए गए। विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी इस कार्यक्रम में पूर्ण भागीदारी दी। अंत में विद्यार्थियों ने सदैव प्रतिदिन योग करने का दृढ़ संकल्प लिया तथा कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मंच संचालन योग शिक्षक अमरदीप शर्मा ने किया। तत्पश्चात सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन किया गया।

वैश्य महा सम्मेलन ने योग शिविर आयोजित किया

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वैश्य महासम्मेलन द्वारा 21 जून दिन रविवार को 12 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस महिला इकाई के तत्वाधान में, जिला इकाई के मार्गदर्शन में व युवा इकाई के सहयोग से जिला प्रभारी मनीष त्रिसोलिया के रॉयल फिटनेस जिम में मनाया गया। शिविर में योग गुरु अर्चना सोनी द्वारा विभिन्न तरह की योग सिखाए गए जैसे भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी साथ में चक्की चलाना, नौका चलाना, सूर्य नमस्कार, शशांक आसन आदि क्रियाएं भी कराई गई। सर्वप्रथम कुलदेवी माता महालक्ष्मी की शैलचित्र पर वरिष्ठों एवं मातृशक्तियां द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर पूजा वंदन किया गया। योगा प्रभारी- अर्चना सोनी का सभी सदस्यों ने मिलकर मोती माला, उपहार से स्वागत किया गाया। कार्यक्रम में उद्बोधन प्रदेश महामंत्री सुरेश सोनी व बधाई जिला अध्यक्ष अरविंद जैन, संचालन

महिला जिला अध्यक्ष नीतू गुप्ता, व आभार जिला महामंत्री बृजेश गट्टानी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री सुरेश सोनी, प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर कनकने, वरिष्ठ पदाधिकारी रामदयाल गुप्ता, जिला प्रभारी मनीष त्रिसोलिया, जिलाध्यक्ष अरविंद जैन, संयुक्त मंत्री आशीष जैन, युवा प्रभारी, अग्रज लहरिया, हितेश बिलैया, जिलाध्यक्ष महिला नीतू गुप्ता, योगा प्रभारी- अर्चना सोनी, महिला महामंत्री आशु सुहाने, महामंत्री बृजेश गट्टानी, कमलकांत गुप्ता, अमित देशराज व अन्य सदस्य शामिल रहे।

वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने वाले हो जाएं सावधान

आपकी एक गलती बन सकती है किसी की जिंदगी की सबसे बड़ी दुर्घटना

कटनी (स्वतंत्र मत)।

सड़क पर वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करना, मैसेज पढ़ना, सोशल मीडिया चलाना अथवा वीडियो देखना न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि स्वयं, परिवार एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के जीवन को गंभीर खतरे में डालना भी है। कुछ सेकंड की असावधानी भी गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस कटनी द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं यातायात अनुशासन स्थापित करने हेतु लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप सिंह ठाकुर ने बताया कि वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग चालक की एकाग्रता को भंग कर देता है। चालक का ध्यान कुछ क्षण के लिए भी सड़क से हटने पर दुर्घटना की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करना दंडनीय अपराध है।

सीसीटीवी कैमरे रख रहे है हर गतिविधि पर नजर

शहर के प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर निरंतर निगरानी रखे हुए

हैं। वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करने वाले, सिग्नल जंप करने वाले, बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले, ट्रिपल सवारी करने वाले एवं अन्य नियम उल्लंघनकर्ताओं की गतिविधियां कैमरों में रिकॉर्ड हो रही हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी वाहन चालकों की पहचान कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इसलिए यह समझना गलत होगा कि यदि मौके पर पुलिसकर्मी दिखाई नहीं दे रहा है तो नियम उल्लंघन दर्ज नहीं होगा। कटनी यातायात पुलिस की तीसरी आंख हर समय सक्रिय है।

मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने वालों पर प्रभावी कार्रवाई

कटनी यातायात पुलिस द्वारा 01 जनवरी 2026 से 30 मई 2026 की अवधि में वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करते पाए गए 312 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई है तथा 1,56,000 (एक लाख छप्पन हजार रुपये) का समन शुल्क/जुर्माना अधिरोपित किया गया है। इसके अतिरिक्त यातायात पुलिस द्वारा निरंतर चेकिंग अभियान चलाकर हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, ट्रिपल सवारी, रॉन्ग साइड ड्राइविंग, नो पार्किंग एवं सिग्नल जंप जैसे नियम उल्लंघनों पर भी कार्रवाई की जा रही है तथा आमजन को यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया जा रहा है।

कटनी यातायात पुलिस की अपील

वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करें, आवश्यक कॉल आने पर सुरक्षित स्थान पर वाहन रोककर ही बात करें, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, निर्धारित गति सीमा का पालन करें, सिग्नल, लेन एवं पार्किंग नियमों का पालन करें,

जनहित संदेश

मोबाइल पर आया संदेश कुछ देर इंतजार कर सकता है, लेकिन सड़क पर आपकी एक गलती किसी परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन सकती है। ड्राइविंग के दौरान मोबाइल नहीं, सड़क पर ध्यान देंय क्योंकि घर पर कोई आपका इंतजार कर रहा है।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने उपभोक्ताओं के लिए जारी की वैकल्पिक शिकायत व्यवस्था

कटनी (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। कंपनी ने बताया कि यदि किसी तकनीकी कारणवश उपभोक्ताओं का कॉल टोल-फ्री नंबर 1912 पर कनेक्ट नहीं हो पा रहा है, तो उपभोक्ता परेशान न हों और वैकल्पिक माध्यमों से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कंपनी द्वारा जारी सूचना के अनुसार उपभोक्ता टोल-फ्री नंबर 18002331266, 07612452000, 07612452100, 07612452200, 07612452300, 07612452400 एवं 07612452500 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए 24×7 डिजिटल सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। उपभोक्ता व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 9425807257, ईमेल एक्स ट्विटर एवं फेसबुक के माध्यम से भी अपनी शिकायत और समस्या दर्ज कर सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

चार मौतों के बाद भी प्रशासन गहरी निद्रा में

लमतरा ओवर ब्रिज के पास ब्लैक स्पॉट में नहीं हुआ सुधार, न डिवाइडर लगे, न संकेतक बोर्ड

कटनी (स्वतंत्रमत)। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत लमतरा ओवरब्रिज के पास बीती 14 जून को हुए भीषण सड़क हादसे के बाद भी स्थानीय प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी गहरी निद्रा में है। हाइवा और यात्री बस की आमने-सामने की भिड़ंत में चार बेकसूर यात्रियों की जान चली गई थी और 30 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस रुह कंपा देने वाले हादसे को बीते कई दिन हो चुके हैं लेकिन जिला प्रशासन ने ब्लैक स्पॉट में सुधार की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है। घटनास्थल पर स्थिति आज भी जस की तस बनी हुई है। सड़क के बीचोंबीच मौजूद बड़े-बड़े गड्ढों की मरम्मत की सुध लेने वाला कोई नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि आधे मोड़ के साथ सडक् के किनारे करीब 20 फीट गहरा खाई है, जहां सुरक्षा के लिहाज से तत्काल मजबूत डिवाइडर या क्रैश बैरियर लगाया जाना अनिवार्य था लेकिन प्रशासन ने वहां सुरक्षा घेरा बनाना तो दूर वाहन चालकों को सचेत करने के लिए कोई रिफ्लेक्टर या सांकेतिक बोर्ड तक नहीं लगाया है। रात्रि के समय यहां से गुजरने वाले वाहनों के लिए स्थिति और भी ज्यादा जानलेवा हो जाती है।

ओवरब्रिज निर्माण में लापरवाही का खामियाजा

स्थानीय लोगों के मुताबिक ओवरब्रिज का निर्माण करते समय इसके नक्शे में भारी तकनीकी लापरवाही बरती गई। सडक् का नक्शा गलत काटे जाने के कारण यहां एक बेहद खतरनाक और अंधा मोड़ बन गया है, जहाँ सामने से आने वाला वाहन तब तक दिखाई नहीं देता, जब तक वह बिल्कुल करीब न आ जाए। इसके साथ ही सडक् की चौड़ाई भी बेहद कम है। यही कारण है कि यहां आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं आम बात हो चुकी हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन केवल किसी बड़ी तबाही का इंतजार करता है। 14 जून की घटना ने कई परिवारों को कभी न भूलने वाला जख्म दिया है। लेकिन अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। यदि समय रहते इस खूनी मोड़ की मरम्मत नहीं कराई गई, गड्ढे नहीं भरे गए और मोड़ के समीप सुरक्षा डिवाइडर नहीं लगाए गए, तो यहाँ दोबारा किसी बड़ी और दर्दनाक दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासनिक उदासीनता का यह आलम तब है, जब जनप्रतिनिधियों ने ब्लैक स्पॉट्स को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

मोहर्रम पर्व पर निगम प्रशासन अलर्ट

पेयजल-प्रकाश-सफाई सहित व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की ड्यूटी तय

कटनी (स्वतंत्रमत)। मोहर्रम पर्व को लेकर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। शहर में 26 जून तक आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों एवं मोहर्रम जुलूसों के दौरान नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। निगमायुक्त तपस्या परिहार ने विद्युत, पेयजल, साफ-सफाई, मार्ग सुधार, अतिक्रमण नियंत्रण एवं अग्निशमन जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए शैलेष गुप्ता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मोहर्रम पर्व के दौरान प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों, मस्जिदों के आसपास, कर्बला पहुंच मार्ग, मदन मोहन चौबे वार्ड स्थित प्राचीन कर्बला शरीफ, गाटर घाट तथा संपूर्ण जुलूस मार्गों पर विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। निगमायुक्त ने जुलूस मार्गों एवं प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था बनाए रखने, विद्युत तारों एवं केबलों की जांच कर आवश्यक सुधार करने तथा तकनीकी समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश प्रभारी कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा और उनकी टीम को दिए हैं। लोक निर्माण शाखा को जुलूस मार्गों पर स्थित गड्ढों की मरम्मत, समतलीकरण और क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सागर रेलवे पुल के पास

कब्रिस्तान जाने वाले कर्बला मार्ग की मरम्मत कर आवागमन सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। स्वच्छता व्यवस्था को लेकर भी निगम ने विशेष तैयारी की है। जुलूस मार्गों, धार्मिक स्थलों एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। नालियों की सफाई, कचरे का नियमित उठाव, अपशिष्ट प्रबंधन तथा कीटनाशक दवा के छिड़काव के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी एवं स्वास्थ्य अमले को दिए गए हैं। आवारा पशुओं एवं मवेशियों पर नियंत्रण के लिए भी विशेष दल सक्रिय रहेंगे ताकि जुलूस मार्गों पर किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए जुलूस मार्गों एवं प्रमुख स्थलों पर निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

आवश्यकता पड़ने पर टैंकरों के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों एवं जुलूस मार्गों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी रखते हुए मार्गों को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने के निर्देश अतिक्रमण प्रभारी मानेन्द्र सिंह को दिए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्निशमन दल को आवश्यक संसाधनों सहित सतर्क रहने तथा पुलिस कंट्रोल रूम के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश प्रभारी फायर नियंत्रण अधिकारी मृदुल श्रीवास्तव को दिए गए हैं।

मोहर्रम पर्व के मुख्य आयोजन 26 जून को गाटर घाट एवं मदन मोहन चौबे वार्ड स्थित कर्बला शरीफ में निगम की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए 16 अधिकारी-कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। सहायक यंत्री सुनील सिंह और अनिल जायसवाल के साथ चार उपयंत्री, दो स्वच्छता प्रभारी, राजस्व उपनिरीक्षक, समयपाल, वार्ड दरोगा सहित अन्य कर्मचारी तैनात रहेंगे।

भारत ने न्यूज़ीलैंड को 2-0 से हराकर जीता नेशंस कप का खिताब

ऑकलैंड (वार्ता)

भारतीय हॉकी टीम ने रविवार को एफआईएच महिला नेशंस कप 2025-26 के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। आज यहां नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गये खिताबी मुकाबले में दुनिया की नंबर 10 टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के लिए नवनीत कौर ने और सुनेलिता टोप्पो ने(15वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय टीम ने चार साल बाद यह खिताब जीता है। शुरुआत में संभलकर खेलने के बाद, अनुभवी स्ट्राइकर नवनीत कौर ने मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदलकर शुरुआती पाँच मिनटों में ही भारत को बढ़त दिला दी। बढ़त मिलने के बाद, भारतीय महिला हॉकी टीम ने खुलकर खेला। उन्होंने पहले क्वार्टर में चार और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और उनमें से आखिरी वाले पर फिर से गोल किया। सुनेलिता टोप्पो ने ड्रैग-फ्लिक को डिफ्लेक्ट करके भारत को दो गोल की बढ़त दिला दी। भारत ने पहले क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाए रखा; उन्होंने आठ बार विपक्षी सर्कल में घुसपैठ की और कुल पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। दूसरे क्वार्टर में विपक्षी टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन इस दौरान भी सलीमा टेटे और उनकी टीम का ही दबदबा रहा। भारत हाफ़-टाइम ब्रेक तक 2-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में न्यूजीलैंड ने तेजी दिखाई और मैच में वापसी करने की कोशिश में ज़्यादा आक्रामक खेल दिखाया। भारतीय डिफ़ेंस मज़बूती से डटा रहा, जिससे गोलकीपर बिचू देवी खारीबाम को ज़्यादा परेशानी नहीं हुई। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ब्लैक स्टिक्स (न्यूज़ीलैंड टीम) को मैच का अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। आखिरकार मैच भारत के पक्ष में 2-0 से समाप्त हुआ। इस जीत के साथ भारत ने एफआईएच प्रो लीग 2026-27 के लिए अर्हता हासिल कर ली है। यह लीग लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए हॉकी क्वालीफ़ायर के तौर पर भी काम करेगी। भारत एफआईएच नेशंस कप 2026 में बिना कोई मैच हारे आगे बढ़ा। पहले उसने अमेरिका, जापान और उरुग्वे के खिलाफ एक-गोल के करीबी अंतर से जीत हासिल करके अपने ग्रुप में टॉप किया, और फिर सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।

पिता का सहारा नहीं... हौसलों से गढ़ा मेडल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अक्सर कहा जाता है कि आसमान छूने के लिए अपनों का साथ जरूरी होता है, लेकिन शहर की एक होनहार बेटी ने साबित कर दिया है कि अगर सीने में दृढ़ संकल्प की आग हो, तो अभावों की दीवारें भी झुक जाती हैं। बाल्यावस्था में ही पिता का साथ छूट जाने के बाद जिन उम्मीदों पर दुनिया ने सवाल उठाए थे, आज उसी बेटी ने हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय 'एथलीट बॉडीबिल्डिंग' प्रतियोगिता में ब्रांज मेडल जीतकर पूरी दुनिया को जवाब दे दिया है। यह कहानी केवल एक जीत की नहीं, बल्कि उस लंबी जद्दोजहद की है जो प्रतिष्पर्धा के मैदान से बहुत पहले घर की चारदीवारी में शुरू हुई थी। बात गुप्तेश्वर निवासी ट्विंकल चौरसिया की है जिसके पिता ने बचपन में ही बेसहारा छोड़कर अपनी अलग दुनिया बसा ली थी, उसके बाद ट्विंकल और उसकी मां सुनीता चौरसिया पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा था। आर्थिक तंगी और समाज की संकुचित सोच ने कदम-कदम पर रोकने की कोशिश की। बॉडीबिल्डिंग जैसा खेल, जिसे अक्सर पुरुषों का क्षेत्र माना जाता है, उसे चुनने पर भी कई सवाल उठे। लेकिन इस बेटी ने अपनी खामोशी से ज्यादा अपने पसीने पर भरोसा किया। जीत के बाद मेडल को गले से लगाकर नम आँखों से उन्होंने कहा- यह मेडल सिर्फ लोहे का टुकड़ा नहीं है, यह मेरी मां का वह सपना है जिसे पूरा करने के लिये उन्होंने कदम-कदम पर उत्साहवर्धन किया। जब लोग कहते थे कि तुम यह नहीं कर सकती, तो मैं जिम जाकर दुगनी मेहनत करती थी। आज मेरी मेहनत और कामयाबी में मेरी मां का आशीर्वाद शामिल है।

टीवी शो में छाई ट्विंकल

राष्ट्रीय 'एथलीट बॉडीबिल्डिंग' प्रतियोगिता में ब्रांज मेडल जीतने के बाद 25 वर्षीया ट्विंकल चौरसिया को टीवी शो में काम करने के ऑफर मिलने लगे। लिहाजा उन्होंने भोजपुरी कलाकार खेसारीलाल यादव के शो बेटलग्राउंड सीजन-2 सहित रोडीज, सोशायटी सीजन-2 आदि में खूब नाम कमाया। आज इंस्टाग्राम में ट्विंकल के 1 लाख 40 हजार, यूट्यूब में 1 लाख तथा फेसबुक में 20 हजार फॉलोअर हैं।

समाज के लिए संदेश

ट्विंकल की इस असाधारण उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार का गौरव बढ़ाया है, बल्कि शहर का नाम भी रोशन किया है। उनकी सफलता सीख देती है कि किसी भी क्षेत्र में शिखर तक पहुंचने का मार्ग संसाधनों से नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति से तय होता है। ट्विंकल की यह जीत उन सभी बेटियों के लिए एक मशाल है, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के बोझ तले अपने सपनों को दबा देती हैं।

भारतीय मुक्केबाजों ने आठ गोल्ड सहित 12 मेडल जीते

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारत ने चेक गणराज्य में 56वें ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम (यूरोपियन बॉक्सिंग गोल्ड टूर्नामेंट) में शानदार प्रदर्शन किया। इस सीजन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक में, भारत ने कुल 12 मेडल जीते, जिनमें आठ गोल्ड, तीन सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ भारतीय टीम का अभियान बेहद सफल रहा। महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच मुक्केबाजों के साथ चार गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता। ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), मौजूदा एशियाई चैंपियन प्रीति पवार (54 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और प्रिया (60 किग्रा) ने अपने-अपने

फाइनल में सर्वसम्मति से जीत हासिल करते हुए शानदार अंदाज में गोल्ड मेडल जीता। परवीन (65 किग्रा) ने सिल्वर मेडल जीतकर महिला टीम के शानदार प्रदर्शन को पूरा किया। पुरुष टीम ने भी चार गोल्ड मेडल जीतकर महिलाओं की सफलता की बराबरी की। जदुमानी सिंह मंडेन्गबाम (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा) अपने-अपने कैटेगरी में चैंपियन बने। टीम को बधाई देते हुए बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 56वें ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम में शानदार प्रदर्शन के लिए हमारे सभी मेडल विजेताओं को बधाई। मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच आठ गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल जीतना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है और यह हमारे मुक्केबाजों के समर्पण, अनुशासन और लड़ने के जज्बे को दर्शाता है।

भारत के मेडल विजेता

गोल्ड: साक्षी (51 किग्रा-महिला), प्रीति पंवार (54 किग्रा-महिला), प्रिया (60 किग्रा-महिला), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा-महिला), जदुमनी सिंह मंडेन्गबाम (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), नरेंद्र (90 किग्रा)

सिल्वर: परवीन (65 किग्रा-महिला), आदित्य प्रताप यादव (65 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा)

ब्रॉन्ज़: सुमित कुंडू (70 किग्रा)

सूर्यवंशी के जवाबी हमले से कांपा श्रीलंका ए, भारत ने जीता खिताब

दांबुला। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (94) के जवाबी हमले से थर्रा उठा श्रीलंका ए और भारत ए ने रविवार को 66 रन की जीत के साथ त्रिकोणीय ए सीरीज का खिताब जीत लिया। प्लेयर ऑफ द मैच सूर्यवंशी, कप्तान तिलक वर्मा (67), ऋतुराज गायकवाड़ (40) और अनुकूल रायँ (39) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ए ने नौ विकेट पर 377 रनों का विशाल स्कोर बनाया और श्रीलंका ए को 47.1 ओवर में 311 रन पर ढेर कर दिया। भारत ने शानदार अंदाज़ में ट्राई-सीरीज़ खत्म की। टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बाद, उन्होंने आखिरी दो मैचों (जिसमें अफ़गानिस्तान ए के खिलाफ़ ज़रूरी लीग मैच भी शामिल था) में अपना बेहतरीन खेल दिखाया और श्रीलंका ए के खिलाफ़ फ़ाइनल में 66 रनों की आसान जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया।

आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर जर्मनी विश्वकप के नॉकआउट में पहुंचा

टोरंटो (वार्ता)

स्थानापन्न डेनिज उंदाव के दो गोलों की बदौलत जर्मनी ने शनिवार रात खेले गये मुकाबले में आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर फीफा विश्वकप 2026 के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। टोरंटो स्टेडियम में खेले गये इस मैच के 30वें मिनट में आइवरी कोस्ट के कप्तान फ्रैंक केसी ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई ।जर्मनी के लिए डेनिस उंदाव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे और उसकी जीत सुनिश्चित की।

स्वीडन को 5-1 से हराकर नीदरलैंड्स ग्रुप एफ में शीर्ष पर- ह्यूस्टन (वार्ता)। ब्रायन ब्रॉबी और कोडी गैकपो के दो-दो गोल की बदौलत नीदरलैंड्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वीडन को 5-1 से हराकर फीफा विश्व कप में ग्रुप एफ में शीर्ष में जगह बना ली है। डच टीम ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बना ली थी; ब्रॉबी ने पांचवें और 17वें मिनट में गोल करके स्वीडन को बैकफुट पर धकेल दिया। नीदरलैंड्स ने दूसरे हाफ में भी अपना दबदबा बनाए रखा और गैकपो ने 47वें और 54वें मिनट में गोल करके बढ़त को 4-0 कर दिया, जिससे मैच का नतीजा लगभग तय हो गया।

चावल, गेहूं में साप्ताहिक तेजी, चीनी नरम

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ गेहूं में भी तेजी रही। चीनी में मंदी का रुख देखा गया, जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 50 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,868 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 37 रुपये महंगा हुआ और 2,788 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। आटे का भाव 16 रुपये चढ़कर 3,264 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। सप्ताह के दौरान उड़द दाल की औसत कीमत 19 रुपये और तुअर दाल की 18 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मसूर दाल भी नौ रुपये महंगी हुई। वहीं, चना दाल आठ रुपये गिर गयी। मूंग दाल के भाव में टिकाव देखा गया। खाद्य तेलों में भी साप्ताहिक उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मूंगफली तेल 182 रुपये और पाम ऑयल 43 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। वहीं, वनस्पति 143 रुपये और सूरजमुखी तेल 109 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल में 81 रुपये और सोया तेल में 59 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त रही। मीठे के बाजार में बीते सप्ताह गुड़ का औसत भाव दो रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। दूसरी तरफ, चीनी पांच रुपये सस्ती हुई।दाल चना 7733.85 रुपये, मसूर काली 8117.74 रुपये, मूंग दाल 10163.12 रुपये, उड़द दाल 10912.24 रुपये, तुअर दाल 11247.06 रुपये प्रति क्विंटल रही।

एफपीआई ने जून में बेची 60,471 करोड़ रुपये की इक्विटी

मुंबई (वार्ता)

विदेशी पोर्टफोलिया निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अबतक भारतीय पूंजी बाजार से 31,105 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है जिसमें अकेले इक्विटी में उनका निवेश 60.47 हजार करोड़ रुपये कम हुआ है। केंद्रीय डिपॉजटरी सेवा के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून के पहले तीन सप्ताह में इक्विटी में 60,471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाये गये पैसे और निकाले गये पैसे का अंतर है। इक्विटी के अलावा म्यूचुअल फंड में भी एफपीआई निवेश 128 करोड़ रुपये कम हुआ है। हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई ने 1,419 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। विदेशी निवेशकों के लिए कर और प्रक्रिया संबंधी नियमों में बदलाव के बाद डेट में एफपीआई निवेश में अच्छी तेजी आयी है। इसमें उन्होंने शुद्ध रूप से 30,913 करोड़ रुपये की लिवाली की है। खास बात यह है कि इसमें लगभग 11,953 करोड़ रुपये का निवेश बीते सप्ताह ही हुआ है। यह लगातार चौथा महीना है जब भारतीय बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बिकवाली की है। इससे पहले मई में उन्होंने 29.919 करोड़ रुपये, अप्रैल में 70,786 करोड़ रुपये और मार्च में 1,26,991 करोड़ रुपये की निकासी की थी। इस साल जनवरी से अबतक एफपीआई बाजार में 2,50,025 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं। इसमें इक्विटी और म्यूचुअल फंड से उन्होंने शुद्ध निकासी की है जबकि डेट में उन्होंने पैसा लगाया है। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अकेले इक्विटी से एफपीआई 2,85,403 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं।

एलएंडटी की सब्सिडयरी ने बनायी नयी कंपनी

मुंबई, (वार्ता)

अभियांत्रिकी एवं निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलएंडटी की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी व्योम.एआई लिमिटेड ने एक एलटीएन कंप्यूट प्राइवेट लिमिटेड (एलटीएनसीपीएल) नाम से एक नयी कंपनी बनायी है। एलएंडटी ने रविवार को शेयर बाजारों को बताया कि एलटीएनसीपीएल की स्थापना 20 जून 2026 को हुई है। यह एआई कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाएं प्रदान करेगी। नयी कंपनी की प्राधिकृत पूंजी एक लाख रुपये है जिसमें 100 रुपये के एक हजार इक्विटी शेयर हैं। अभी इसका पूर्ण स्वामित्व व्योम.एआई के पास है।

वैश्विक कारकों, मानसून की प्रगति से तय होगी बाजार की दिशा

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले हफ्ता में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों के साथ घरेलू स्तर पर मानसून की प्रगति और आठ महत्वपूर्ण उद्योगों के आंकड़ों पर रहेगी। ईरान और अमेरिका के बीच हुए शांति समझौते को लागू करने में कितनी प्रगति होती है, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य को व्यापार के लिए खोलने की दिशा में, इसका असर सीधे शेयर बाजारों पर पड़ेगा। दूसरी तरफ, मानसून पिछले करीब एक सप्ताह से अटका हुआ है। इससे निवेशकों में चिंता हो सकती है। साथ ही, देश के आठ महत्वपूर्ण उद्योग क्षेत्रों के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी होने हैं। इन सभी कारकों का असर निवेश धारणा पर दिखेगा। बीते सप्ताह पहले चार दिन बाजार में तेजी रही जबकि आखिरी दिन बिकवाली का जोर रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताह के दौरान 1,274.95 अंक (1.69 प्रतिशत) चढ़कर शुक्रवार को 76,802.90 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 390.20 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में सप्ताहांत पर 24,013.10 अंक पर बंद हुआ। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों का विश्वास अधिक रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 2.72 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 3.23 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी दर्ज की गयी। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे। टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट के शेयर में 16.32 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। इटरनल में 8.37 फीसदी, इंडिगो में 6.69, टाइटन में 5.64 और बीईएल में 5.07 फीसदी की साप्ताहिक तेजी रही। भारती एयरटेल का शेयर 4.72 प्रतिशत बजाज फाइनेंस का 4.64, बजाज फिनसर्व का 4.56, एलएंडटी का 3.94, एनटीपीसी का 3.33, आईटीसी का 2.89, पावरग्रिड का 2.67 और अल्ट्राटेक सीमेंट का शेयर 2.37 प्रतिशत चढ़ा। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 1.86 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक का 1.78, सन फार्मा का 1.65, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 1.31, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.28, अडानी पोर्ट्स का 1.20, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.03 और एचडीएफसी बैंक का 0.98 प्रतिशत की बढ़त में रहा। टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी ऊपर बंद हुए। इंफोसिस का शेयर सप्ताह के दौरान 5.79 फीसदी टूट गया। टीसीएस में 1.62 प्रतिशत, टेक महिंद्रा में 1.30 और कोटक महिंद्रा बैंक में 1.10 प्रतिशत की गिरावट रही। एशियन पेंट्स का शेयर भी लाल निशान में रहा।

योग केवल व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का आधार है : राज्यमंत्री पटेल

प्रधानमंत्री के प्रयासों से विश्व पटल पर योग को मिली नई पहचान : विधायक जयंत मलैया

दमोह के हॉकी स्टेडियम पर आयोजित हुआ सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

दमोह (स्वतंत्र मत)। योग भारत की प्राचीन ऋषि-मुनियों की परंपरा का अमूल्य उपहार है। योग केवल व्यायाम नहींए बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का आधार है जो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। वर्ष 2015 में 21 जून को पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग दिवस मनाया गया जिसमें विश्व के 179 देशों ने सहभागिता की। इस वैश्विक पहल का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। जिसके बाद से योग दिवस निरंतर पूरे विश्व में उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस आशय के विचार पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हॉकी स्टेडियम में आयोजित गरिमापूर्ण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

राज्यमंत्री ने कहा मप्र के लिए गर्व की बात है कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने जबलपुर में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में सहभागिता की जिससे प्रदेश का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की गई कि वे योग और प्रातः भ्रमण को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

नियमित योग से शरीर स्वस्थ रहता है तथा मानसिक तनाव भी कम होता है। इस दौरान वरिष्ठ विधायक जयंत मलैया का उदाहरण देते हुए कहा कि वे वर्षों से नियमित रूप से सुबह भ्रमण और योग करते आ रहे हैं। अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद उनका अनुशासित जीवन और फिटनेस सभी के लिए प्रेरणादायक है।

अनादिकाल से योग की परंपरा रही

विधायक जयंत मलैया ने कहा भारत में अनादिकाल से योग की परंपरा रही है। अलग-अलग समय और परिस्थितियों में योग का अभ्यास मानव जीवन को स्वस्थ एवं संतुलित बनाने का माध्यम रहा है। उन्होंने कहा वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने योग को वैश्विक पहचान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 177 सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त हुआ जो भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति विश्व की आस्था को दर्शाता है। उन्होंने कहा संयुक्त राष्ट्र ने 11 दिसंबर 2014 को आधिकारिक रूप से प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसके बाद 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे विश्व में उत्साह और सहभागिता के साथ मनाया गया।

योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार

विधायक मलैया ने कहा प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र संघ में योग के विषय में सभी को संबोधित करते हुए कहा था कि योग भारत की प्राचीन परंपरा का एक अमूल्य उपहार है। यह मस्तिष्क और शरीर की एकता का प्रतीक है। मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है। विचार, संयम और प्रति प्रदान करने वाला तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को प्रदान करने वाला है। यह केवल व्यायाम नहीं है। यह हमारे भीतर की एकता की भावनाओं को दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय के बारे में है। हमारी बदलती जीवनशैली में यह चेतना बनकर आती है, हमें जलवायु परिवर्तन में निपटने में यह मदद करता है।

भारत को विश्व का योग गुरु कहा जाता है

कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा आज के समय में योग केवल एक व्यायाम नहीं बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की एक प्रभावशाली जीवनशैली बन चुका है। भारत ने सदियों पहले योग के माध्यम से पूरे विश्व को स्वस्थ रहने की दिशा दिखाई और इसी कारण भारत को विश्व का योग गुरु कहा जाता है। कलेक्टर ने कहा योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। योग हमारे शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने का सबसे सरल, प्रभावी और प्राकृतिक माध्यम है। नियमित योग अभ्यास से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। उन्होंने कहा स्वस्थ नागरिक ही एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र की नींव होते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन योग करने की आदत विकसित करनी चाहिए ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और आने वाली पीढ़ियां भी स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएं।

विद्यार्थियों, अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया योगाभ्यास

इस अवसर पर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के संचालक किशनलाल हुरा ने राज्यमंत्री पटेल, विधायक मलैया, कलेक्टर यादव एवं पुलिस अधीक्षक कलादगी सहित अन्य उपस्थितजनों को नारियल पानी पिलाया। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के योग गुरु प्रशांत असाटी के मार्गदर्शन में सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों-कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 15 हजार से अधिक श्रमिकों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

मंत्री पटेल के आह्वान पर श्रमिकों ने स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का लिया संकल्प

भोपाल (स्वतंत्र मत)। श्रम और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रदेश के श्रमिकों के कल्याण और उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए उन्हें योग से जुड़ने का विशेष आह्वान किया था। मंत्री श्री पटेल के इस प्रेरक आह्वान का असर पूरे प्रदेश में देखने को मिला! अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य के औद्योगिक और विभिन्न कार्यक्षेत्रों में श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर योगाभ्यास किया। प्रदेश के कुल 337 संस्थानों में 15 हजार से अधिक श्रमिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। सचिव श्रम रघुराज राजेंद्रन ने कहा कि योग किसी एक दिवस तक सीमित न होकर, श्रमिकों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि श्रमिक प्रतिदिन योग से जुड़ें, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ रह सकें। एक स्वस्थ और ऊर्जावान श्रमिक ही आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण और प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

श्रम विभाग और मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल के प्रयासों से आयोजित इस प्रदेश स्तरीय योग कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। श्रम मंत्री श्री पटेल ने स्वयं जबलपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्रमिकों के साथ योग किया। इसी क्रम में, श्रम आयुक्त श्री संदीप जी आर ने इंदौर के एमराल्ड हाइट्स स्कूल में आयोजित मंडल के विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। प्रदेश के अलग-अलग अंचलों से प्राप्त तस्वीरों और जानकारियों के अनुसार, सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होकर श्रमिकों का उत्साहवर्धन किया।

हिंदी ग्रंथ अकादमी का 56वां स्थापना दिवस समारोह आज

उच्च शिक्षा मंत्री परमार होंगे मुख्य अतिथि, शिक्षाविदों का किया जाएगा सम्मान

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी का 56वां स्थापना दिवस समारोह 22 जून को सायं 4 बजे मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के अध्यक्ष इन्दर सिंह परमार होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल करेंगे। समारोह में अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा अनुपम राजन विशिष्ट अतिथि तथा आयुक्त उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर अकादमी द्वारा प्रकाशित प्रगति पथ ब्रोशर तथा द्विमासिक पत्रिका रचना का विमोचन किया जाएगा। यह प्रकाशन अकादमी की शैक्षणिक, साहित्यिक एवं ज्ञान-विस्तार संबंधी गतिविधियों का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में योगदान देने वाले शिक्षाविद होंगे सम्मानित अकादमी के सहायक संचालक राम विश्वास कुशवाहा ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर एवं संदर्भ ग्रंथों की पांडुलिपियों के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षाविदों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने वाले शिक्षाविदों में अध्यक्ष, प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति डॉ. रविन्द्र कान्हेरे, चेयरमैन, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग डॉ. खेमसिंह डहेरिया, पूर्व आचार्य, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन डॉ. राकेश ढण्ड, तथा प्राचार्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, शामिल हैं। उन्हें शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त संचालक, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी डॉ. उत्तम सिंह चौहान, द्वारा किया जाएगा। समारोह में विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, कुलसचिव, प्राचार्य, प्राध्यापक, शिक्षाविद, साहित्यकार, अकादमी के लेखक एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की भी उपस्थिति रहेगी।

हटा में उत्साहपूर्वक आयोजित हुए योग कार्यक्रम

हटा (स्वतंत्र मत)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर में विभिन्न संस्थाओं द्वारा योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम स्वस्थ आयु के लिए योग के अनुरूप आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, एनसीसी कैडेट्स, जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर योगाभ्यास किया। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय हटा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स एवं एएनओ द्वारा योग दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसकी उपस्थितजनों ने सराहना की। कार्यक्रम में डॉ. सीएल नेमा ने मंच से योगाभ्यास कराया तथा करें योग, रहें निरोग का संदेश दिया। शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री के उद्बोधन एवं सामूहिक योगाभ्यास का सीधा प्रसारण भी देखा गया। उपस्थित लोगों ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास करते हुए योग को नियमित रूप से जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विधायक श्रीमती उमादेवी खटीक, जनपद अध्यक्ष गंगाराम पटेल, मंडल अध्यक्ष सौरभ नेमा, बीईओ विदोलिया उपस्थित थे।

वीरांगना रानी दुर्गावती जी के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों का संस्कृति मंत्री लोधी ने किया निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने जबेरा विधानसभा अंतर्गत स्थित खेल स्टेडियम सिंग्रामपुर में आगामी 24 जून को महान वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के पश्चात राज्यमंत्री लोधी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया तथा सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए। उन्होंने कहा रानी दुर्गावती जी का बलिदान साहस, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है, इसलिए कार्यक्रम का आयोजन उनकी गौरवशाली विरासत के अनुरूप भव्यता एवं श्रद्धा के साथ किया जाए। उन्होने कहा 24 जून को आयोजित होने वाले बलिदान दिवस कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ महान वीरांगना रानी दुर्गावती के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे तथा उनके अद्वितीय शौर्य एवं बलिदान का स्मरण किया जाएगा। इस अवसर पर जिपं सीईओ प्रवीण फुलपगारे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया, जनपद सीईओ, रुपेश सेन, सत्येंद्र ठाकुर विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

पुलिस नगर निरीक्षक एवं उनकी धर्मपत्नी ने पेश की मानवता की मिसाल

जरूरतमंद बेटियों के विवाह में जनसहयोग से उपहार भेंट कर दिया सहयोग

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा थाना में पदस्थ पुलिस नगर निरीक्षक सुधीर कुमार बेगी एक बार फिर अपनी संवेदनशील कार्यशैली और समाजसेवा के कार्यों को लेकर चर्चा में हैं। श्री बेगी एवं उनकी धर्मपत्नी सरिता बेगी ने स्थानीय समाज-सेवियों के सहयोग से तीन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग कर मानवता की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की है। जानकारी के अनुसार पथरिया निवासी रामकली बंसल, जिनके पिता का निधन हो चुका है, अपनी शादी की तैयारियों को लेकर आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रही थीं। वहीं ग्राम आंजनी निवासी नेहा अहिरवार पिता खिलान अहिरवार तथा बरी कनोरा निवासी प्रभा अहिरवार पिता सुखलाल अहिरवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर होने के कारण विवाह की तैयारियों में कठिनाई आ रही थी। सहायता की उम्मीद लेकर तीनों बेटियां नगर निरीक्षक श्री बेगी के पास पहुंचीं।बेटियों की परिस्थितियों को देखते हुए श्री बेगी एवं उनकी धर्मपत्नी ने उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। इसके बाद स्थानीय समाजसेवी शीतल सरदार, लखन राजपूत, केशव पौराणिक, सतीश तिवारी, राजेश यादव, आशीष पुरानी, बबलू राय, आजाद खान, अनिल राय, अजय चौरसिया सहित अन्य सहयोगियों से संपर्क कर जनसहयोग के माध्यम से राशि एकत्रित की गई। सभी समाजसेवियों के सहयोग से तीनों बेटियों को विवाह उपहार स्वरूप आवश्यक गृहस्थी सामग्री प्रदान की गई। इनमें पलंग, सोफा, सेट, अलमारी, ड्रेसिंग टेबल, सीलिंग फैन, स्टील के बर्तन, बेडशीट, कंबल, कूलर, टेबल, लहंगा सेट, ज्वेलरी, साड़ी सहित अन्य उपयोगी सामग्री शामिल है। सहायता से बेटियों एवं उनके परिजनों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी।पुलिस की पहल पर मिली उक्त सामग्री को पाकर तीनों परिवारों की बेटियों एवं उनके परिजनों के माथे पर दिखाई दे रही चिंता की लकीरें दूर हो गईं और उनके चेहरे मुस्कान से खिल उठे। तीनों बेटियों ने भावुक होकर बताया कि उन्होंने जितनी सहायता की उम्मीद की थी, उससे कहीं अधिक उपहार और सहयोग उन्हें प्राप्त हुआ है। उन्होंने नगर निरीक्षक सुधीर कुमार बेगी, उनकी धर्मपत्नी सरिता बेगी तथा सभी समाजसेवियों के प्रति आभार व्यक्त किया स्थानीय नागरिकों एवं समाजसेवियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस की यह मानवीय संवेदनशीलता समाज के लिए प्रेरणादायक है।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

विगत 10 दिनों में 2 करोड़ 90 लाख रूपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में गांजा, एमडी ड्रग्स, स्मैक (हेरोइन), ब्राउन शुगर, डोडाचूरा तथा प्रतिबंधित कफ सिरप के अवैध उत्पादन, परिवहन, भंडारण एवं विक्रय में संलिप्त तस्करों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की तकनीकी, खुफिया एवं मैदानी स्तर पर समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त हुई हैं। इसी क्रम में विगत 10 दिनों में पुलिस ने विभिन्न जिलों में कार्रवाही में लगभग 2 करोड़ 90 लाख रुपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है।

भोपाल- क्राइम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 170 किलो 90 ग्राम गांजा, 396 एल्यूमिनियम सिल्लियां तथा तस्करी में प्रयुक्त एक आइशर ट्रक सहित लगभग 1 करोड़ 33 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मंदसौर- पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए विभिन्न प्रकरणों में 607 किलोग्राम डोडाचूरा, 600 ग्राम एमडी ड्रग्स तथा तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित लगभग 66 लाख 30 हजार रुपए की संपत्ति जब्त कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सतना- पुलिस ने गोदाम में छापामार कार्रवाई कर 260 किलोग्राम गांजा एवं 7200 सीसी ऑनरेक्स कफ सिरप सहित लगभग 28 लाख रुपये है।

पहली ही बारिश में खुली नगर पालिका की पोल

खाचना नाका में दुकानों, मकानों में घुसा पानी, हजारों का नुकसान

हटा (स्वतंत्र मत)।

नगर में हुई पहली तेज बारिश ने ही नगर पालिका के सफाई अभियान की हकीकत सामने ला दी। खाचना नाका क्षेत्र में नालियों की समुचित सफाई न होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर भर गया और देखते ही देखते कई दुकानों व मकानों में घुस गया। जलभराव से दुकानदारों को हजारों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। स्थानीय लोगों के अनुसार दमोह-पन्ना मुख्य मार्ग पर स्थित मेन नाली की समय रहते सफाई नहीं कराई गई जिसके कारण बारिश का पानी नालियों में जाने के बजाय सीधे दुकानों और घरों में भरने लगा। अचानक हुई तेज बारिश से लोग संभल भी नहीं पाए थे कि पानी तेजी से अंदर घुसने लगा। दुकानदार अपनी दुकान बचाने के लिए बाल्टियों और मशीनों से पानी बाहर निकालते रहे लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

प्रभावित दुकानदारों में सतीश साहू इलेक्ट्रॉनिक दुकान, अमित साहू किराना दुकान, शुभम सोनी मोबाइल दुकान, राजेश साहू इलेक्ट्रॉनिक दुकान और लट्टू पटेल शामिल हैं। दुकानदारों का कहना है कि यह नुकसान पूरी तरह नगर पालिका की लापरवाही का परिणाम है। यदि समय पर नालियों की सफाई कर दी जाती तो ऐसी स्थिति नहीं बनती।

केवल खाचना नाका ही नहीं बल्कि अंबेडकर भवन जाने वाले मार्ग, मंदिर-मस्जिद चौराहा से राय चौराहा मार्ग तथा रमा कवि वार्ड में एमएलबी स्कूल के समीप भी जलभराव की गंभीर स्थिति देखने को मिली। गंदी नालियों का पानी सड़कों पर बहने से क्षेत्र में दुर्गंध फैल गई और लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई जगह सड़कों पर अतिक्रमण कर घरों और दुकानों के बाहर पट्टियां बना ली गई हैं। इससे नालियों में कचरा फंस जाता है और पानी की निकासी रुक जाती है जिससे जलभराव की समस्या बढ़ रही है। इस संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेंद्र खरे ने बताया कि नगर में नालियों की सफाई का कार्य लगातार जारी है। जिन स्थानों पर सफाई शेष है, वहां भी जल्द काम पूरा कर लिया जाएगा।

▶▶ रांझी थाना क्षेत्र में वारदात, जांच में जुटी पुलिस

सफर के दौरान महिला का पर्स हुआ चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में 30 वर्षीय आरती चक्रवर्ती निवासी बड़ा पत्थर रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह सिलाई का काम करती है। 18 जून को दोपहर बस स्टेण्ड जाने के लिये बड़ा पत्थर से आटो में बैठी। अपने पास रखे बैग में नगदी 20 हजार रूपये और गहने थे। बैग को उसी आटो में पीछे रख दिया था तीन पत्ती में उतरने के बाद उसने अपना बैग आटो से उतारा देखा बैग की चैन खुली थी लेकिन उसने अपना सामान चैक नहीं किया था। वह दूसरे आटो में बैठकर गंज मोहल्ला बरेला चली गयी। मायके पहुंचने के कुछ देर बाद उसने अपना सामान चैक किया बैग में रखा सभी समान गायब था।

▶▶ माढ़ोताल थाने की घटना, जांच शुरू

कार से आए युवकों ने पार किया डीजल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माढ़ोताल थाने में 24 वर्षीय गिर्राज श्रीवास निवासी ग्राम रनगवां, ग्वालियर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की उसके पास आईसर कम्पनी का लोडिंग वाहन है जिसे वह चलाता है। 19 जून को वाहन लेकर जबलपुर आया था। जबलपुर के पास उमरिया डुंगरिया में नल का पाइप की फैक्ट्री से पाइप लोड कर रात को सूरतलाई के पास आया नींद आने के कारण उसने वाहन भारत पेट्रोल पम्प के सामने खड़ा करके सो गया था। रात तीन बजे एक सफेद रंग की कार से अज्ञात 4 लड़के आये और उसके आईसर वाहन के डीजल टेंक में मशीन फिट कर डिब्बों में लगभग 100 लीटर चोरी करके भाग गये।

केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि समाज के कल्याण के लिए भी करें शिक्षा, प्रतिभा का उपयोग

रादुविवि के 36वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का 36वां दीक्षांत समारोह रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मुख्यातिथ में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के केंद्र नहींए बल्कि नवाचार, अनुसंधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच के विकास के प्रमुख केंद्र होते हैं। विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना भी विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। आधुनिकता और परंपरा के संतुलन से ही देश का समग्र विकास संभव है।

वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा को किया नमन

इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विभिन्न संकायों में एक से अधिक स्वकर्ण पदक अर्जित करने वाले 20 छात्र-छात्राओं को अपने करकमलों से स्वोर्ण पदक प्रदान किया तथा उपाधियों का वितरण किया। कार्यक्रम में विश्विवद्यालय के 141 विद्यार्थियों को 240 स्वार्ण पदकों का वितरण किया गया। साथ ही 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्ने उपाधियां प्रदान की। मंचीय कार्यक्रम के पूर्व महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विश्विविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित की।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में समाहित करने, नवाचार को प्रोत्साहन देने तथा डिजाइन इनोवेशन सेंटर के माध्यम से पेटेंट प्राप्त करने जैसे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में बेटियों की संख्या अधिक है, जो महिला सशक्तिकरण और बदलते भारत की सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी शिक्षा और प्रतिभा का उपयोग केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित न रखें, बल्कि समाज के व्यापक कल्याण के लिए भी करें।

राज्यपाल, मुख्यमंत्री रहे उपस्थित

राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होना हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को और अधिक गौरवशाली बना दिया है। यह अवसर न केवल विश्वविद्यालय बल्कि सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात कुलगुरु प्रो डॉ राजेश कुमार वर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार, राज्य सभा सांसद सुमित्रा वाल्मीषक, सांसद आशीष दुबे आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर पदाधिकारियों से की भेंट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रविवार को भाजपा संभागीय कार्यालय पहुंचकर पदाधिकारियों पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं से आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संगठनात्मक गतिविधियों, जनहित के मुद्दों तथा प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याण और विकास के संकल्प को लेकर निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने पदाधिकारियों एवं पार्षदों से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा जनता के बीच निरंतर संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विभिन्न स्थानीय विषयों से उन्हें अवगत कराया, मुख्यमंत्री ने सभी की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया।

पुरानी रंजिश पर मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में 50 वर्षीय छिंगा रैकवार निवासी सरकारी स्कूल के पास रिछाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है। रात को अपने घर में था तभी पत्नी सविता के चिल्लाने की आवाज आयी कि सरकारी स्कूल के पास मोहित को बादल कोल, बच्चू कोल एवं विक्की कोल ने चाकू से मारपीट कर रहे हैं, वह सरकारी स्कूल के पास जाकर देखा बादल कोल, बच्चू कोल, विक्की कोल उसके बेटे मोहित रैकवार को चाकू से मार रहे थे, वह चिल्लाया तो सभी भाग गये।

14 सप्ताह से निरंतर चल रहा घाट सफाई का काम

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मप्र शासन के मुखिया डॉ.मोहन यादव के द्वारा 19 मार्च से 30 जून तक चलाए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान की कड़ी में जन अभियान परिषद एवं जनसेवा समिति के संयोजन में सिहोरा के गोसलपुर में स्थित रामसागर तालाब के घाटों की सफाई का अभियान निरंतर 14 हफ्ता से चल रहा है। इस सफाई अभियान में लगातार प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं वही तालाब के घाटों की सफाई में लगे लोगों का मनोबल बढ़ाने जनप्रतिनिधि भी शामिल होकर इस कार्य की तारीफ कर रहे हैं। इसी कड़ी में क्षेत्र के मोनू पुष्पराज सिंह बघेल ने कहा की प्राचीन जल स्त्रोतों जल संरचनाओं को संरक्षित व सुरक्षित करना समाज का नैतिक दायित्व है। इस आयोजन में गिरिजा जितेंद्र पालीवाल, धर्मेंद्र सिंह राजपूत ,हेमचंद असाटी,रवि तिवारी ,राम निरंजन दुबे ,रवि सिंह चक्रवर्ती, आशु त्रिपाठी, संजीव चौधरी शामिल रहे।

सड़क की बदहाली देख 2 किमी पैदल चली गर्भवती, दोनों की हुई मौत

विकास के बड़े-बड़े दावों की खुली पोल, जिम्मेदार बेअसर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच शहर से एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसने व्यवस्था की संवेदनशीलता और जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल शहर सीमा से लगे एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड की ब्रजपुरी कॉलोनी में सड़क की बदहाली एक गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की जिंदगी पर भारी पड़ गई।

समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण 22 वर्षीय ममता कुशवाहा और उसके गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई। यह केवल एक परिवार का दुख नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता की कहानी है, जो विकास के दावे तो करती है, लेकिन मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाती। बताया जा रहा है कि विगत दिवस साढ़े 7 महीने की गर्भवती ममता कुशवाहा को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई। उस समय उनके पति अमन कुशवाहा मजदूरी के लिए घर से बाहर गए हुए थे। घर पर मौजूद जेठानी ने तुरंत अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन कॉलोनी तक पहुंचने वाली सड़क कीचड़, गड्ढों और खराब हालात के कारण वाहन चालकों ने अंदर आने से मना कर दिया। दर्द से कराह रही ममता के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। मजबूरी में उन्हें जेठानी के सहारे पैदल ही मुख्य सड़क तक जाना पड़ा। लगभग 2 किलोमीटर का यह सफर उनके लिए किसी यातना से कम नहीं था। हर कदम के साथ दर्द बढ़ता जा रहा था और समय हाथ से निकलता जा रहा था।

अस्पतालों के बीच दौड़ती रही जिंदगी

इस दौरान किसी तरह ऑटो मिला और ममता को लेडी एल्गिन अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए तुरंत नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक पहुंचने की इस जद्दोजहद में कीमती समय निकल चुका था।मेडिकल कॉलेज पहुंचते-पहुंचते गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई। ब्रजपुरी कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र की खराब सड़क और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। गर्भवती ममता और उसके अजन्मे बच्चे की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर विकास के दावे तब किस काम के हैं, जब एक गर्भवती महिला को इलाज के लिए 2 किलोमीटर पैदल चलना पड़े और उसकी कीमत उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़े।

सख्त पहरे में आयोजित हुई री-नीट परीक्षा

सीआईएसएफ के जवानों ने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए प्रश्न पत्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में रविवार को 23 परीक्षा केंद्रों में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा री-नीट 2026 परीक्षा का आयोजन किया गया। इधर शहर में राष्ट्रपति के मूवमेंट को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पहले से ही परीक्षार्थियों को असुविधा ना हो, इसके लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी।

इनमें से शहर से दूर स्थित तीन परीक्षा केंद्रों तक अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए भुगतान आधारित (पेड) बस सेवा उपलब्ध कराई गई थी। परीक्षा के से पहले नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र सदर स्थित केनरा बैंक में सुरक्षित रखे गए थे। बैंक के बाहर सीआईएसएफ के जवान तैनात रहे। प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को सौंपी गई थी, जिन्होंने सीआईएसएफ के जवानों के साथ सुरक्षा व्यवस्था के बीच इन्हें केंद्रों तक पहुंचाया । जानकारी के मुताबिक कुल 10441 परीक्षार्थियों में से 8693 परीक्षार्थी ही री नीट की परीक्षा में सम्मिलित हुए। जबकि 1748 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

हाइवे के ढाबो में खुलेआम परोसी जा रही शराब

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

पुलिस थाना गोसलपुर के अंतर्गत आने वाले गांधीग्राम से लेकर घाट सिमरिया तक एनएच 30 हाईवे में लगभग एक दर्जन ढाबा होटल रेस्टोरेंट संचालित होत्ये है। यहां पर बड़े लंबे समय से पुलिस की अनदेखी व आबकारी विभाग की सांठगांठ के चलते ढाबो से खुलेआम शराब का विक्रय किया जा रहा है।

शाम के वक्त शराबी यहीं पर बैठकर जाम से जाम टकराते हैं और यह होटल, ढाबा शाम के बाद मयखानो में तब्दील हो जाते हैं। ढाबा संचालक अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए यह अनैतिक कार्य को बढ़ावा दे रहे हैं हालांकि समय-समय पर प्रशिक्षु एसडीओपी आईपीएस आदित्य सिंघारिया द्वारा कार्यवाही की जाती है परंतु उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई न होने के कारण हालत जस के तस बने हुए है। स्थानीय लोगों का कहना है की यह गैर कानूनी कार्य होटल ढाबो रेस्टोरेंट में बंद होना चाहिए।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने की परीक्षार्थियों की मदद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर मंडल के वाणिज्य विभाग के निर्देशानुसार आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों की सुविधा एवं मार्गदर्शन हेतु भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जबलपुर मंडल के सदस्यों की विशेष ड्यूटी लगाई गई। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के निर्देश पर तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं मुख्य जिला आयुक्त दिनेश कुमार कलामे जिला आयुक्त स्काउट वरुण चतुर्वेदी एवं सहायक जिला आयुक्त स्काउट शची पति नंदन के मार्गदर्शन में जबलपुर, सतना, रीवा, दमोह एवं सागर रेलवे स्टेशनों पर स्काउट एवं गाइड सदस्य तैनात रहे। इन सदस्यों ने परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों को स्टेशन परिसर में उचित मार्गदर्शन प्रदान किया तथा उन्हें परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**